3 | राजधानी
रंग ला रही मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना

6 | अभिमत
कनाडा में भारतीयों पर संकट

11 | विदेश
हैरिस को वोट देने से हिचक रहे भारतीय अमेरिकी

12 | स्पोर्ट्स
बांग्लादेश 106 रन पर सिमटा

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 6
लखनऊ, मंगलवार, 22 अक्टूबर, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

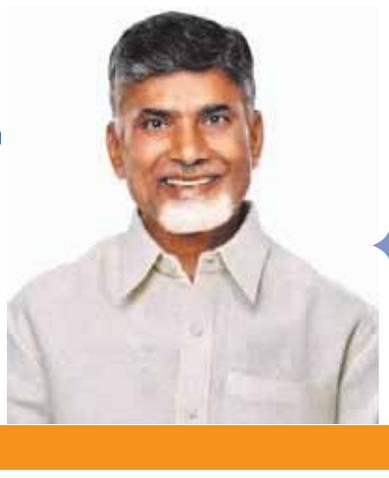

नायडू ने अधिक बच्चे पैदा करने का आह्वान किया

राष्ट्रीय - 10

एलएसी पर शांति की दिशा में कदम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रतीकात्मक चित्र

पिछले चार वर्षों से दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों में सुधार का संकेत देते हुए विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को घोषणा की कि भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त व्यवस्था पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं। मिस्री ने कहा कि इससे दोनों पक्षों के सैनिकों की अंतत: वापसी होगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बाद में कहा, '...हम कह सकते हैं कि चीन के साथ वापसी की प्रक्रिया पूरी हो गई है...हम 2020 में जो गश्त कर रहे थे, वह कर पाएंगे। मुझे लगता है कि यह एक अच्छी प्रगति है....।'

यह महत्वपूर्ण प्रगति रूस के कज़ान में ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका (ब्रिक्स) शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले हुई है। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन मंगलवार से शुरू हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बैठक के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक कर सकते हैं, हालांकि अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। ताजा घटनाक्रम के बारे में मिसरी ने कहा कि दोनों देशों के अधिकारियों के बीच हाल ही में हुई बातचीत के बाद दोनों देश एलएसी पर गश्त व्यवस्था पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा, पिछले कई हफ्तों से भारतीय और चीनी राजनयिक और सैन्य वार्ताकार विभिन्न मंचों पर एक-दूसरे के साथ निकट संपर्क में हैं। इन चर्चाओं के परिणामस्वरूप भारत चीन सीमा क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त व्यवस्था पर सहमति बन गई है, जिससे 2020 में इन क्षेत्रों में उत्पन्न हुए मुद्दों का समाधान हो गया है। हम इस पर अगला कदम उठाएंगे।'

विदेश सचिव ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों से भारतीय और चीनी वार्ताकार शेष मुद्दों को सुलझाने के लिए संपर्क में हैं। समझा जाता है कि यह समझौता देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों में गश्त से संबंधित है। यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि यह समझौता गतिरोध से पहले मौजूद गश्त के अधिकारों की बहाली की सुविधा प्रदान करता है या नहीं। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर तनाव बढ़ गया था जब चीन ने सीमा पर यथास्थिति को बदलने की एकतरफा कोशिश की थी। इसके कारण उस साल 15 जून को गलवान में दोनों सेनाओं के सैनिकों के बीच बड़ी झड़प हुई थी। इस झड़प में कमांडिंग ऑफिसर सहित 20 भारतीय सैन्यकर्मी मारे गए थे, जबकि 40 से अधिक चीनी सैनिक भी मारे गए थे। इसके बाद दोनों पक्षों ने एलएसी के अपने-अपने क्षेत्रों में सैनिकों और हथियारों को इकट्ठा किया। वास्तव में, भारत कोई भी जोखिम नहीं उठाना चाहता था, इसलिए उसने एलएसी पर सर्दियों के महीनों में भी अपने सैनिकों को तैनात किया। पहले, सैनिक सर्दियों के दौरान अपने ठिकानों पर वापस चले जाते थे। एक समय ऐसा था जब दोनों पक्षों के 50,000 से अधिक सैनिक एलएसी पर टकराव वाले बिंदुओं पर आमने-सामने थे। स्थिति को देखते हुए, भारत और चीन ने 2020 से सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर कई दौर की बातचीत की है। दोनों पक्षों के कोर कमांडरों ने जहां सैन्य स्तर की वार्ता की, वहीं कूटनीतिक स्तर की वार्ता भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र (डब्ल्युएमसीसी) के तत्वावधान में हुई। भारत का कहना है कि जब तक सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति नहीं होगी, तब तक चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते। गतिरोध शुरू होने के बाद से सभी वार्ताओं में भारत पीपुल्स (शेष पृष्ठ 9)

नई दिल्ली के रोहिणी इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के पास रविवार को हुए बम धमाके बाद घटनास्थल की जांच करती एनआईए और दिल्ली पुलिस के अधिकारी। फोटोः रंजन डिमरी

दिल्ली बम धमाकों की कई कोणों से की जा रही जांच

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

खालिस्तानी लिंक, सफेद टी-शर्ट में एक संदिग्ध व्यक्ति और एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी)- ये वे कोण हैं जिन पर बहु-एजेंसी जांच केंद्रित है। एक दिन पहले ही केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) पब्लिक स्कूल के पास हुए बम विस्फोट ने राष्ट्रीय राजधानी में सनसनी फैला दी थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, संदेह है कि एक प्लास्टिक बैग में लिपटा एक आईईडी सीआरपीएफ स्कूल की दीवार के पास एक फुट गहरे गड्ढे में छिपाकर रखा गया था। सीआरपीएफ की एक टीम ने सोमवार सुबह घटनास्थल का दौरा किया, जबकि आईईडी प्रबंधन संस्थान के अधिकारियों ने जमीनी आकलन किया। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) का बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) दिल्ली पुलिस को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने की तैयारी कर रहा है। सीआरपीएफ, जमीनी आकलन में अपनी विशेषज्ञता और आईईडी प्रबंधन संस्थान की भागीदारी के साथ, विस्फोट के तंत्र और उत्पत्ति को समझने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। बदले में दिल्ली पुलिस से गृह मंत्रालय (एमएचए) को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद है। इसके अलावा, एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) और दिल्ली पुलिस की फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) जांच में सहायता कर रही है। इस बीच, दुकानें बंद रहीं और प्रशांत विहार इलाके (शेष पृष्ठ 9)

दिल्ली की हवा बहुत खराब, ग्रैप-2 लागू

संजय राय। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। तापमान में गिरावट नहीं हो रही है और दिन में तेज धूप के कारण गर्मी का अहसास बना हुआ है। प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। दिल्ली के 29 इलाके रेड जोन में हैं और शादीपुर में स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। यहां सोमवार रात आठ बजे एक्यूआई 366 दर्ज किया गया। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले तीन दिनों तक दिल्ली की हवा बहुत खराब श्रेणी में रहेगी। इस बीच दिल्ली में ग्रैप-2 की पाबंदियां लागू कर दी हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 से ज्यादा होने पर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने आदेश जारी किया। मंगलवार सुबह 8 बजे से ग्रैप-2 लागू होगा। इस आदेश के लागू होते ही दिल्ली-एनसीआर में डीजल जनरेटर पर रोक लगेगी। सीपीसीबी के अनुसार, दिल्ली सोमवार को औसत दैनिक एक्यूआई 315 दर्ज किया गया, जो कि 'बहुत खराब' श्रेणी है। फरीदाबाद में 162, गुरुग्राम 206, गाजियाबाद 256, नोएडा 269 ग्रेटर नोएडा में वायु गुणवत्ता सूचकांक 216 दर्ज किया गया।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के अनुसार, ग्रैप- 2 के तहत 12 तरह की कार्रवाई की बात की गई है। इसके लागू होने के बाद डीजल जनरेटर चलने पर लगेगी रोक। प्राइवेट गाड़ियों के इस्तेमाल को कम करने के लिए पार्किंग फीस को बढ़ाया जाएगा। सीएनजी-इलेक्ट्रिक बसों और मेट्रो के फेरों को बढ़ाया जाएगा। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन अपने सुरक्षा गार्ड को हीटर देंगे ताकि वे गर्माहट के लिए कचरा, लकड़ी या कोयला न जलाएं। नैचुरल गैस, बायो गैस, एलपीजी से चलने वाले जेनरेटर चल सकेंगे। 800 किलोवाट से अधिक क्षमता वाले जेनरेटर तभी चल सकेंगे जब वह रेट्रोफिटिंग करवाएंगे। इसके अलावा रोजाना सड़कों की सफाई की जाएगी। इसके लिए वैक्यूम मशीन का इस्तेमाल किया जाएगा। सड़कों पर पानी का छिड़काव किया जाएगा। जहां एक्यूआई ज्यादा है वहां इस चीज का खास ध्यान रखा जाएगा। निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण किया जाएगा। यह देखा जाएगा कि वहां धूल नियंत्रण के उपाय अपनाए जा रहे हैं या नहीं। कमी पाने पर सख्त ऐक्शन की जाएगी। होटल, रेस्टोरेंट, आदि में तंदूर का इस्तेमाल भी नहीं किया जा सकेगा। होटल और रेस्टोरेंट को केवल बिजली और गैस आधारित उपकरण इस्तेमाल करने की इजाजत होगी। बिजली काटने की मनाही रहेगी। ताकि लोग जेनरेटर का इस्तेमाल न करें। डीजल जनरेटर के इस्तेमाल पर बैन रहेगा। हालांकि यह नियम आपातकालीन और आवश्यक सेवाएं की स्थिति में लागू नहीं होगा। यातायात प्रभावित न हो और जाम की स्थिति न बने इसके लिए पर्याप्त संख्या में यातायात कर्मियों की तैनाती की जाएगी। अखबार, टीवी और रेडियो पर बढ़ते प्रदूषण के बारे में लोगों को बताया जाएगा। उन्हें एक्यूआई के बारे में जानकारी दी जाएगी और किन नियमों का पालन करना है यह भी बताया जाएगा।

इस बीच राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने पूर्वी दिल्ली की हवा में भारी धातु प्रदूषण से संबंधित मामले में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति और अन्य प्राधिकारियों से जवाब मांगा है। एनजीटी मीडिया रिपोर्ट का स्वत: संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा था, जिसमें आईआईटी-दिल्ली द्वारा किए गए एक अध्ययन के हवाले से बताया गया है कि पूर्वी दिल्ली की हवा में सीसा, कैडमियम और निकल जैसी भारी धातुओं के खतरनाक स्तर का पता चला है, जो श्वसन और (शेष पृष्ठ 9)

इन इलाकों का एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में

शादीपुर 366, पंजाबी बाग 359, आनंद विहार 356, वजीरपुर 354, बुराड़ी क्रॉसिंग 346, बवाना 348, अशोक विहार 345, आरकेपुरम 345, रोहिणी 345, सोनिया विहार 344, जहांगीरपुरी 344, मुंडका 342, नेहरू नगर 335, विवेक विहार 333, द्वारका सेक्टर-8 325, मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम 325, आया नगर 323, नरेला 321, नॉर्थ कैंपस, दिल्ली यूनिवर्सिटी 321, मंदिर मार्ग 317, ओखला फेज-2 317, पटपड़गंज 316, सिरीफोर्ट 311, अलीपुर 311, नजफगढ़ 310, डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज 306, अरबिंदो मार्ग 305, पूसा 305, आईटीओ 301।

फर्जी बम की धमकी देने वालों की कसेगी नकेल

राजेश कुमार। नई दिल्ली

पिछले एक सप्ताह में कई भारतीय एयरलाइनों को बम की धमकी के लगातार संदेश मिलने के बाद, जिसके कारण उड़ानें डायवर्ट, रद्द और यात्रियों को असुविधा हुई, केंद्र सरकार भारतीय एयरलाइनों को दी जाने वाली फर्जी कॉल धमकियों को संज्ञेय अपराध बनाने की योजना बना रही है। सरकार फर्जी कॉल करने वालों को 'नो फ्लाई लिस्ट' में डालने की भी योजना बना रही है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए इसकी घोषणा की। वर्तमान में, यह सख्त कानून उन लोगों के खिलाफ लागू किया जाता है जो फर्जी कॉल करते हैं और विमान की सुरक्षा को खतरे में डालते हैं, जब वह जमीन पर नहीं बल्कि हवा में होता है। इस बीच, दो शीर्ष विमानन सुरक्षा अधिकारियों ने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन से मुलाकात की और भारतीय एयरलाइनों को बम की धमकी की लगातार घटनाओं पर चर्चा की, जिसके कारण उड़ानें डायवर्ट, रद्द और यात्रियों को असुविधा हुई।

नायडू ने कहा कि विमानन सुरक्षा नियमों के साथ-साथ नागरिक विमानन सुरक्षा के विरुद्ध गैरकानूनी कृत्यों के दमन अधिनियम, 1982 में संशोधन की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा, ... मंत्रालय की ओर से हमने कुछ विधायी कार्रवाई के बारे में सोचा है, यदि इसकी आवश्यकता है। हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि दो क्षेत्र हैं, जिन पर हम विचार कर सकते हैं - 1) विमान सुरक्षा नियमों में संशोधन... इन नियमों में बदलाव करके हम जो विचार प्रचारित करना चाहते हैं, उनमें से एक यह है कि एक बार जब हम इसके पीछे के अपराधी को पकड़ लेते हैं, तो हम उन्हें नो-फ्लाइंग सूची में डालना चाहते हैं... 2) नागरिक विमानन सुरक्षा के विरुद्ध गैरकानूनी कृत्यों के दमन अधिनियम...।' जबकि यह (एसयूएससीए) विमान के यात्रा करते समय, उड़ान भरते समय होने वाले अपराधों का ध्यान रखता है, अगर हम इस तरह के खतरों से निपटना चाहते हैं, जो हो रहे हैं। हम उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना चाहते हैं, जो इसके पीछे हैं, जब कोई नकली या झूठी धमकी देने की कोशिश कर रहे हैं, तो हमें जमीन पर और हवाई अड्डे पर भी इस कृत्य को कवर करना होगा। इसलिए हम संशोधन करने की कोशिश कर रहे हैं। नायडू ने एयरलाइनों को भेजे गए फर्जी कॉल संदेशों के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, 'हमारी कानूनी टीम ने इस पर बहुत गहनता से काम किया है और हम इसमें संशोधन लाने जा रहे हैं।'

उन्होंने कहा, हम इसे संज्ञेय अपराध बनाना चाहते हैं। भले ही ये फर्जी धमकियाँ हों, लेकिन हम इसे हल्के में नहीं ले सकते.. हमारे पास एक तय प्रोटोकॉल है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विमानन मंत्रालय गृह मंत्रालय जैसे अन्य मंत्रालयों के साथ परामर्श कर रहा है। हम खुफिया, आईबी और अन्य सभी महत्वपूर्ण लोगों का उपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं, जो इसमें शामिल हैं, खासकर गृह मंत्रालय और सभी, सभी एक साथ सहयोग कर रहे हैं। हम इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं और हम यह सुनिश्चित (शेष पृष्ठ 9)

पर्याप्त प्रदूषण है, पटाखा बेचने की अनुमति नहीं दे सकते: कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह राष्ट्रीय राजधानी में पहले से ही 'पर्याप्त' प्रदूषण होने पर पटाखों की बिक्री की अनुमति नहीं दे सकता। अदालत की यह मौखिक टिप्पणी दिल्ली फायरवर्क्स शॉपकीपर्स एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए आई, जो व्यापारियों का एक समूह है, जिसके पास पटाखे रखने और बेचने का 'स्थायी' लाइसेंस है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि व्यापारियों की शिकायत पटाखों के भंडारण पर प्रतिबंध के संबंध में है, क्योंकि इससे कथित तौर पर उत्पीड़न हो रहा है।

सुनवाई के दौरान, अदालत ने कहा कि वह अधिकारियों से पटाखों के भंडारण के लिए इस्तेमाल किए जा रहे व्यापारियों के परिसर को सील करने के लिए कहेगी, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई चोरी न हो। न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने कहा, राज्य को सीलिंग प्रक्रिया में शामिल होना चाहिए, ताकि कोई चोरी न हो। न्यायाधीश ने मौखिक रूप से कहा, हम आपको बेचने की अनुमति नहीं देंगे। इस शहर में पर्याप्त प्रदूषण है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि भले ही उसके सदस्यों द्वारा कोई पटाखा नहीं बेचा जा रहा था, लेकिन प्रतिबंध के आदेश के तुरंत बाद, पुलिस ने स्थायी लाइसेंसधारियों से पूछताछ करना शुरू कर दिया कि वे पटाखे क्यों संग्रहीत कर रहे थे। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता द्वारा उद्धृत मामलों में से एक में, किसी व्यक्ति पर पटाखे बेचने का आरोप था और कहा कि जो कोई भी कानून का उल्लंघन करता है, उसके खिलाफ केस चलाया जाएगा। (शेष पृष्ठ 9)

देश भर में लगाए जा रहे 10 परमाणु रिएक्टर

पीएनएस। नई दिल्ली

देश में कम से कम 10 परमाणु रिएक्टर लगाए जा रहे हैं, जबकि गुजरात के काकरापार में दो रिएक्टरों ने व्यावसायिक रूप से बिजली पैदा करना शुरू कर दिया है, सोमवार को विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर संसद की स्थायी समिति को सूचित किया गया। सूत्रों के अनुसार, गुजरात, राजस्थान और हरियाणा जैसे राज्यों में आने वाले नए परमाणु रिएक्टर 700 मेगावाट क्षमता के हैं और अगले कुछ वर्षों में काम करना शुरू कर देंगे। यहां एक बैठक के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन पर संसद की स्थायी समिति के सदस्यों को नए परमाणु रिएक्टरों का विवरण प्रदान किया गया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश, जो समिति के सदस्य होने के साथ-साथ इसके पूर्व अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि बैठक के दौरान पैनल के सदस्यों को सूचित किया गया कि गुजरात में काकरापार-3 और काकरापार-4 परमाणु रिएक्टर पूरी तरह से ग्रिड के साथ सिंक्रनाइज़ हो गए हैं और व्यावसायिक रूप से बिजली पैदा कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'यह एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि ये स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए 700 मेगावाट के रिएक्टर हैं, जिन्हें 2007 में मंजूरी दी गई थी। (शेष पृष्ठ 9)

उप्र पुलिस की वर्दी भत्ते में 70% की वृद्धि

लखनऊ में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर वर्दी भत्ते में 70 प्रतिशत की वृद्धि, बैरक में रहने वाले आरक्षियों के पुलिस अकोमोडेशन अलाउंस में 25 प्रतिशत की वृद्धि और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खेलकूद में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, आहार समेत अन्य मदों के लिए अगले वित्तीय वर्ष के बजट में 10 करोड़ रुपये बढ़ाने की घोषणा की। इन घोषणाओं पर प्रदेश सरकार 115 करोड़ रुपये का खर्च वहन करेगी। सीएम योगी ने बहु मंजिल आवास और प्रशासनिक भवन के रखरखाव के लिए 1,380 करोड़ रुपए के कॉरपस फंड की घोषणा की। वहीं अंतरराष्ट्रीय आयोजन में पुलिस बल पर आने वाले खर्च पर प्रस्तावित शुल्क लगाने की स्वीकृति की, जो पुलिस महानिदेशक के अधीन रहेगा। साथ ही इसका सम्मान प्रस्तावित कॉरपस नियमावली के तहत किया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दिवगंत शहीद पुलिस कर्मियों को याद किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ कर जनमानस में सुरक्षा की भावना बलवती करना एवं अपराधियों में कानून का भय पैदा करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कर्तव्यों का पालन करते हुए शहीद पुलिस कर्मी, केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों तथा (शेष पृष्ठ 9)

वाहनों का धुआं आपके फेफड़ों को बना रहा बीमार, लगाएं मास्क

राजेश कुमार। नई दिल्ली

● शाम के समय वाहनों से निकलता है 18 प्रतिशत पीएम 2.5

राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण में वाहनों की भीड़ का सबसे बड़ा योगदान है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान के डिसिजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के अनुसार परिवहन से होने वाले उत्सर्जन ने सोमवार को लगभग 11.2 प्रतिशत वायु प्रदूषण में योगदान दिया। आईआईटी कानपुर के एक अध्ययन के अनुसार, शाम के समय यातायात की चरम अवधि के दौरान स्थानीय ऑन-रोड परिवहन क्षेत्र का दैनिक औसत पीएम 2.5 में योगदान सबसे अधिक (18 फीसदी) होता है। इसमें दोपहिया और तिपहिया वाहनों (50 फीसदी) का योगदान सबसे अधिक है, उसके बाद भारी वाहनों (30 फीसदी) का योगदान है, जो दिन के किसी भी समय कुल ऑन-रोड परिवहन क्षेत्र का सामूहिक रूप से 60-70 फीसदी प्रतिनिधित्व करते हैं।

वाहनों की खराबी और दिल्ली मेट्रो, दिल्ली जल बोर्ड और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) जैसी एजेंसियों द्वारा चल रहे निर्माण कार्यों ने भीड़भाड़ की समस्या को और बढ़ा दिया, जिससे सुबह के समय रोजाना ऑफिस जाने वालों को असुविधा हुई और वायु प्रदूषण बिगड़ गया। महरौली-बदरपुर रोड, महरौली-गुरुग्राम रोड, नेताजी सुभाष मार्ग, वजीराबाद रोड, राजा गार्डन रोड, कश्मीरी गेट आईएसबीटी, सदर बाजार, चिराग दिल्ली, सरोजिनी नगर, चांदनी चौक, लाजपत नगर, कमला नगर सहित प्रमुख बाजारों के आसपास की सड़कें उन इलाकों में शामिल थीं, जहां सोमवार को भारी ट्रैफिक रहा।

गुरुग्राम में सोमवार की शाम स्मॉग की चादर के बीच गंतव्य की ओर जाते वाहन।

ये हिस्से सबसे व्यस्त सड़कें हैं, जिन्हें सप्ताह के दौरान भारी ट्रैफिक प्रवाह के लिए जाना जाता है। लाखों लोग रोजाना दिल्ली से गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद आते-जाते हैं। डीएसएस-आईआईटीएम के आंकड़ों के अनुसार, पड़ोसी नोएडा लगातार दिल्ली के प्रदूषण में 10 से 11 प्रतिशत का योगदान दे रहा है, जबकि गाजियाबाद का हिस्सा 5 से 10 प्रतिशत के बीच है। दिल्ली से लगभग 110 किलोमीटर दूर उत्तर प्रदेश का एक जिला बुलंदशहर, उल्लेखनीय रूप से छह से नौ प्रतिशत की वृद्धि करता है।

इस बीच, हरियाणा में गुरुग्राम और फरीदाबाद क्रमश: 1.5 से 3 प्रतिशत और 3 से 5 प्रतिशत के बीच योगदान करते हैं। डीएसएस, जो राष्ट्रीय राजधानी के लिए प्रदूषण के स्रोतों की पहचान और पूर्वानुमान करता है, के पास अब एक अद्यतन सूची है जो इसके पूर्वानुमान की दक्षता में सुधार करने में मदद करेगी। 31 मार्च, 2023 तक, दिल्ली में 79.5 लाख वाहन थे, जिनमें 20.7 लाख निजी कारें शामिल थीं। सांख्यिकी पुस्तिका 2023 के अनुसार, दिल्ली में 20,71,115 पंजीकृत कारें और जीपें हैं; 52,94,900 मोटरसाइकिल और स्कूटर; 93,654 ऑटो-रिक्शा; और 1,18,506 ई-रिक्शा हैं जो अंतिम मील कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं। डेटा यह भी दर्शाता है कि टैक्सियों की संख्या 2021-22 में 85,079 से घटकर 2022-23 में 83,278 हो गई। दिल्ली सरकार द्वारा 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध लगाने के कारण दिल्ली में वाहनों की संख्या में कमी आई है। पिछले तीन दशकों में दिल्ली में वाहनों की संख्या में लगभग 21 गुना वृद्धि हुई है, जबकि सड़कों की लंबाई केवल दोगुनी हुई है।

त्रेता युग का अनुभव कराएंगे संस्कृति विभाग के मंच

दीपोत्सव 2024

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

दीपोत्सव 2024 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और रामनगरी अयोध्या में भव्य आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। इस वर्ष, दीपोत्सव का आठवां संस्करण पहले से भी अधिक भव्य और अद्वितीय होने जा रहा है। योगी सरकार के नेतृत्व में अयोध्या को त्रेता युग के स्वरूप में ढालने का प्रयास जारी है, जिससे भगवान श्रीराम के समय की पवित्रता और आध्यात्मिकता का अनुभव कराया जा सके। राम की पैड़ी, जहां लाखों दीप जलाए जाएंगे, को विस्तार देने का काम चल रहा है और नगर को पूरी तरह से सजाया और संवारा जा रहा है।

दीपोत्सव 2024 का आयोजन भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में विराजमान होने के बाद पहली बार हो रहा है, जिससे इस पर्व की महत्ता और भी बढ़ गई है। योगी सरकार के नेतृत्व में अयोध्या को त्रेता युग के स्वरूप में ढालने का प्रयास हो रहा है। रामनगरी को सजाने और संवारने का काम दिन-रात जारी है, ताकि इस आयोजन को अद्वितीय

अयोध्या में आठवां दीपोत्सव होगा महाभव्य

और यादगार बनाया जा सके। संस्कृति विभाग द्वारा दीपोत्सव के लिए 10 बड़े सांस्कृतिक मंचों का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें तीन बड़े और सात छोटे मंच शामिल हैं। इन मंचों पर आधुनिक तकनीक के सहारे त्रेता युग की झलकियों को प्रदर्शित किया जाएगा। रामकथा पार्क में एक विशाल प्रदर्शनी का आयोजन होगा, जो रामायण के विभिन्न प्रसंगों को आधुनिक तकनीकी माध्यमों से जीवंत करेगी। इस प्रदर्शनी में श्रद्धालु त्रेता युग का अनुभव कर सकेंगे और रामायण के महत्वपूर्ण पलों को करीब से देख पाएंगे। दीपोत्सव के भव्य आयोजन के लिए अयोध्या नगर निगम और संस्कृति विभाग मिलकर काम कर रहे हैं।

नगर निगम शहर की साफ-सफाई और पेंटिंग का कार्य कर रहा है, जबकि संस्कृति विभाग मठों, मंदिरों और धार्मिक स्थलों को सजाने-संवारने में जुटा हुआ है। मठ-मंदिरों की सजावट के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं, ताकि श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक और भव्य वातावरण का अनुभव हो। इस वर्ष, दीपोत्सव से पहले अयोध्या को राजधानी लखनऊ से जोड़ने वाले गोरखपुर-लखनऊ रोड को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। इस मार्ग पर रामायण से जुड़े प्रसंगों की जीवंत झलकियां प्रस्तुत की जाएंगी। मार्ग के दोनों ओर रामायण के महत्वपूर्ण घटनाक्रमों को चित्रित करने की योजना बनाई गई है, जिससे दीपोत्सव की पवित्रता और महत्ता को बढ़ाया जा सके। दीपोत्सव 2024 के कार्यक्रम 28 से 30 अक्टूबर तक आयोजित किए जाएंगे।

इस दौरान अयोध्या के प्रमुख स्थलों पर दीपों की जगमगाहट के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम होगी। मुख्य आयोजन स्थल राम की पैड़ी को भव्य रूप से सजाया जाएगा और यहां लाखों दीप जलाए जाएंगे।

पूरे शहर में 10 सांस्कृतिक मंच बनाने की योजना

- रामकथा पार्क-यहां आधुनिक तकनीकी आधारित प्रदर्शनी का आयोजन होगा।
- गुप्तार घाट-यहां बड़े सांस्कृतिक मंच का निर्माण किया जाएगा।
- बड़ी देवकाली-यहां भी एक प्रमुख मंच बनेगा।
- नया घाट-यहां दीपोत्सव के दौरान सबसे बड़ा मंच होगा।
- रामघाट-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- बिड़ला धर्मशाला, भरतकुंड, तुलसी उद्यान, भजन संध्या स्थल, नाका हनुमानगढ़ी, बस अड्डा बाईपास, और धर्मपथ में भी छोटे-छोटे मंच बनाए जाएंगे।

यूपी में धार्मिक, आध्यात्मिक, ईको के साथ ही महत्वपूर्ण हेरिटेज साइट्सः जयवीर सिंह

भारत सरकार की स्वदर्शन 2.0 स्कीम के तहत संत गुरू गोरखनाथ की तपोभूमि गोरखगिरि पहाड़ी एवं रहिलिया सूर्य मंदिर तथा कीरत सागर झील का होगा पर्यटन विकास

लखनऊ। पर्यटन मंत्री ने जयवीर सिंह ने कहा कि महोबा जिले में स्थित गोरखगिरि पहाड़ी पूज्य संत गुरु गोरखनाथजी की तपोभूमि रही है। यहीं वह अपने शिष्यों के साथ रहते थे। केंद्र सरकार ने यहां के पर्यटन विकास की पहल की है। विशिष्ट ग्रेनाइट चट्टान संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध इस पर्वत के साथ-साथ रहिलिया सूर्य मंदिर और कीरत सागर झील के आसपास पर्यटन सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इस स्थल का भारत सरकार की स्वदेश दर्शन स्कीम 2.0 के तहत चयन किया गया।

पर्यटन मंत्री ने जयवीर सिंह ने बताया कि गोरखगिरि पहाड़ी के ऊपर, जो अपनी विशिष्ट ग्रेनाइट चट्टान संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध है। इस साइट पर गुफाएं और झरने हैं, जो एक मनोरम प्राकृतिक परिदृश्य पेश करते हैं। यहां आने वाले पर्यटक रॉक क्लाइम्बिंग के रोमांच का आनंद ले सकते हैं, जबकि अन्य लोग प्राकृतिक परिवेश के बीच शांतिपूर्ण पिकनिक का विकल्प चुन सकते हैं। साथ ही, यहां ग्रेनाइट से बना 9वीं शताब्दी का सूर्य मंदिर है। महोबा का समृद्ध इतिहास इसकी कई झीलों में परिलक्षित होता है, जिसमें कीरत सागर भी शामिल है। कीरत सागर झील को कीर्तिवर्मन ने 1060-1100 ई. के बीच बनवाया था। यह अपने प्रभावशाली ग्रेनाइट तटबंधों के लिए विख्यात है। पर्यटन मंत्रालय ने इस योजना को नया रूप दिया है, जिसके तहत देश भर में टिकाऊ और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करने के समग्र मिशन के साथ स्वदेश दर्शन 2.0 का शुभारंभ किया है। वोकल फॉर लोकल के मंत्र के साथ, स्वदेश दर्शन 2.0 नामक संशोधित योजना का उद्देश्य पर्यटन स्थल के रूप में भारत की पूरी क्षमता का उपयोग करके आत्मनिर्भर भारत प्राप्त करना है। इसका उद्देश्य पर्यटन और संबद्ध बुनियादी ढांचे, पर्यटन सेवाओं, मानव पूंजी विकास, गंतव्य प्रबंधन और नीति और संस्थागत सुधारों द्वारा समर्थित संवर्धन को कवर करते हुए टिकाऊ और जिम्मेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करना है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में धार्मिक, आध्यात्मिक, ईको के साथ-साथ महत्वपूर्ण हेरिटेज साइट्स हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। इसमें महोबा जिले का नाम अग्रणी है। इस स्कीम के तहत हीरो पर्यटन आकर्षण का चयन करते हुए आसपास के पर्यटकों को आकर्षित करने वाले स्थलों का चयन कर वहां का पर्यटन विकास कराया जाता है। उन्होंने बताया कि परियोजना के अंतर्गत प्रवेश द्वार, साइनेज, म्यूरल वाल, स्ट्रीट लाइट, इंटरप्रेटेशन सेंटर और ओपेन एयर थिएटर सहित अन्य पर्यटन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ने बताया कि योजना को मूर्त रूप देने के लिए तीव्र गति से प्रक्रिया चल रही है। पिछले दिनों विशेष सचिव पर्यटन ईशा प्रिया की अध्यक्षता में पर्यटन विभाग और वास्तुविदों की टीम ने साइट्स का स्थलीय निरीक्षण किया। इसके बाद आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसके अलावा, योजना के तहत नैमिषाण्य, सीतापुर और प्रयागराज का चयन किया गया है।

सीएम योगी ने पूर्व मंत्री किरणपाल सिंह के निधन पर जताया शोक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री किरणपाल सिंह का सोमवार को निधन हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। किरणपाल सिंह यूपी सरकार में बेसिक शिक्षा मंत्री का दायित्व संभाल चुके हैं। वर्तमान में वे रालोद से जुड़े थे। उन पर राष्ट्रीय सचिव का दायित्व था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री किरणपाल सिंह के निधन पर शोक जताया। सीएम योगी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। बुलंदशहर के धमेड़ा कीरत गांव के मूल निवासी किरणपाल सिंह काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। सोमवार को मेरठ के अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। किरणपाल सिंह बुलंदशहर की अगौता सीट से पांच बार विधायक रहे। वर्तमान में वे रालोद के राष्ट्रीय सचिव थे।

जन समस्याओं के समाधान के लिए तय होगी जवाबदेहीः केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने कैम्प कार्यालय कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय और समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि उत्पीड़न, भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो?, कठोर कार्यवाही की जाय। उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार -बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए । जनता दर्शन में भूमि विवाद ,दुर्घटनाओं से संबंधित ,अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, , भूमि पर कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने,सड़क बनवाने, विद्युत, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, उत्पीड़न आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक- एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे संवाद करते हुए सुना।

केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में कृषि के विकास पर दिया गया जोर

लखनऊ। केंद्रीय राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण, भारत सरकार रामनाथ ठाकुर की अध्यक्षता में आज उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री, कृषि राज्य मंत्री और प्रमुख सचिव (कृषि) की उपस्थिति में केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश के विभिन्न कार्यों और योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री ने राज्य में चल रही कृषि योजनाओं का विस्तृत ब्योरा प्रस्तुत किया और किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य में फार्मर रजिस्ट्री तैयार करने का कार्य एक सप्ताह में शुरू किया जाएगा, जिससे किसानों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिल सके। प्रमुख सचिव (कृषि) ने बताया कि उत्तर प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन में देश में अग्रणी है, लेकिन उत्पादकता में वृद्धि के लिए कृषि में निवेश की आवश्यकता है। उन्होंने दलहनी और तिलहनी फसलों के क्षेत्र को बढ़ाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि किसान रजिस्ट्री तैयार करने का अभियान शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। इसके साथ ही, उत्तर प्रदेश में वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य के तहत उत्पादन वृद्धि की रणनीति पर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि विभाग द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

केंद्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने अपने संबोधन में मिट्टी की जांच और मृदा स्वास्थ्य के सुधार की दिशा में कार्यों की समीक्षा की और राज्य में गुणवत्तायुक्त बीज एवं खाद वितरण की स्थिति पर भी जानकारी मांगी। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी खाद और बीज की उपलब्धता में समस्या है, तो प्रभावी पर्यवेक्षण की आवश्यकता है। कृषि राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश ने केंद्रीय राज्य मंत्री और कृषि मंत्री, उत्तर प्रदेश का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी गण उपस्थित थे।

सपा प्रमुख ने दी आर्थिक सहायता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशानुसार झांसी जनपद में सियार के आतंक के घायल रजनी की मौत की घटना की जानकारी एवं पीड़ित परिवार से शोक संवेदना प्रकट करने के साथ उनकी आर्थिक मदद करने के लिए समाजवादी पार्टी की ओर से 50 हजार रूपए का चेक समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह भोजला द्वारा दी गई। घटना 4 सितम्बर 2024 की शाम की है जब सियाराम अहिरवार की पत्नी रजनी अहिरवार अपने घरेलू कामकाज कर रही थी कि अचानक सियार ने रजनी पर हमला कर दिया था। जिसका इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। सियाराम अहिरवार की माली हालत ठीक नहीं है। मजदूरी करके किसी तरह से जीवनयापन कर रहे। प्रदेश की सरकार व वन विभाग द्वारा अभी तक पीड़ित परिवार की कोई मदद नहीं की गई है।

बनारस में पुराने स्टेडियम से जुड़ा बाबू संपूर्णानंद का नाम हटा देना शर्मनाकः अजय राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि बनारस में पुराने प्रतिष्ठित स्टेडियम के आधुनिक निर्माण के प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन के साथ, स्टेडियम से जुड़ा बाबू सम्पूर्णानंद का नाम हटा देना आपत्तिजनक एवं शर्मनाक है। कांग्रेस पार्टी भाजपा सरकार के इस अमर्यादित कृत्य का पुरजोर विरोध करती है। राय ने कहा कि सम्पूर्णानन्द जैसे लोकप्रिय मनीषी राजनेता का नाम किसी प्रतिष्ठान से हटा दिया जाना महज उनका एवं काशीवासियों की भावनाओं का ही नहीं बल्कि समस्त प्रदेशवासियों की भावनाओं का अपमान है। यह वही भाजपा सरकार है जो लौह पुरुष सरदार पटेल गुजरात स्टेडियम, मोटेरा, अहमदाबाद तक का भी नाम बदलकर 'नरेन्द्र मोदी स्टेडियम' करने की धृष्टता एवं बेहयाई करती है। यह लोग लगातार महापुरुषों का अनादर करते हैं और अपने पूर्वाग्रह में लगातार उनके नामों पर बनाये गये संस्थानों का नाम बदलकर उनकी विरासत खत्म कराना चाहते हैं। राय ने अपने वक्तव्य में कहा है कि यह विडंबना है कि जिन सम्पूर्णानंद ने बनारस का वैदिक नामकरण 'वाराणसी' किया था आज उसी की आड़ लेकर सम्पूर्णानंद का ही नाम हटा दिया गया। दुर्भाग्य यह है कि इतना बड़ा आपत्तिजनक एवं अमर्यादित कार्य प्रधानमंत्री द्वारा अपने हाथों से किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी इस बात की मांग करती है कि त्वरित इस अनैतिक कार्य को रोका जाए एवं उस स्टेडियम का नाम सम्पूर्णानंद स्पोर्ट स्टेडियम के नाम से पुनः बहाल किया जाए।

माटीकला कारीगरों व उनके उत्पादों को प्रदेश सरकार दे रही प्रोत्साहनः राकेश सचान

खादी मंत्री ने 30 अक्टूबर तक चलने वाले 10 दिवसीय माटीकला मेले का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड, लखनऊ द्वारा उ.प्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के तिलक मार्ग परिसर में 30 अक्टूबर तक 10 दिवसीय माटीकला मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए शिल्पकार मिट्टी से निर्मित अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों को 50 स्टॉलों के माध्यम से प्रदर्शित करेंगे। मेले का उद्घाटन खादी एवं ग्रामोद्योग, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम निर्यात प्रोत्साहन, रेशम उद्योग और वस्त्र उद्योग मंत्री राकेश सचान द्वारा फीता काटकर किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर किया गया, इसके पश्चात मुख्य अतिथि ने माटीकला उत्पादों की भव्य प्रदर्शनी का अवलोकन किया। शिल्पकारों द्वारा मिट्टी से निर्मित उत्कृष्ट कलाकृतियों और माटीकला उद्योग के कियात्मक प्रदर्शन ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस मौके पर मंत्री राकेश सचान ने कहा कि योगी सरकार माटीकला कारीगरों और उनके उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्यरत है। मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के तहत अब तक प्रदेश में 48,000 माटीकला कारीगर परिवारों को चिन्हित किया गया है। इसके तहत 13,607 विद्युत चालित चाक का वितरण किया जा चुका है और वर्ष 2024-25 के लिए 2,325 विद्युत चालित चाक और 375 पगमिल के वितरण का लक्ष्य है।

मंत्री ने बताया कि माटीकला कारीगरों को प्रोत्साहित करने के लिए 603 जोड़ी लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों की डाई, 31 पेंटिंग मशीन और 81 दीया मेकिंग मशीन भी वितरित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, प्रदेश में 6 कॉमन फैसिलिटी सेंटर (पीलीभीत, रामपुर, कन्नौज, अमरोहा, फिरोजाबाद और बाराबंकी) की स्थापना की जा चुकी है, जो माटीकला उद्योग को सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। माटीकला उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के अंतर्गत पिछले 4 वर्षों में 880 लाभार्थियों को बैंक ऋण स्वीकृत कराकर औद्योगिक इकाइयों की स्थापना कराई गई है। इस वर्ष 300 नई इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने माटीकला कारीगरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किए हैं, जिसके तहत पिछले 5 वर्षों में 13,583 कारीगरों को 3 दिवसीय आधुनिक उपकरण संचालन का प्रशिक्षण दिया गया है, 880 कारीगरों को 7 दिवसीय उद्योग संचालन का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया है, और 5,286 कारीगरों को 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मेरे भवन/भूखण्ड सं0 जी-90, गुजैनी, उद्योग नगर कानपुर के मूल आवंटन पत्र एवं कब्जा पत्र कहीं खो गए हैं इनका प्रयोग अवैध होगा। काशी प्रसाद द्विवेदी पुत्र श्री राधा रमन।

सूचना

सूचित करना है कि मैने अपने पुत्र अरिन्जय कुमार जैन के गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से दिनांक 14.05.2024 बेदखल कर दिया था। अब उसका आचरण ठीक होने का कारण मैं उसका बेदखलनामा वापस ले रही हूँ। माता-रश्मि जैन, पत्नी-अरविन्द कुमार जैन, 629/03ए, बी-ब्लाक, इंदिरा नगर, लखनऊ।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक किता आवासीय भवन नगर पलिका प्लेट नं0 855 (बी0एल-0087) जो भूखण्ड रकबा 20.43 वर्गमीटर पर निर्मित है, स्थित-लाजपत नगर, परगना व तहसील नवाबगंज, जिला-बाराबंकी की स्वामित्व श्रृखला का मूल विक्रय विलेख दिनांकित 19.10.1984 जो जगदीश चन्द्र मेहता द्वारा देवेन्द्र सिंह के पक्ष में निष्पादित है जो कार्यालय उपनिबंधक नवाबगंज बाराबंकी में बही 1 जिल्द 676 पृष्ठ 245-246 क्रमांक 2321 पर दिनांकित 19.10.1984 को पजीकृत है। व विक्रय विलेख सं0 4754 दिनांकित 19.08.2008 के अन्तिम पृष्ठ जो कि श्री बलजीत सिंह (वर्तमान स्वामी) द्वारा दिनांक 02.10.2024 को शाम 5 से 6 बजे के बीच अपने घर से नवाबगंज चौराहे पर फोटोकापी कराने जाते समय कही खो गये है इसका किसी भी व्यक्ति/संस्था द्वारा प्रयोग पूर्णतः गैरकानूनी व शून्य होगा। उपरोक्त सम्पत्ति बलजीत सिंह द्वारा पी0एन0बी0 हाउसिंग फाइनेंस लि0 (रोशनी), में लोन के सापेक्ष बन्धक की जायेगी। यदि किसी भी व्यक्ति/संस्था को उपरोक्त विक्रय विलेख व अन्तिम पृष्ठ प्राप्त हुये हो अथवा इस संदर्भ में कोई आपत्ति या हित है तो साक्ष्य व दस्तावेजो के साथ इस सूचना के प्रकाशन से 7 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी से सम्पर्क करे।
अमित कुमार सिंह राठौर, अधिवक्ता, पता- चेम्बर 7, यू0जी0एफ0, कृष्णा टावर, चकबस्त रोड, कैसरबाग, लखनऊ। मो0 9559811119

700 साल बाद महाकुंभ की अभूतपूर्व निगहबानी करेंगे प्रयागराज के कोतवाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

दिन रात तेजी से चल रहा प्रयागराज के लेटे हुए हनुमान मंदिर के सौंदर्यीकरण का कार्य

महाकुंभ 2025 के महाआयोजन को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में अपने सबसे काबिल अफसरों की फौज तैनात कर दी है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप सभी अफसर महाकुंभ को ऐतिहासिक बनाने में जुट गए हैं। तमाम तैयारियों के बीच सीएम योगी ने संगम तट की शोभा और प्रयागराज के कोतवाल माने जाने वाले बड़े हनुमान मंदिर के जीर्णोधार पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है। मंदिर के सौंदर्यीकरण के साथ ही कॉरिडोर का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी ने हाल ही में खुद आकर यहां चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया था। सीएम के आगमन के बाद महाकुंभ के पहले अब यहां श्रद्धालुओं की आमद में कई गुना इजाफा हो गया है। जो निर्माण कार्य चल रहे हैं, उसे देखते हुए स्पष्ट है कि इस महाकुंभ के दौरान बड़े हनुमान का यह मंदिर श्रद्धालुओं के लिए सबसे अधिक श्रद्धा और आकर्षण का केंद्र होगा।

महाकुंभ 2025 से पहले योगी सरकार प्रयागराज और यहां के धर्मस्थलों को सजाने संवारने में जुटी हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ 2025 को दिव्य, नव्य और भव्य बनाने के लिए प्रशासनिक टीमें दिन-रात लगी हुई हैं। करीब 700 वर्ष पुराने इस मंदिर को भव्य रूप देने का इससे पहले किसी के मन में विचार नहीं आया। पहली बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर ध्यान दिया और अब उनकी पहल रंग ला रही है। सीएम के प्रयास से मंदिर का सौंदर्यीकरण ऐतिहासिक रूप से किया जा रहा है। प्रयागराज के लेटे हनुमान मंदिर के स्वरूप में बदलाव के तहत सबसे पहले मंदिर के गर्भगृह को बड़ा किया जाएगा। इसी के साथ परिक्रमा पथ, दुकानें, पार्किंग, प्रवेश द्वार और रैन बसेरा व हवन कुंड आदि बनाए जा रहे हैं। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं और जनता को पहली बार संगम स्नान के बाद बड़े हनुमान जी का मंदिर अभूतपूर्व ढंग से अपनी ओर आकर्षित करेगा।

प्रयागराज के कोतवाल माने जाने वाले लेटे हुए हनुमान मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए 24 घंटे काम चल रहा है। हनुमानजी की यह प्रतिमा दक्षिणाभिमुखी और 20 फीट लंबी है। माना जाता है कि यह धरातल से कम से कम 6 या 7 फीट नीचे है। इन्हें बड़े हनुमानजी, किले वाले हनुमानजी, लेटे हनुमानजी और बांध वाले हनुमानजी के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि इनके दाएं पैर के नीचे अहिरावण दबा हुआ है। उनके दाएं हाथ में राम-लक्ष्मण और बाएं हाथ में गदा शोभित है।

बड़े हनुमान मंदिर को लेकर पौराणिक मान्यता है कि लंका पर जीत के बाद जब हनुमान जी सेना के साथ वापसी कर रहे थे, तो उन्हें थकान लगी। इसके बाद माता सीता के कहने पर वह यहीं पर संगम के तट पर लेट गए। इसी को ध्यान में रखते हुए लेटे हनुमानजी का मंदिर बन गया। ऐसा माना जाता है गंगा का पानी लेटे हनुमान जी की प्रतिमा को स्पर्श करता है, फिर नीच उतर जाता है।

ऐतिहासिक तीर्थ नगरी में बड़े हनुमान मंदिर को लेकर कई मान्यताएं प्रचलित हैं। माना जाता है कि अपने कार्यकाल के दौरान अकबर बंगाल अवध के साथ मगध और पूर्वी भारत में होने वाले विद्रोह पर नियंत्रण करना चाहता था, जिसके लिए साल 1582 में मंदिर को अपने किले के घेरे में लेने की योजना बनाई गए। उसने बाकायदा इसके लिए 100 सैनिकों की फौज खड़ी कर दी, मगर वह हनुमान जी की मूर्ति को एक इंच भी न हिला सके। जिसके बाद उसने किले की दीवार पीछे खिसका ली।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
मण्डलीय कार्यालय लखनऊः न्यू बिल्डिंग, द्वितीय तल, हजरतगंज, लखनऊ-226001
फोनः 0522-2286272, 2287283, फैक्सः 0522-2288033, ई-मेलः zolucknow@indianbank.co.in

मांग सूचना
सिक्योरिटी इन्टरेस्ट एक्ट, 2002 के प्रवर्तन एवं वित्तीय सम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण की धारा 13(2) के तहत नोटिस

जबकि, **इंडियन बैंक (पूर्ववर्ती इलाहाबाद बैंक)** के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सरफेसी एक्ट की धारा 13(2) के अन्तर्गत निम्न ऋणियों को मांग सूचना भेजी गई थी। चूंकि डाक द्वारा भेजी गये उक्त नोटिस को प्राप्तकर्ता के प्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त नहीं किया गया। अतः इस प्रकाशन के माध्यम से ऋणियों को नोटिस प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर दर्शायी गयी राशि का भुगतान करने की मांग की जाती है अन्यथा सरफेसी एक्ट की धारा 13(12) तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम 8 व 9 के अर्न्तगत प्रदत्त शक्तियों के अर्न्तगत बैंक चल/अचल सम्पत्ति का कब्जा लेकर बिक्री कर देगा। उधारकर्ता(ओं)/जमानतकर्ता(ओं) को विशेष रूप से और सर्वसाधारण को सामान्यता एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस चल/अचल सम्पत्ति में कोई लेन-देन न करें और इससे किसी प्रकार का लेन-देन बकाया राशि और उस पर निहित अप्रायोजित ब्याज एवं अन्य खर्चे हेतु **इंडियन बैंक (पूर्ववर्ती इलाहाबाद बैंक)** के अध्याधीन होगा।

क्र. सं.	ऋणकर्ता(ओं)/ज़मानतकर्ता(ओं) का नाम व पता/मांग सूचना की तिथि	बकाया धनराशि (रू) एनपीए तिथि	सम्पत्ति का विवरण
शाखाः आलमबाग			
1.	1. मेसर्स बंगाल स्वीट्स प्रोप. श्री अर्जुन सान्याल पुत्र भास्कर सान्याल, बी-1/57, सेक्टर डी, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड, लखनऊ यूपी 226012 2. श्री अर्जुन सान्याल पुत्र भास्कर सान्याल (ऋणी एवं प्रोपराइटर), डीएस-1306, सेक्टर डी, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड लखनऊ यूपी 226012 3. श्री भास्कर सान्याल पुत्र श्री राजा गोपाल सान्याल (जमानतकर्ता एवं बंधककर्ता), डीएस-1306, सेक्टर डी, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड लखनऊ यूपी 226012 4. श्री अर्जुन सान्याल पुत्र भास्कर सान्याल (गृह ऋण उधारकर्ता), डीएस-1306, सेक्टर डी, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड लखनऊ यूपी 226012 5. श्री भास्कर सान्याल पुत्र श्री राजा गोपाल सान्याल (गृह ऋण उधारकर्ता), डीएस-1306, सेक्टर डी, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड लखनऊ यूपी 226012	रू. 24,77,267/- दिनांक 14.10.2024 से प्रभावी + ब्याज एवं अन्य शुल्क एनपीए तिथिः 13.10.2024	1. संपत्ति के सभी भाग व खण्ड को मिलाकर डीएस 1305 सेक्टर डी एलडीए कॉलोनी कानपुर रोड वार्ड हिंद नगर लखनऊ, क्षेत्रफल 19.89 वर्ग मीटर, **मालिकः** भास्कर सान्याल (संपत्ति आईडीः 200049246164) **संपत्ति की चौहद्दीः उत्तरः** सड़क 9 मीटर चौड़ी, **दक्षिणः** मकान सं. 1319, **पूर्वः** मकान सं. 01, **पश्चिमः** मकान सं. 1307 2. संपत्ति के सभी भाग व खण्ड को मिलाकर भूतल पर डीएस 39डी एवं पहली मंजिल पर डीएस 40डी, सेक्टर डी एलडीए कॉलोनी कानपुर रोड योजना वार्ड विद्यावती देवी नगर लखनऊ, **मालिकः** भास्कर (CERSAI संपत्ति आईडी 400071524149 एवं सुरक्षा आईडीः 200072831766) **भूतल पर डीएस 39डी, सेक्टर डी एलडीए कॉलोनी कानपुर रोड योजना वार्ड विद्यावती देवी नगर संपत्ति की चौहद्दीः उत्तरः** मकान सं. डीएस 9डी, **दक्षिणः** सड़क, **पूर्वः** सड़क, **पश्चिमः** मकान सं. डीएस 37डी **प्रथम तल पर डीएस 40डी, सेक्टर डी एलडीए कॉलोनी कानपुर रोड योजना वार्ड विद्यावती देवी नगर संपत्ति की चौहद्दीः उत्तरः** मकान सं. डीएस 20डी, **दक्षिणः** सड़क, **पूर्वः** सड़क, **पश्चिमः** मकान सं. डीएस 38डी

दिनांकः 22.10.2024 स्थानः लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक (पूर्ववर्ती इलाहाबाद बैंक)

हौसलों को मिली उड़ान, रंग ला रही है मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना

46 अभ्यर्थियों का यूपीएससी में हो चुका है चयन, 121 यूपीपीसीएस जरिए बने अधिकारी

● अब तक 82,209 छात्र-छात्राएं ले चुके हैं योजना का लाभ, 700 से अधिक का विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर एवं वंचित वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के जरिए नि:शुल्क कोचिंग की सुविधा का लाभ उठाकर अब तक 46 अभ्यर्थी लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा पास कर अफसर बन चुके हैं। जबकि 121 अभ्यर्थी यूपीपीसीएस की परीक्षा पास कर अधिकारी बने हैं। राज्य के 75 जिलों में संचालित 156 केंद्रों से अब तक 82,209 अभ्यर्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है। जिनमें से लगभग 700 अभ्यर्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 16 फरवरी 2021 को बसंत पंचमी के अवसर पर मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना की शुरुआत की थी। यह योजना गरीब और वंचित परिवारों के बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। वर्तमान में यूपी सरकार इस योजना को राज्य के 75 जनपदों में सफलतापूर्वक संचालित कर रही है, जहां करीब 156 केंद्र संचालित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना का कार्यान्वयन व मॉनिटरिंग के लिए लखनऊ में अलग से अभ्युदय सचिवालय स्थापित किया गया है। जहां से प्रतिदिन इन सभी कोचिंग सेंटरों के संचालन की पूरी व्यवस्था की देखरेख की जा रही है। इसमें सबसे ज्यादा 11 केंद्र लखनऊ में संचालित हैं। जबकि कौशांबी में 6, गोरखपुर में 5, वाराणसी और बहराइच में 4 केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। अभ्युदय योजना के सह प्रभारी पवन कुमार यादव ने बताया कि इस योजना के माध्यम से अब तक 82,209 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। इस योजना की लोकप्रियता का ही नतीजा है कि वर्ष 2021 से अबतक साल दर साल इसमें छात्रों की संख्या में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश के निदेशक कुमार प्रशांत ने बताया कि अभ्युदय योजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एक महत्वपूर्ण और महात्वाकांक्षी योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य के उन छात्रों को लाभान्वित करना है जो आर्थिक तंगी के कारण महंगी कोचिंग सेवाओं का खर्च नहीं उठा सकते।

साल दर साल आंकड़े

- 2021-22 में 6,000 अभ्यर्थी
- 2022-23 में 25,380 अभ्यर्थी
- 2023-24 में 27,634 अभ्यर्थी
- 2024-25 में 23,195 अभ्यर्थी (नामांकन प्रक्रिया जारी)

2024-25 में पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या

- यूपीएससी/ यूपीपीसीएस-10,510 अभ्यर्थी
- नीट - 5,778 अभ्यर्थी
- जेईई- 2,033 अभ्यर्थी
- एनडीए/सीडीएस-816 अभ्यर्थी
- अन्य कोर्स- 4,060 अभ्यर्थी

46 अभ्यर्थियों का यूपीएससी में हो चुका है चयन, 121 यूपीपीसीएस जरिए बने अधिकारी

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना गरीब अभ्यर्थियों के सपनों को पंख दे रही है। इस योजना का लाभ लेकर महज दो वर्षों में 46 से अधिक अभ्यर्थी संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर आज अफसर बनकर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वहीं तीन वर्षों में 121 अभ्यर्थी यूपीपीसीएस की परीक्षा में सफलता हासिल की है। इसके अलावा 55 अभ्यर्थी लेखपाल की परीक्षा में सफल होकर राज्य सरकार के अंतर्गत अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वहीं 2024 में मेडिकल की नीट परीक्षा में 86 और जेईई में 35 अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की है।

1783 इम्पैनल्ड शिक्षक, राज्य में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारी करते हैं मार्गदर्शन

प्रदेश के सभी केंद्रों पर प्रशिक्षण के लिए 1783 शिक्षकों को इम्पैनल्ड किया गया है जो विद्यार्थियों को उनके विषय के अनुसार बेहतर प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। इसके अलावा राज्य में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारी भी इन अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन करते हैं। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना की सबसे अनूठी बात यह है कि यह योजना केवल मुफ्त कोचिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से छात्रों को एक समग्र शिक्षण अनुभव प्रदान किया जा रहा है।

जिलाधिकारी का फोन स्विच ऑफ मिला, हाईकोर्ट ने किया तलब

विधि संवाददाता। लखनऊ

एक मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के वकील द्वारा यह बताने पर कि उन्होंने निर्देश प्राप्त करने के लिए हरदोई के जिलाधिकारी को फोन किया था लेकिन उनका फोन स्विच ऑफ बता रहा है, हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने जिलाधिकारी को तलब कर लिया है। पीठ ने उन्हें मंगलवार को सवा दस बजे उपस्थित होकर यह बताने को कहा है कि ऐसी क्या परिस्थितियां थीं कि सरकारी वकील के काफी प्रयास के बावजूद उनसे संपर्क नहीं किया जा सका। पीठ ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि इस आदेश की जानकारी प्रमुख सचिव, गृह को भी दी जाए और यदि उनका फोन भी स्विच ऑफ हो तो मुख्य सचिव को इस आदेश की जानकारी दी जाए।

जस्टिस अब्दुल मोईन की एकल पीठ ने यह आदेश हरदोई के नजाकत अली की ओर से दाखिल याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ता ने याचिका में आठ महीने से आवेदन देने के बावजूद के एक्सप्लोसिव लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं होने का मुद्दा उठाया है। सोमवार को पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकारी वकील को जिलाधिकारी से निर्देश प्राप्त कर अवगत कराने को कहा कि याचिकाकर्ता के लाइसेन्स के नवीनीकरण पर निर्णय क्यों नहीं लिया जा रहा है। पीठ ने इसके साथ ही मामले को लंच के बाद सुनवाई के लिए रख दिया। दोबारा सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने बताया कि जिलाधिकारी का फोन स्विच ऑफ बता रहा है। पीठ ने इस पर कहा कि यह वास्तव में एक दुखद स्थिति है कि एक जिले का मुखिया फोन स्विच ऑफ रखकर काम कर रहा है। यह समझ से परे है कि यदि कोई आपात स्थिति आ जाए तो जिलाधिकारी से कोई कैसे संपर्क करेगा। पीठ ने इन टिप्पणियों के साथ जिलाधिकारी को उपस्थित होकर लाइसेंस नवीनीकरण पर अब तक निर्णय नहीं लेने का कारण भी बताने का आदेश दिया है।

सरोजनीनगर में अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई, 8 करोड़ की भूमि मुक्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नगर निगम द्वारा सरोजनी नगर में करोड़ रुपए की भूमि भूमाफियाओं से खाली करायी गयी। संपत्ति विभाग के प्रभारी द्वारा सदरौना में 31,215 वर्गफुट भूमि पर हो रही प्लाटिंग को रुकवाया गया। संपत्ति विभाग की मानें तो बाजार कीमत लगभग रुपए 8 करोड़ होगी। सोमवार को सरोजनीनगर में नगर निगम ने प्लाटिंग से अपनी जमीन को सुरक्षित किया। संपत्ति विभाग के प्रभारी अधिकारी ने सरोजनीनगर के सदरौना ग्राम में बेशकीमती जमीन पर भूमाफिया कब्जा कर प्लाटिंग कर रहे थे, जिसे रोका गया। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के आदेश पर खसरा संख्या.406 क्षेत्रफल.0.290 हे राजस्व अभिलेखों में बंजर में दर्ज भूमि पर अतिक्रमणकर्ताओं से मुक्त करायी गयी। अवैध कब्जा हटाने में नायब तहसीलदार रत्नेश कुमार, लेखपाल अजीत तिवारी व अनुपम कुमार की उपस्थिति में क्षेत्रीय पुलिस बल व पीएसी के सहयोग से शांतिपूर्ण ढंग से 31,215 वर्गफुट भूमि से कब्जा हटवा दिया गया। संपत्ति विभाग की मानें तो अवैध कब्जें से मुक्त कराई गई भूमि की बाजार कीमत लगभग रुपए 8 करोड़ होगी।

लखनऊ में डेंगू के 14 केस मिले डेंगू रोगियों संख्या 15 सौ के पार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ जनपद में डेंगू के रोगियों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। सोमवार को लखनऊ में डेंगू के 14 केस सामने आये हैं। जिन इलाकों से डेंगू के रोगियों के मिलने की पुष्टि हुई है, उन इलाकों में अलीगंज-3, टूडियागंज-3, चन्दरनगर-2, इन्दिरानगर-4, माल-1, ऐषबाग-1 धनात्मक रोगी पाये गये। इसके अतिरिक्त मलेरिया 4 (सिल्वर जुबली-1, अलीगंज-2, इन्दिरानगर-1) धनात्मक रोगी पाये गये। माह जनवरी 2024 से अब तक जनपद में डेंगू के कुल 1506 एवं मलेरिया के 460 धनात्मक रोगी पाये गये। आज लगभग 2386 घरों एवं आस-पास मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया गया और कुल 13 घरों में मच्छरजनित स्थितियां पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया। नगर मलेरिया इकाई एवं जिला मलेरिया अधिकारी की टीमों द्वारा जनपद के विभिन्न स्थलो/भवनों का निरीक्षण किया गया तथा लार्वा रोधी रसायन का छिडकाव किया गया। क्षेत्रीय जनता को घर के आस-पास पानी जमा न होने, पानी से भरे हुए बर्तन एवं टंकियों को ढंक कर रखें, हर सप्ताह कूलर के पानी को खाली करके साफ कपड़े से पोछ कर सूखा एवं साफ करने के बाद ही पुन: प्रयोग में लाने, पूरी बांह के कपड़े पहनने, बच्चों को घर से बाहर न निकलने, मच्छर रोधी क्रीम लगाने एवं मच्छरदानी में रहने तथा डेंगू एवं मच्छर जनित रोगों से बचाव हेतु क्या करें, क्या न करें सम्बंधित स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की गयी।

केजीएमयू को नहीं होने देंगे संसाधनों की कमी: पाठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के रेडियोथेरेपी विभाग में सोमवार को प्रशामक देखभाल इकाई द्वारा सतत चिकित्सा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि कुलपति केजीएमयू प्रो सोनिया नित्यानंद रही।

अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि केजीएमयू द्वारा अपनी प्रतिष्ठा एवं परम्परा का निर्वहन किया जा रहा है। राज्य सरकार केजीएमयू के कार्यों से प्रसन्न है एवं हरसंभव सहयोग चाहे वित्तीय हो अथवा प्रशासनिक, केजीएमयू को प्रदत्त करने हेतु कटिबद्ध है। संस्थान की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने कहा कि केजीएमयू राज्य सरकार एवं उपमुख्यमंत्री का बहुत आभारी है। उनके प्रयासों के कारण ही हमें अपने एक्सटेंशन के लिए जमीन प्राप्त हो पाई है। शीघ्र ही रेडियोथेरेपी विभाग में एक नया लीनियर एक्सीलरेटर लगाया जाएगा। प्रो राजेंद्र कुमार ने कहा कि जीव दया फाउंडेशन के सहयोग से वर्ष 2016 में पैलिएटिव केयर प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई। 5 साल की समयावधि पूरी होने के बाद सिप्ला फाउंडेशन द्वारा इसे चलाया जा रहा है। 21000 रोगियों को चिकित्सा सेवा देने के साथ साथ सैंकड़ों रोगियों को मानसिक चिकित्सा, पोषण सुविधा, घाव की देखभाल, सांस और खाने की नली लगवाने में सहायता उपलब्ध कराई जाती है। प्रो शालीन कुमार ने कहा कि बड़ा मुश्किल है मरीज के आखिरी समय की देखभाल। हमारे देश में इच्छामृत्यु कानूनन नहीं है। किन्तु जिन रोगियों में जीवन की संभावना शून्य है उनका उपचार बेहद चुनौतियों से भरा है। तीमारदार से मृत्यु की संभावना की सूचना साझा करते हुए मार्मिक एवं दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। प्रो संजय धीराज ने कहा कि नारकोटिक्स की दवाएं जैसे अफीम इस प्रकार के रोगियों को उपलब्ध कराई जाती हैं। इसे 2.5 से 5 मिलीग्राम से आरंभ किया जाता है। इसकी खुराक 6 गुना तक बढ़ाई जा सकती है। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव कब्ज है। इस मौके पर प्रो विनीत शर्मा, प्रो अपजीत कौर, प्रो राजीव गुप्ता, प्रो अभिनव सोनकर, प्रो संदीप तिवारी, प्रो बीके ओझा, प्रो क्षितिज श्रीवास्तव, प्रो आनंद मिश्रा, प्रो पवित्र रस्तोगी एवं अन्य संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

हत्याभियुक्त महिला को आजीवन कारावास

विधि संवाददाता। लखनऊ

अनुसूचित जाति के वृद्ध की हत्या करने के बाद लाश को उसके घर के बाहर छोड़ने के मामले में एससीएसटी एक्ट की विशेष अदालत ने आरोपी लज्जावती यादव को उम्र कैद की सजा सुनाई है। विशेष जज दिनेश कुमार मिश्रा ने इस पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

20 सितंबर 2003 को इस घटना की रिपोर्ट मृतक मिश्रीलाल के पुत्र किन्नर लाल ने थाना काशिमपुर जनपद हरदोई में दर्ज कराई थी। बाद में इस मामले की विवेचना लखनऊ स्थांतरित की गई थी। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी मोनिका श्रीवास्तव के मुताबिक किन्नर लाल अपने भाई तुलसीराम के इलाज के लिए अपने पिता के साथ लखनऊ गया था। पैसा कम पड़ने की वजह से उसने पिता और भाई को आरोपी लज्जावती यादव के घर मोहल्ला नंदा खेड़ा जिला लखनऊ के यहां छोड़ दिया था। बाद में पता चला कि उसके पिता की मृत्यु हो गई है। लज्जावती उसके पिता के शव को उसके घर के बाहर छोड़ गई थी।

मिश्रीलाल की मृत्यु पर शक होने के कारण हरदोई पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें उसके शरीर पर चोटे पाई गई। बताया गया कि प्रारंभिक जांच के बाद घटना स्थल लखनऊ के बाजार खाला थाना क्षेत्र का पाया गया। जिस पर विवेचना लखनऊ स्थांतरित की गई थी।

5 राज्यों के 10 कलाकारों की कलाकृतियां बढ़ाएंगी शहर की शोभा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी की 5 राज्यों के 10 कलाकारों द्वारा बनायी गयी कलाकृतियों शोभा बढ़ाएंगी। इसके लिए एलडीए में बीते कई दिनों से शैल उत्सव के तहत अपनी अनूठी शैली से प्रमुख चौराहों और पार्कों में कलाकृतियां स्थापित की गयी हैं। कलाकारों ने कड़े परीश्रम से पत्थर से बोलती मूर्तियां बनाया है, जिसकी प्रसंशा हो रही है। समापन पर अखिल भारतीय समकालीन मूर्तिकला शिविर में कलाकारों का सम्मान किया गया।

सोमवार को प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित वास्तुकला एवं योजना संकाय, डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के टैगोर मार्ग परिसर में लखनऊ विकास प्राधिकरण के सहयोग से हो रहे आठ दिवसीय समकालीन मूर्तिकला शिविर का समापन सोमवार को हुआ। मुख्य अतिथि जे पी पांडे कुलपति अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ ने कहा कि यह कलाकारों की कलाकृति देख कर बेहद प्रसन्नता हो रही है। हमारे इस वास्तुकला संकाय की इस अच्छे आयोजन के लिए तारीफ करते हैं। कार्यक्रम में शामिल हुये लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों से आये कलाकारों ने बेहद सुंदर व आकर्षक कलाकृतियां बनायी हैं। उन्होंने कलाकारों को बधाई देते हुए कहा कि अब इन मूर्तिशिल्प को शहर के प्रमुख चौराहों व पार्कों में स्थापित किया जाएगा, जोकि शहर की सुंदरता को बढ़ाएंगे। क्यूरेटर वंदना सहगल ने बताया कि आठ दिन सभी कलाकारों ने अथक परिश्रम करके यह सारे मूर्तिशिल्प का निर्माण किया है। उन्होंने आये हुए सभी लोगों का आभार भी व्यक्त किया। कोऑर्डिनेटर भूपेंद्र अस्थाना ने बताया कि शिविर में आये कलाकारों में 2 महिला और 8 पुरुष मुर्तिकार देश के पाँच अलग.अलग राज्यों जैसे. बिहार, गुजरात, दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश से आये थे। महिला मूर्तिकारों में अवनी पटेल जो गुजरात से थीं। शिविर में इनका माध्यम येलो सैंडस्टोन था। जिसमें इन्होंने विषय पर काम किया। जिसमें एक वृत्ताकार आकृति को मुड़े हुये रुप में दिखाने का प्रयास किया है। निधी जो शिविर की दुसरी महिला मूर्तिकार थींए ये भी गुजरात से थींए निधि ने पिंक सैंडस्टोन माध्यम मे शीर्षक पर काम किया है।

जिसमे अलग-अलग प्रैम के पत्थरों को मिलाकार एक आकृति का निर्माण किया। शिविर में 3 मूर्तिकार दिल्ली से रहे। दिल्ली से आये दुसरे मुर्तिकार शैलेश मोहन ओझा जो एक स्वतंत्र मूर्तिकार के रूप में दिल्ली में कार्यरत हैं।

ऑनलाइन आवेदन से ही होगी पारस्परिक पुनर्नियुक्ति

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उप्र के अन्तर्गत कार्यरत संविदा कर्मियों हेतु पारस्परिक पुनर्नियुक्ति नीति वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु लागू की गयी है। पारस्परिक पुनर्नियुक्ति की ऑनलाइन प्रक्रिया मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से की जायेगी। केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किये जायेंगे, यदि पूर्व में किसी भी संविदाकर्मी द्वारा लिखित रूप अथवा अन्य किसी माध्यम से राज्य स्तर पर आवेदन किया गया है तो उस कर्मी को मानव सम्पदा के पारस्परिक पुनर्नियुक्ति मॉड्यूल पर पुन: ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

घाटों पर रहेगी छठ पूजा की बेहतर व्यवस्था, जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

● गोमती सहित आदि नदियों में प्रोफेसनल गोताखोरों की होगी अलग से व्यवस्था

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जिलाधिकारी द्वारा छठ पूजा के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक बुलाई गई। जिलाधिकारी ने छठ पूजा के मद्देनजर समुचित व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। बैठक में गोमती सहित आदि नदियों में गोताखोरों की अलग से व्यवस्था की गयी है, जिन्हें प्रोफेशनल ट्रेनिंग दी गयी हैं। घाटों की व्यवस्था नगर निगम करेगा, जिसमें जीरो वेस्ट की व्यवस्था होगी।

सोमवार को जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार की अध्यक्षता में 7 नवंबर 2024 को छठ पूजा पर्व के अवसर पर व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। बैठक में प्रभुनाथ रॉय ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 7 नवंबर 2024 को जनपद लखनऊ के 15 मुख्य स्थल लक्ष्मण मेला मैदान, झूलेलाल पार्क, खाटू श्याम मन्दिर, हनुमान सेतु, कुडियाघाट, पिकनिक स्पाट (सिंचाई बन्धा के पास कुकरैल) शहीद पथ घाट (स्टेडियम के पास) पक्का पुल टीले वाली मस्जिद, रस्तोगीघाट (चौक), सैनिक सोसायटी ग्राउण्ड (सरोजनीनगर) शिव मन्दिर निकट कूड़े वाली मस्जिद राजाजी पुरम, सी.ब्लॉक निकट मीना बेकरी दीनदयाद के टंकी के पास, भोलाखेड़ा पुलिस चौकी आलमबाग, मवैया निकट रेलवे क्रासिंग चिनहट निकट बीबीडी कालेज एवं भोलाखेड़ा खरगापुर इत्यादि स्थलों पर छठ पूजा कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। बैठक में ज़िलाधिकारी ने बताया कि छठ पूजा के दिन बड़ी संख्या में लोग घाटो में एकत्रित होते है, जिसमे बच्चे भी शामिल होते है। ऐसी स्थिति में बच्चों के खोने का भय बना रहता है जिसके लिए ज़िलाधिकारी ने गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी निर्देश दिया कि जो भी बच्चे पूजा स्थल पर आये है उन बच्चों के गले व जेब में आईडी बनाकर रखना जरूरी है। जिसमें उनका नाम, पिता का नाम व मोबाइल नम्बर व पता अंकित होना चाहिये। घाटो पर इस प्रकार के आईडी कार्ड बना कर रखे जाए ताकि आने वाले लोग अपने आप कार्ड में अंकित सूचनाएं भरते हुए आई डी कार्ड बच्चों के गले मे डाल दे ताकि खोये हुए बच्चों को सकुशल उनके परिजनों से मिलाया जा सके। इसके साथ ही महिलाए भी अपने बैग व झोला आदि में अपने नाम व मोबाईल नम्बर की पर्ची रखना सुनिश्चित करे ताकि उक्त समान खो जाने पर यदि वह समान पाया जाता है तो उनको आसानी से वापस पहुँचाया जा सके। बैठक में जिलाधिकारी ने नदी के गहरायी के बारे में जानकारी के बारे में नदी के किनारे डिस्प्ले लगाने के निर्देश दिये। उन्होंने लखनऊ विकास प्राधिकरण को गोमती रिवर फ्रण्ट के किनारे पूजा स्थलों व घाटों पर साफ सफाई, घाटों की मरम्मत प्रकाश व्यवस्था और जहां-जहां पर रेलिंग टूटी है उसे ठीक कराने के निर्देश दिये। साथ ही निर्देश दिया कि जब महिलाएँ डूबते सूर्य को अर्ध देने के लिए घाटों पर उपस्थित होगी तो उस समय धूल मिट्टी न उड़े इसके लिए नगर निगम को जल छड़काव कराने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर पूर्वी सहित समस्त अपर नगर मजिस्ट्रेट, एसीपी मध्य, एडीसीपी ट्रैफ्फिक, एडीसीपी बाजार खाला, अपर नगर आयुक्त, नगर निगम, विद्युत, पुलिस, स्वास्थ्य, भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ रॉय सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीसीटीवी कैमरा, मोबाइल टायलेट की होगी सुविधा

बैठक में जिलाधिकारी ने नगर निगम को पूजा स्थलों पर साफ सफाई, फ ाग़िंग सीसीटीवी कैमरा, मोबाइल टायलेट, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, प्रकाश व्यवस्था, शुद्ध पेयजल के लिए टैंकरों की व्यवस्थाए नदी के जलकुम्भी, बैरीकेटिंग की व्यवस्था कराने के निर्देश दिये। जिसके सम्बन्ध में नगर निगम ने बताया कि उनके द्वारा शहर के सभी घाटों पर ज़ीरो वेस्ट व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

40 कर्मियों की ड्यूटी लगाए जाएगे

प्रत्येक घाटों पर लगभग 20-40 कार्मिकों की ड्यूटी लगाई जा रही है। उक्त के साथ ही सभी घाटों पर गीले कूड़े के लिए कम्पोस्ट पिटए सूखे कूड़े के लिए डत्थ् और पूजा सामग्री;पुष्प आदिद्ध के लिए अर्पण कलश की व्यवस्था की जा रही है। उक्त के साथ ही जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए की घाटों पर नगर निगम द्वारा अस्थाई तौर पर सोलर लाइट की व्यवस्था को भी सुनिश्चित कराया जाए।

घाटों पर होगी गोताखोरों की व्यवस्था

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि घाटों पर पर्याप्त मात्रा में नावों और गोताखोरों की व्यवस्था की जाए ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटा जा सके। साथ ही ज़िलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि गोताखोरों की अलग से बैठक और जल पुलिस के साथ प्रोफेशनल ट्रेनिंग कराना भी सुनिश्चित किया जाए।

चूना छिड़काव व फागिंग की होगी व्यवस्था

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि पूजा स्थलों पर डाक्टरों की टीम व दवाईयों सहित एक.एक एम्बूलेंस की व्यवस्था की जाये जो निरन्तर कार्यशील रहे। संचारी रोग जैसे डेंगू मलेरिया आदि के तहत ज़िलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आस पास की झाड़ियों की सफाई, घास की कटाई, साफ सफाई, चूना छिड़काव व फ ाग़िंग आदि की व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाए।

विद्युत सुरक्षा विभाग को एनओसी देने का निर्देश

उन्होंने कहा कि सभी ट्रान्सफार्मर व लोड की स्थिति का आंकलन पहले ही कर लिया जाए, साथ ही जो खुले एवं जर्जर तार है उनकी सूची बनाकर सभी सम्बन्धित विभाग देख लें कि किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। उन्होंने कहा कि विद्युत सुरक्षा विभाग अनिवार्य रूप से निरीक्षण करें। केवल एनओसी से ही उनका कार्य समाप्त नही हो होगा बल्कि नियमित रूप से जांच होनी चाहिए यदि कही शिशिलता पायी जाती है तो इसकी जिम्मेदारी सम्बन्धित अधिकारियों की होगी।

पूजा स्थलों पर प्रकाश की आपूर्ति व वाइरिंग की व्यवस्था और कार्यक्रम स्तर पर बनाये गये मंच व पंडाल की जांच विद्युत सुरक्षा विभाग व लोक निर्माण विभाग को एनओसी देने के निर्देश दिये।

राजा महेंद्र प्रताप सिंह को स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में अहम स्थान मिलना चाहिए था

● उपराष्ट्रपति भारत सरकार की गरिमामयी उपस्थिति एवं राज्यपाल की अध्यक्षता में राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़ का प्रथम दीक्षांत समारोह सम्पन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपराष्ट्रपति भारत सरकार जगदीप धनखड़ की गरिमामयी उपस्थिति तथा प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में सोमवार को राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़ का प्रथम दीक्षांत समारोह सम्पन्न हुआ। दीक्षांत समारोह में माननीय उपराष्ट्रपति जी एवं राज्यपाल द्वारा 41 मेधावियों को 45 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। समारोह में मास्टर आफ आर्ट्स, मास्टर ऑफ साइंस, बीएससी, बीसीए, एलएलबी, एलएलएम, बीकॉम, बीपीईस, बीपीएड पाठ्यक्रम में सर्वाधिक सीजीपीए अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। पदक पाने वालों में 22 छात्राएं और 19 छात्र सम्मिलित हैं।

अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ ने विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा कई बड़े बदलाव किए गए हैं। मैंने देखा है कि नाम, प्रमाण पत्र और मार्कशीट सभी इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपलोड किए गए हैं। प्रदेश भाग्यशाली है कि उसे ऐसी शिक्षाविद एवं विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र के लिए प्रेरक राज्यपाल मिली हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम सभी को पर्यावरण के प्रति सजग रहना होगा। अपने जीवन में 'एक पेड़ माँ के नाम' अवश्य लगाएं। इस दीक्षांत समारोह में उपस्थित होना एक सम्मान की बात है। इस राज्य विश्वविद्यालय का नाम देशभक्त, राष्ट्रीय नायक और स्वतंत्रता सेनानी राजा महेंद्र प्रताप सिंह के नाम पर रखा गया है। बहुत ही आकर्षक पहलू यह है कि ब्रज भूमि में रहना हमेशा आध्यात्मिक रूप से फायदेमंद होता है। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आपकी उच्च शैक्षणिक योग्यताएं देश के लिए संपत्ति हैं। आप जिस भी क्षेत्र में कार्य करते हैं उन क्षेत्रों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। आप भारत के विकासशील गाथा का अहम हिस्सा साबित होंगे। आगामी 25 वर्ष अपार संभावनाओं से भरे हैं, जिनका आप लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा अच्छी तरह से निश्चित है और वह 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाते हुए भारत का विकास करने की है। युवाओं की उच्च और सकारात्मक सोच इस यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण हितधारक है। आप ही इस विकसित यात्रा को ऊर्जा देते हुए सभी को गौरवान्वित भी करेंगे। उन्होंने युवाओं को भविष्य का लीडर बताते हुए सकारात्मक परिवर्तन का निर्माता बताया और कहा कि वह आर्थिक तकनीक और सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि आपको वह परिवर्तन बनना होगा जिस पर आप विश्वास करते हैं। किसी भी परिवर्तन के बहकावे में ना आकर अपनी योग्यता और दृष्टिकोण के अनुसार आप जो परिवर्तन चाहते हैं उसे लाएं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राजा महेंद्र प्रताप सिंह को स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में अहम स्थान मिलना चाहिए था। उन्होंने 1915 में काबुल में भारत की पहली अस्थाई सरकार की स्थापना की, जो ब्रिटिश शासन के 1935 के भारत सरकार अधिनियम की कल्पना करने से भी दो दशक पहले की बात है। उनके जैसे नायकों के बलिदान के कारण ही आज हम एक स्वतंत्र वातावरण में फल-फूल रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से ऐसे महान नायकों की इन प्रेरक कहानियों को हमारी पाठ्य पुस्तकों में अब तक कोई उल्लेख नहीं मिलता है। यह स्वतंत्रता के इतिहास के साथ छेड़छाड़ की एक दर्दनाक कहानी को बयां करता है।

उन्होंने कहा कि डॉ बीआर आंबेडकर को सर्वोच्च नागरिक भारत रत्न से देर से सम्मानित किया गया। 1990 में आंबेडकर से लेकर 2023 में चौधरी चरण सिंह और कर्पूरी ठाकुर तक सही दिशा में कदम उठाए गए। कुलाधिपति एवं राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह में मेधावियों की संख्या को देखते हुए स्पष्ट है कि यहां भी छात्राओं ने ही बाजी मारी है। अलीगढ़ ताला उद्योग के साथ ही अब शैक्षिक उन्नयन का भी केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के जीवन में ऐसा अवसर है जब उन्हें तय करना होता है कि अब उनकी आगामी भूमिका क्या है, उन्हें समाज और देश के लिए क्या करना है। इसके साथ ही समारोह में राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए पांच ग्राम- नादा वाजिदपुर, करसुआ, लोधा, हरदासपुर एवं ल्होसरा के प्राथमिक विद्यालयों के भाषण, लेखन व पोस्टर प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को पुरस्कृत एवं सम्मानित करने के साथ ही उनकी शिक्षिकाओं को पाठ्य पुस्तकों का एक-एक सैट प्रदान किया।

परिषदीय विद्यालयों के बच्चे रूबरू हो रहे हैं भारतीय संस्कृति व इतिहास से

● 15 हजार बच्चों को शैक्षिक भ्रमण से ऐतिहासिक व सांस्कृतिक के इतिहास से करा रही परिचित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार ने राज्य के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के समग्र शैक्षिक विकास के लिए एक अभिनव पहल की है। सरकार का उद्देश्य न केवल बच्चों को शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना है, बल्कि उनमें भारतीय इतिहास, संस्कृति और धरोहरों के प्रति जागरूकता और गर्व की भावना विकसित करना भी है। इसके लिए प्रदेश के सभी 75 जिलों से 15,000 बच्चों का चयन कर उन्हें राज्य के ऐतिहासिक स्थलों का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण कराया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक जिले से 200 बच्चों को इसमें सम्मिलित किया गया है, जो मुख्य रूप से ग्रामीण और शहरी परिषदीय विद्यालयों के गरीब और आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों के हैं। योगी सरकार इस योजना के अंतर्गत 75 लाख रुपये का व्यय कर रही है, जिसमें बच्चों की यात्रा के लिए भाड़े का खर्च, नाश्ता और भोजन की व्यवस्था तथा आपातकालीन परिस्थितियों के लिए बजटीय प्रावधान शामिल हैं। इसका उद्देश्य बच्चों को उनके सामान्य शैक्षिक पाठ्यक्रम से इतर व्यावहारिक और ऐतिहासिक जानकारी देना है, ताकि वे भारतीय धरोहरों और ऐतिहासिक स्थलों को न केवल देखें बल्कि उनके महत्व को समझें और उनसे प्रेरणा लें। यह शैक्षिक भ्रमण 24 सितंबर से शुरू हुआ है और इसे बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आयोजित किया जा रहा है। हर 20 बच्चों के समूह के साथ एक शिक्षक अथवा शिक्षिका की जिम्मेदारी तय की गई है, जो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ भ्रमण के दौरान उन्हें ऐतिहासिक स्थलों से जुड़ी जानकारी भी प्रदान करेंगे। प्रत्येक जनपद से 10 शिक्षकों को इस भ्रमण कार्यक्रम में शामिल किया गया है। इन शिक्षकों को यह भी जिम्मेदारी दी गई है कि वे बच्चों को भ्रमण के दौरान भारत के इतिहास, संस्कृति और धरोहरों के प्रति जागरूक करें। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक जिले के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और संबंधित अधिकारियों को इस योजना की निगरानी और सुचारू संचालन का दायित्व सौंपा गया है ताकि भ्रमण के दौरान बच्चों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। यात्रा के दौरान बच्चों को सुरक्षा और संरक्षा के अलावा आवश्यक जानकारी और सहयोग प्रदान करने के लिए सभी प्रशासनिक और सुरक्षा संबंधित उपाय किए गए हैं।

व्यक्तित्व विकास के साथ राष्ट्रप्रेम का संदेश

योगी सरकार की इस पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके पाठ्यक्रम से बाहर वास्तविक दुनिया में शैक्षिक अनुभव प्रदान करना है। साथ ही, इस योजना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि बच्चों को भारत की समृद्ध धरोहरों और गौरवशाली इतिहास से परिचित कराया जाए। भ्रमण के दौरान बच्चों को विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों, स्मारकों और संग्रहालयों की यात्रा कराई जाएगी, जहां उन्हें उन स्थलों के महत्व, उनके निर्माण के समय की परिस्थितियों और उनसे जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इससे बच्चों में न केवल इतिहास के प्रति रुचि जाग्रत होगी बल्कि उनमें राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना भी मजबूत होगी। इस सम्बन्ध में बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह का कहना है कि सरकार का यह मानना है कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों में न केवल शैक्षिक समझ बढ़ती है बल्कि उनके व्यक्तित्व का भी सर्वांगीण विकास होता है।

मुख्यमंत्री ने बुलंदशहर में सिलेंडर फटने से हुए हादसे का लिया संज्ञान

पायनियर समचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद बुलंदशहर में सिलेंडर फटने से हुए हादसे का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

त्योहारी मांग पर यूपी से 30 ट्रक टेराकोटा उत्पादों की हुई अन्य राज्यों में आपूर्ति

● सीएम योगी ने टेराकोटा को ओडीओपी घोषित किया तो बहुरे शिल्पकारों के दिन

पायनियर समचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वर्ष 2018 में टेराकोटा को एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) में शामिल किए जाने के बाद इससे जुड़े शिल्पकारों के दिन बहुर गए हैं। ओडीओपी में शामिल होने से पहले दम तोड़ रहे इस शिल्प की धूम अब पूरे देश में हुई है। शिल्पकारों के पास काम इतना कि दम लेने की फुर्सत नहीं। साल दर साल टेराकोटा उत्पादों की बढ़ रही मांग के बीच शिल्पकारों की कारोबारी दिवाली नवरात्र से पहले ही जगमग हो चुकी है। देश के अलग अलग राज्यों में करीब 30 ट्रक टेराकोटा उत्पादों की सप्लाई करने के बाद गोरखपुर के शिल्पकार दिवाली के लिए स्थानीय बाजार के लिए उत्पादों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

दशहरा और दिवाली को लेकर गोरखपुर के टेराकोटा उत्पादों की मांग में गत वर्ष की तुलना में दोगुनी वृद्धि हुई है। त्योहारी डिमांड की सप्लाई शिल्पकारों द्वारा नवरात्र के पहले ही की जा चुकी है। राष्ट्रीय पुरस्कार के सम्मानित टेराकोटा शिल्पकार राजन प्रजापति बताते हैं कि इस बार उन्होंने दशहरा और दिवाली को लेकर 15 ट्रक उत्पादों की सप्लाई हैदराबाद, अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, लखनऊ और राजस्थान के शहरों में की है। राजन ने पिछले साल 8 ट्रक टेराकोटा उत्पादों की आपूर्ति बाहरी राज्यों को की थी। राजन प्रजापति के अलावा पन्नेलाल प्रजापति ने 8 ट्रक, हरिओम आजाद ने 2 ट्रक, मोहनलाल व सोहनलाल प्रजापति ने 2 ट्रक और हीरालाल प्रजापति ने एक ट्रक उत्पादों की आपूर्ति की है। इन सभी के पास आए डिमांड नवरात्र और दशहरे के पहले ही पूरे किए जा चुके हैं। टेराकोटा शिल्पकारों का कहना है कि अब वह दिवाली पर लोकल मार्केट की मांग के अनुरूप अपने उत्पादों को अंतिम रूप दे रहे हैं। ओडीओपी में शामिल किए जाने के बाद लोकल मार्केट में भी टेराकोटा शिल्प की मांग दोगुनी से अधिक हो चुकी है। ये सभी शिल्पकार टेराकोटा के बाजार में आए बम्पर बदलाव का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को देते हैं। राजन प्रजापति कहते हैं कि हमें तो माल बेचने के लिए विज्ञापन की जरूरत ही नहीं पड़ती है। टेराकोटा की ब्रांडिंग खुद सीएम योगी ने इतनी अधिक कर दी है कि हमारे पास काम की भरमार रहती है। अभी 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में हुई यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में गोरखपुर के टेराकोटा शिल्प ने देश-दुनिया के आगंतुकों के समक्ष अपनी चमक बिखेरी। प्रतिभागी शिल्पकारों और कारोबारियों को काफी नए ऑर्डर भी मिले।

शिल्पकारों का कहना है कि योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के पहले भो टेराकोटा शिल्पकारों के पास क्षमता तो थी लेकिन शासन के प्रोत्साहन और उचित प्लेटफार्म की कमी से इसका दायरा संकुचित होता जा रहा था। 2017 तक दम तोड़ रहे इस माटी शिल्प के लिए तारणहार बनकर आए। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने 2018 में टेराकोटा को एक जिला एक उत्पाद योजना में शामिल किया और फिर तबसे यह शिल्प नई ऊंचाई को छू रहा है। ओडीओपी में शामिल होने के बाद सरकार से मिल रहे प्रोत्साहन के चलते टेराकोटा का कारोबार साल दर साल विस्तृत होता जा रहा है। स्थिति यह है कि आज पुराने शिल्पकारों के पास काम की कोई कमी नहीं है। यही नहीं, टेराकोटा की भविष्य से जुड़ी संभावना को देखकर बड़ी संख्या में नए शिल्पकार और कारोबारी भी इससे जुड़ चुके हैं। वास्तव में टेराकोटा का कायाकल्प तब हुआ जब सीएम योगी ने इसे गोरखपुर का ओडीओपी घोषित किया। ओडीओपी में शामिल होने के बाद टेराकोटा शिल्पकारों को संसाधनगत, वित्तीय व तकनीकी मदद तो मिली ही, सीएम की अगुवाई में ऐसी जबरदस्त ब्रांडिंग हुई कि इसके बाजार का अपार विस्तार हो गया। इलेक्ट्रिक चाक, पगमिल, डिजाइन मशीन आदि मिलने से शिल्पकारों का काम आसान और उत्पादकता तीन से चार गुनी हो गई। गुणवत्ता अलग से निखर गई है।

मुख्यमंत्री करेंगे युगतुलसी के जन्मशती वर्ष का उदघाटन

लखनऊ। युगतुलसी पंडित रामकिंकर उपाध्याय के जन्मशताब्दी वर्ष पर बुधवार, 23 अक्टूबर को भावांजलि कार्यक्रम राजधानी में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्यमंत्री एवं गोरक्ष पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ करेंगे। सांसद डा. दिनेश शर्मा, रामायणं ट्रस्ट की अध्यक्ष मन्दाकिनी रामकिंकर एवं युगतुलसी के पट्टशिष्य व्यास पंडित उमाशंकर शर्मा कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता होंगे। कार्यक्रम इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में शाम 4 बजे से होगा। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। कार्यक्रम के संयोजक किशोर टंडन ने बताया कि युगतुलसी का लखनऊ से गहरा नाता रहा है। अनवरत 30 वर्ष तक उन्होंने मोतीमहल लान में श्रीराम कथा के विविध प्रसंगों की सारगर्भित व्याख्या करके श्रीराम कथा के रसिक श्रोताओं को गूढ़ रहस्यों की तात्विक व्याख्या समझाई। उनकी विशेषता थी कि वह बिना किसी नोट के एक ही चौपाई की अनवरत 9 दिनों तक व्याख्या प्रस्तुत करते थे। राष्ट्रपति भवन में प्रवचन करने वाले वह एकमेव मानस मर्मज्ञ थे। उन्हें पद्मविभूषण से अलंकृत किया गया था। उनके द्वारा रचित 100 से अधिक पुस्तकें आज भी राम भक्तों के लिए अमूल्य धरोहर हैं।

एकेटीयू: बीटेक लेटरल एंट्री और एमबीए एमसीए की काउंसलिंग आज

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सरकारी एवं सरकारी स्ववित्त पोषित संस्थानों में खाली सीटों पर स्पेशल राउंड की काउंसलिंग में सीयूईटी पीजी के तहत के एमबीए, एमसीए और एमसीए लेटरल एंट्री और सीयूईटी यूजी के तहत बीटेक लेटरल एंट्री पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए फिजिकल रिपोर्टिंग एवं सीट आवंटन मंगलवार को होगा। काउंसलिंग विश्वविद्यालय परिसर के मुख्य भवन में चौथे तल पर हॉल में होगी। फिजिकल रिपोर्टिंग सुबह साढ़े नौ बजे से 11 बजे तक चलेगी। इसके लिए 27 काउंटर बनाये गये हैं। वहीं सीट अलॉटमेंट साढ़े 12 बजे से होगा। सभी अभ्यर्थियों को जरूरी प्रमाणपत्रों की स्वत: प्रमाणित दो प्रतियों के साथ ही ओरिजनल डॉक्यूमेंट लाना अनिवार्य होगा।

रमाबाई अम्बेडकर रैली स्थल समीप स्थित अतिविशिष्ट राजकीय अतिथि गृह को बीबीएयू ने मांगा

● मुख्यमंत्री से मिले बीबीएयू के कुलपति, परिवहन मंत्री से बस चलाने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन.एम.पी. वर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की और विश्वविद्यालय संबंधी विकास कार्यों पर चर्चा की। विश्वविद्यालय को हाल ही में प्राप्त 33वीं एनआईआरएफ रैंकिंग (समग्र श्रेणी) के बारे में जानकारी दी।

मुलाकात के दौरान प्रो. एन.एम.पी. वर्मा ने मुख्यमंत्री को विश्वविद्यालय में पूर्व में किये गये विकास कार्यों को बढ़ावा देने हेतु वित्तीय सहायता के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही रमाबाई अम्बेडकर रैली स्थल के समीप स्थित अतिविशिष्ट राजकीय अतिथि गृह को बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में अध्ययनरत अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए छात्रावास बनाने हेतु स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ. विनय सिंह बघेल भी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. एन.एम.पी. वर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की सुविधाओं एवं हित को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री से विश्वविद्यालय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी। मुख्यमंत्री की ओर से विकास संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु हर संभव मदद का आश्वासन दिया गया। कुलपति ने मुख्यमंत्री को केआईपीएम- कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, गोरखपुर में होने वाले उत्तर प्रदेश-उत्तराखण्ड आर्थिक संघ के 20वें वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मेलन का उद्घाटन करने हेतु आमंत्रित किया। इसके अतिरिक्त प्रो. एन.एम.पी. वर्मा एवं डॉ. विनय सिंह बघेल ने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से भी मुलाकात की। मुलाकात के दौरान प्रो. एन.एम.पी. वर्मा ने परिवहन मंत्री से विद्यार्थियों के लिए आईटी चौराहा से हज़रतगंज एवं चारबाग होते हुये विश्वविद्यालय तक बस सेवा की शुरुआत करवाने का अनुरोध किया। जिससे विद्यार्थियों को आवागमन में सुविधा हो सके।

वनटांगिया समुदाय को दिवाली के पहले बड़ा तोहफा देगी योगी सरकार

● गोण्डा में आयोजित होगा वनटांगिया महोत्सव 2.0

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/गोंडा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'जीरो पॉवर्टी' विजन के तहत, इस वर्ष गोंडा जिला प्रशासन द्वारा वनटांगिया महोत्सव 2.0 के रूप में महेशपुर और रामगढ़ गांवों के वनटांगिया समुदाय के परिवारों को दिवाली का विशेष तोहफा प्रदान किया जाएगा। आगामी 27 अक्टूबर को आयोजित इस महोत्सव का उद्देश्य वनटांगिया समुदाय के लोगों को न केवल त्योहार की खुशियां बांटना है, बल्कि उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाना और गरीबी उन्मूलन की दिशा में ठोस कदम उठाना है।

वनटांगिया महोत्सव 2.0 के तहत, महेशपुर और रामगढ़ के सभी परिवारों को दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुएं, कपड़े और अन्य आवश्यक सामग्री उपहार के रूप में दी जाएगी। मुख्यमंत्री के 'जीरो पॉवर्टी' विजन के अनुरूप, यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने और गरीबी उन्मूलन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देना है, ताकि वे अपनी आर्थिक स्थिति को सुधार सकें और दीपावली को सम्मान और खुशी के साथ मना सकें। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि महोत्सव की सभी गतिविधियां सुचारू रूप से संपन्न हों और इसका लाभ हर गांववासी को मिले। 24 और 25 अक्टूबर 2024 को महोत्सव के दौरान विशेष स्वच्छता अभियान और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत गांववासियों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाएगा। स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और साफ-सफाई के महत्व को समझाते हुए, इस अभियान का उद्देश्य लोगों के जीवन स्तर में सुधार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देशन में, गांववासियों के लिए एक मेडिकल कैंप का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें नेत्र परीक्षण सहित अन्य जरूरी स्वास्थ्य जांच की सुविधाएं मुफ्त में उपलब्ध कराई जाएंगी। विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीणों की स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करना और उन्हें बेहतर जीवन प्रदान करना है। वनटांगिया महोत्सव के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी और खंड विकास अधिकारी नवाबगंज को आयोजन की जिम्मेदारी दी गई है। वे यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी सेवाएं सही समय पर गांववासियों तक पहुंचें, जिससे मुख्यमंत्री के 'जीरो पॉवर्टी' विजन को साकार किया जा सके। गोंडा की जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कहा कि वनटांगिया महोत्सव की शुरुआत पिछले वर्ष 2023 में हुई थी, और इस वर्ष भी हम इसे मुख्यमंत्री के जीरो पॉवर्टी विजन के तहत आगे बढ़ा रहे हैं।

वाटर स्पोर्ट्स का हब बनेगा गोरखपुर का रामगढ़ताल

● सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप का उद्घाटन खेलमंत्री करेंगे, समापन समारोह में मिलेगा सीएम योगी का सानिध्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

दशकों तक उपेक्षित रहा गोरखपुर का रामगढ़ताल योगी सरकार द्वारा किए गए कायाकल्प के बाद वाटर स्पोर्ट्स का हब बनने लगा है। पिछले साल खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तहत रोइंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता की सफल मेजबानी करने के बाद यहां सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप होने जा रही है। 22 से 26 अक्टूबर तक होने वाली इस चैंपियनशिप में रेस कोर्स का उद्घाटन 22अक्टूबर को होगा जबकि खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा का शुभारंभ 23 अक्टूबर को खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव की उपस्थिति में होगा। 26 अक्टूबर को चैंपियनशिप के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सानिध्य प्राप्त होगा।

सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में 20 राज्यों की टीमें प्रतिभाग कर रही है। इसमें कुल 243 खिलाड़ी शामिल होंगे। इन खिलाड़ियों के साथ 43 कोच भी हैं। खिलाड़ियों, कोच, सपोर्टिंग स्टाफ, निर्णायकों और अतिथियों के लिए शहर के होटलों और वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 106 कमरे रिजर्व किए गए हैं। प्रतियोगिता को लेकर रामगढ़ताल में लेन कोर्स तैयार कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि वाटर स्पोर्ट्स की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए ही योगी सरकार ने रामगढ़ताल के समीप विश्व स्तरीय वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया है। पिछले वर्ष मई माह में हुई खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की रोइंग प्रतियोगिता के बाद जर्मनी से 20 रोइंग बोट्स मंगाकर यहां प्रशिक्षण का कार्य पहले से जारी है। अब सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप की मेजबानी के बाद वाटर स्पोर्ट्स की संभावना और परवान चढ़ेगी।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स रोइंग प्रतियोगिता ने वाटर स्पोर्ट्स के लिए रामगढ़ताल की उपयोगिता को पहले ही सिद्ध कर दिया है। देशभर के अलग-अलग राज्यों के विश्वविद्यालयों से आए खिलाड़ी, उनके कोच और रोइंग फेडरेशन आफ इंडिया के पदाधिकारी भी हैरत में थे कि वाटर स्पोर्ट्स के लिए समूचे उत्तर भारत के लिए महत्वपूर्ण यह वेन्यू लाइमलाइट में नहीं था। सबने माना कि यहां राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आसमान छू सकती हैं। यूपी रोइंग एसोसिएशन के सचिव सुधीर शर्मा का कहना है कि गोरखपुर के रामगढ़ताल में रोइंग की दूसरी बार राष्ट्रीय प्रतियोगिता होने से जलक्रीड़ा खिलाड़ियों का सपना साकार हो रहा। अंतर विश्वविद्यालय के बाद सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप से अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के द्वार भी खुलेंगे। शर्मा के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामगढ़ताल का ऐसा कायाकल्प कराया है कि कि आने वाले समय मे यह वाटर स्पोर्ट्स का बेस्ट डेस्टिनेशन बनेगा।

श्री रूद्रांबिका महायज्ञ में चल रहे भागवत कथा का श्रवण करने पहुंचे दूर दराज से श्रद्धालु

गाजीपुर। जनपद के नौली ग्राम में प्राचीन काली शिव मंदिर के प्रांगण में चल रहे श्री रूद्रांबिका महायज्ञ के क्रम में यज्ञाचार्य वेद विभूषण वेदाचार्य डॉ पंडित धनंजय पांडेय जी के आचार्यत्व में काशी से पधारे वैदिक विद्वान जनों के द्वारा वैदिक मंत्र पद्धति से भगवान अग्नि नारायण का प्राकट्य हुआ और आज से यज्ञ मंडप में भगवान रुद्रांबिका की यज्ञ आहुति भी प्रारंभ हो गई। भारी मात्रा में श्रद्धालुओं के जयकारों के साथ बहुत उल्लास से यज्ञ मंडप की परिक्रमा व दर्शन पूजन में लोग अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। प्रतिदिन प्रात काल 7 से ही वेद पारायण मंडप पूजन के वैदिक मंत्र से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो रहा है। मध्याह्न में भी 2 से काशी से पधारे भागवत कथा व्यास पंडित कन्हैया द्विवेदी जी महाराज के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत महापुराण की दिव्य संगीतमय कथा के अंतर्गत ध्रुव चरित्र अजामिल उपाख्यानए भगवान की नवधा भक्ति का वर्णन सहित दिव्य अवतारों की कथा का रसास्वादन करते हुए श्रोतागण भक्ति भावना में तल्लीन रहे। इस अवसर पर यज्ञाचार्य ने बताया कि यज्ञ कर्म से सबका कल्याण एवं मनुष्य योनि का मुख्य उद्देश्य पूर्ण होता है। विशिष्ट अतिथि के क्रम में श्री कृष्ण योग माया शक्तिपीठ के संस्थापक परमहंस परिव्राजक आचार्य स्वामी श्री ज्ञानानंद सरस्वती जी महाराज का आशीर्वचन आम जनमानस को सर्व सुलभ ढंग से प्राप्त हुआ। इस मौके पर आशुतोष मिश्राए विकास गुप्ताए रविकांत मिश्राए राम बिहारी सिंहएत्रिभुवन पांडेयएकृष्ण यादवए अरविंद सिंहए आदि उपस्थित रहे।

बालको मे होता है राष्ट्र चेतना का प्रवाहः सच्चिदानन्द

गाजीपुर। बालको के विकास की दृष्टि से चलाये जाने वाले एक दिवसीय बाल शिविर का आयोजन 20 अक्टुबर को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वाधान में माधव सरस्वती विद्यालय प्रकाशनगर में किया गया। इस बाल शिविर में का 19 अक्टुबर सांय 3 बजे शुभारम्भ किया गया जो 20 अक्टुबर को सांय 4 बजे विभाग संघचालक सच्चिदानन्द के उदबोधन व पुरस्कार वितरण के बार सम्पन्न हुआ। इस बाल शिविर में जनपद के सभी खण्डो से 10 वर्ष से उपर बाल व तरूण ने प्रतिभाग किया। शिविर के माध्यम से बच्चो में नये नये उपक्रम सिखाकर उनके में राष्ट्रीय भावना का विकास के साथ साथ पर्यावरण संरक्षणए जल प्रदूषणए भूमि प्रदूषणए वायु प्रदूषण जैसे विभिन्न विषयो पर चित्रकला व निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गयां। प्रतियोगिता के पुरस्कार का वितरण किया गया। इस अवसर पर सघसंचालक सच्चिदानन्द ने बताया कि हमारे बाल स्वयंसेवक एक कोरा कागज होते है इनमे नववेतना के साथ साथ राष्ट्र चेतना का प्रवाह होता है।

चला पिया हमई के शिल्प मेला घुमाय दा

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र और संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की ओर से आयोजित दीपावली शिल्प के पांचवें दिन सोमवार की शाम सांस्कृतिक संध्या नृत्य नाटिका और भजन गायन के नाम रही। कार्यक्रम की शुरूआत भजन गायिका अर्चना दास ने है पार्वती के लाल हे शिव के अवतारी रघुवर तुमको मेरी लाल अपने भक्ती के हितकारी कुन्जन कुनक मंदिर मंदिर अरे गंगा तोरी लहर तथा सजा दो घर को गुलशन सा मेरेण्ण्ण्ण्की प्रस्तुति देकर श्रोताओं से खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम के दूसरी कड़ी में सपना एवं दल ने गणेश वंदना विह्न विनाशन हार हो करी तोह के नमनवां प्रथम पूज्य सुविचार ही करी तोहके नमनतों तथा लोकगीत चला पिया हमई के मेला घुमाय दा पेशकर श्रोताओं को खूब झुमाया। इसके बाद श्वेता श्रीवास्तव एवं दल ने नृत्य नाटिका की शुरुआत शिव सती कथा से किया। जिसमें प्रेम भक्ति व रौद्र के भाव को नृत्य के माध्यम से प्रदर्शित किया। श्वेता श्रीवास्तव की नृत्य नाटिका और महिषासुर मर्दिनी रूप ने पंड़ाल में बैठे दर्शकों को मंत्र मुग्ध किए रखा। उन्होंने गंगा नृत्य पार्वती नौदुर्गा रूप चंडी महिषासुर वध सिंह सवार दुर्गा समेत कई रूप में नृत्य प्रस्तुत किया। इस दौरान शिव पार्वती विवाह और महिषासुर का वध पूरे गीत संगीत और शास्त्रीय नृत्य में पिरोकर दिखाया गया। जबकि राहुल निषाद एवं साथी कलाकारों ने काली स्वांग पर आधारित नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी। इस दौरान पंड़ाल में बैठे दर्शक कुर्सी नहीं छोड़ पाए। साथी कलाकारों में जयंत बोस ऑल्टो पैड पर तबले पर अखिलेश चंद्र गौतम ढोलक पर जान्हवी मिश्रा हिमांशु मिश्रा हारमोनियम पर अंशिता त्रिपाठी कोरस पर रिद्धिमा दुबे कीबोर्ड पर आर्या पाण्डेय समीर राज अनिकेत यादव और विशाल वैश्य ने साथ दिया। कार्यक्रम का संचालन अभिजीत मिश्रा ने किया।

विद्यालयों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में जिला शिक्षा समिति की बैठक आयोजित, आपरेशन कायाकल्प के तहत कराए जा रहे शेष कार्यों को 15 दिसम्बर तक पूरा कराए जाने का निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में जिला शिक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने प्रोजेक्ट अलंकार राजकीय संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय के निर्माण संस्कृत विद्यालय के बच्चों के छात्रवृत्ति आपरेशन कायाकल्प विद्युत संयोजन जर्जर भवनों के नीलामी ध्वस्तीकरण निपुण भारत मिशन निर्माण कार्य की प्रगति और मध्यान्ह भोजन आदि विषयो पर विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक से करछना में प्रस्तावित राजकीय संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय इण्टर स्तर के निर्माण के बारे में पूछा। जिस पर डीआईओएस के द्वारा विद्यालय हेतु चिन्हित जमीन पर अतिक्रमण होने की जानकारी दी। वहीं उप जिलाधिकारी करछना से चिन्हित जमीन पर अतिक्रमण की फोन पर जानकारी ली और उन्हें चिन्हित जमीन को दो दिनों में खाली कराकर विद्यालय के निर्माण हेतु जमीन उपलब्ध कराने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने डीआईओएस से विद्यालयों में किसी विषय के विशेषज्ञ शिक्षक के नियुक्त न होने की स्थिति में वहां के बच्चों की उस विषय में पढ़ाई प्रभावित न हो इसके लिए दूसरे विद्यालयों के सम्बंधित विषय के विशेषज्ञ शिक्षक के माध्यम से उक्त विषय को पढ़ाए जाने हेतु उनके क्लास की लाइव स्ट्रीमिंग की उस विद्यालय में व्यवस्था कराए जाने के लिए कहा है। जिससे कि वहां के विद्यार्थी भी ऑनलाइन क्लास के माध्यम से वह विषय पढ़ सके। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से आपरेशन कायाकल्प के तहत कराए जा रहे कार्यों के प्रगति की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने जिन विद्यालयों में विद्युत संयोजन हेतु धनराशि जमा होने के बावजूद विद्युत संयोजन नहीं हुआ है वहां पर जल्द से जल्द विद्युत संयोजन कराए जाने हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया है। उन्होंने जर्जर भवनों का चिन्हीकरण करते हुए नीलामी एवं ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करने के लिए कहा है। बैठक में जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी से सभी विद्यालयों में पेयजल हेतु स्वच्छ पानी की आपूर्ति शौचालय फर्नीचर लाइब्रेरी किचन फर्श पर टाइल्स और अन्य सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित रखने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से दिव्यांग बच्चों की करेक्टिव सर्जरी कराए जाने में सहयोग के लिए अपने एक दिन का वेतन रेडक्रास सोसायटी में स्वेच्छा से देने के लिए कहा है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आशु पाण्डेय परियोजना निदेशक अशोक कुमार मौर्या जिला विद्यालय निरीक्षक पी एन सिंह बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता जागरूकता के तहत हुआ नुक्कड़ नाटक

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन कोर प्रयागराज की ओर से स्वच्छता पखवाड़ा के विशेष अभियान के अंतर्गत सोमवार को नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। यतेंद्र कुमार मुख्य प्रशासनिक अधिकारी की अध्यक्षता में सोमवार को कोर कार्यालय के प्रांगण में स्वच्छता सम्बन्धी जागरुकता को बढ़ावा देने हेतु नुक्कड़ नाट्य का आयोजन नुक्कड़ नाट्य अभिनय संस्थान प्रयागराज द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए आह्वान किया कि मुख्यालय परिसर को स्वच्छ रखने में सभी अपना सहयोग प्रदान करें और अपने आस पास के लोगों को भी प्रेरणा दें ताकि भारत सरकार के स्वच्छता अभियान को सफल बनाया जा सके। कार्यक्रम में ताकि भारत सरकार के स्वच्छता अभियान को सफल बनाया जा सके। कार्यक्रम में आर एन सिंह प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी नरेंद्र सिंह प्रमुख मुख्य इंजीनियर कल्याण सिंह उप महाप्रबंधक एवं विमल कुमार जनसम्पर्क अधिकारी सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।धन्यवाद ज्ञापन कल्याण सिंह मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी ने ज्ञापित किया।

पाक्सो एक्ट में 20 वर्ष की कठोर कैद

सोनभद्र। साढ़े छह वर्ष पूर्व 11 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश व विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र अमित वीर सिंह की अदालत ने सोमवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी महेश गोड़ को 20 वर्ष की कठोर कैद एवं एक लाख 5 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 80 हजार रूपये पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक ओबरा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने ओबरा थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 4/5 जून 2018 की रात करीब 9 बजे जब उसकी 11 वर्षीय नाबालिग बेटी घर में सो रही थी तभी महेश गोड़ पुत्र अजमेर गोड़ निवासी मेडरदह, थाना अनपरा, जिला सोनभद्र हाल पता बिल्ली मारकुंडी, थाना ओबरा, जिला सोनभद्र घर मे घुस गया और नाबालिग बेटी के साथ जबरन बलात्कार किया। चिल्लाने की आवाज सुनकर जब पति-पत्नी समेत आसपास के लोग पहुंचे तो वह भाग गया। इस तहरीर पर पुलिस ने 5 जून 2018 को बलात्कार और पाक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। दौरान विवेचना विवेचक ने बयान लेने के बाद पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 7 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोष सिद्ध पाकर दोषी महेश गोड़ को सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की तरफसे सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

जिला स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का हुआ समापन

सोनभद्र। एनटीपीसी विंध्याचल वीवा क्लब एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन मे आयोजित तृतीय जिला स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता का समापन किया गया। इस अवसर पर बडी संख्या में स्केटिंग खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता विभिन्न आयु वर्ग में विभिन्न इवेंट में खेला गया। प्रतियोगिता मे रिंक रेस, रोड रेस आदि स्पर्धाओं का प्रमुख रूप से आयोजन हुआ जिसमें ओवरऑल चैंपियन ट्रॉफी पर वीवा क्लब एनटीपीसी विंध्यनगर का कब्जा रहा, उप चैंपियन ट्रॉफी पर सिंगरौली टीम ने कब्जा जमाया वही एनटीपीसी बाल भवन ने सेकंड रनर अप चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम किया। कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह मे मुख्य अतिथि ई सत्य प्रकाश कुमार, समीर शर्मा एवं वीवा अध्यक्ष व डॉ.बी सी चतुर्वेदी उपस्थित रहे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। स्वागत भाषण वीवा क्लब के महासचिव सौरभ कुमार और अभिषेक पांडेय ने दिया। मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक ने कहा कि स्केटिंग एक बेहतर खेल के साथ एक बेहतर फिजिकल एक्सरसाइज का सुलभ एवं मनोरंजक रास्ता है इसमें बच्चे मनोरंजन के साथ साथ बेहतर फिटनेस मेंटेन करते हैं। सभी प्रतिभागियों द्वारा स्केटिंग के विभिन्न स्पर्धाओं का हैरतअंग्रेज प्रदर्शन देखकर मुख्य अतिथि ने जमकर स्केटिंग खिलाड़ियों की प्रशंसा की। यह प्रतियोगिता गणेश सिंह विशाल की तकनीकी देखरेख में संपन्न हुई जिसमें कुल 180 बच्चों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। निर्णायक मंडल के रूप में खुशबू साकेत वंदना प्रजापति अर्पिता विश्वास मुकेश साकेत रूपा कुमारी कुसुमकली वैश्य एवं स्नेहा शर्मा उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंत मे मुख्य अतिथि एवं उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। वही विजेता, उपविजेता टीम को भी चैंपियन ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आय दुगुना करने को नई तकनीक से करें खेती-संजीव कुमार गौंड़

सोनभद्र। समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री संजीव कुमार गौंड़ जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह द्वारा सोमवार को राजकीय उद्यान परिसर लोढ़ी में आयोजित जनपद स्तरीय दो दिवसीय मिलेट्स मेला एवं प्रदर्शनी कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित व फीता काटकर किया गया, इस दौरान लोकगीत बिरहा के माध्यम से स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया गया, इस मौके पर राज्यमंत्री संजीव कुमार भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता, जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, ब्लाक प्रमुख सदर अजीत रावत, मोहन कुशवाहा, संजीव तिवारी द्वारा किसान मेला व प्रदर्शनी में विभागों द्वारा लगायें गयें स्टालो का बारी-बारी से अवलोकन किया गया, अवलोकन के साथ ही स्टालों में लगी कृषि से जुड़े जरूरतमंद सामानों के उपयोगिता के बारे में जाना और सुझाव भी दिये। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यमंत्री संजीव कुमार गौंड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा है कि किसानों की आय दुगुना करने के लिए सरकार द्वारा संचालित किसानों के हित के लिए सभी योजनाओं तथा नई तकनीकियों को किसानों तक हर हाल में पहुंचाया जाये, इसके लिए जनपद स्तरीय दो दिवसीय मिलेट्स महोत्सव मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से कृषक बन्धुओं को नई तकनीकी से खेती करने व उत्पादन को बढ़ाने के सम्बन्ध में जानकारी दी जा रही है, जिससे कृषकों के आय में बढ़ोत्तरी हो सके, उन्होंने बताया कि किसान किसी भी तरह के कृषि सम्बन्धी लाभ लेने के लिए आन लाईन पंजीकरण अवश्य करायें, ताकि अनुदान के साथ योजनाओं का भी लाभ मिल सके। इस मौके पर जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटे अनाज की खेती को श्री अन्न के रूप में पहचान दी है, मोटे अनाज को एक नई पहचान मिली है, मोटे अनाज की खेती के लिए कम पानी वाले क्षेत्रों में और कम उर्वरक के प्रयोग से की जा सकती है, जो मोटे अनाज से बने उत्पादों का प्रयोग करने से व्यक्ति का स्वास्थ्य बेहतर रहता है, मोटे अनाज की खेती करने आय में वृद्धि कर सकते हैं। इस मौके पर उप निदेशक कृषि जय प्रकाश, जिला कृषि अधिकारी हरेकृष्ण मिश्रा, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहें।

सहयोग से किया निवेश

वाराणसी। भारत वैल्यू फंड ने हाइजीन केयर इंडस्ट्री की अग्रणी कंपनी मिलेनियम बेबीकेयर लिमिटेड में 122 करोड़ रुपये का इनवेस्टमेंट किया है। फाईनेंशियल कंसलटिंग फर्म बी मंत्री एंड कंपनी द्वारा सुगम बनाया गया यह रणनीतिक निवेश दोनों पक्षों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे क्षेत्र में विकास और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए सहयोग मिलेगा। बी मंत्री एंड कंपनी ने इस सौदे की संरचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सीए भव्य मंत्री ने इस उपलब्धि पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा हमें पैंटोमैथ और मिलेनियम बेबीकेयर को एक साथ लाने में बहुत खुशी हो रही है। ये निवेश दिखाता है कि भारत वैल्यू फंड हमेशा ग्रोथ करने वाली कंपनियों को सपोर्ट करने के लिए तैयार रहता है।

रैली निकालकर बालिकाओं को किया गया जागरुक

सोनभद्र। महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-05 के तहत पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में सोमवार को क्षेत्राधिकारी ओबरा हर्ष पाण्डेय के नेतृत्व में शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज ओबरा के बच्चों द्वारा रैली निकालकर महिलाओं के सुरक्षा, सम्मान व स्वाभिमान के संबंध में जागरूक किया गया तथा शासन व सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान के लिए चलाए जा रहे विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और सरकारी योजनाओं के बारे में बताया गया। महिला आरक्षियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र के महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वूमेन पॉवर लाइन1090,पुलिस आपातकालीन सेवा112,एम्बुलेंस सेवा108,चाइल्ड लाइन1098,स्वास्थ्य सेवा102,महिला हेल्पलाइन181,मुख्यमंत्री हेल्पलाइन1076 तथा गुड टच, बैड टच, घरेलू हिंसा साइबर अपराधों के बारें में विस्तृत जानकारी दी गयी।

उपचुनाव के दौरान शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान को लेकर मंथन

अंबेडकर नगर । जिलाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में दृकटहरी विधानसभा क्षेत्र के उप निर्वाचन 2024 के मतदान संबंधी व्यवस्थाओं के प्रभावी अनुश्रवण, नियंत्रण एवं शांतिपूर्ण, निष्पक्ष मतदान संपन्न कराने हेतु ड्यूटी पर लगाए गए जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित किया गया।बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि कटेहरी विधान सभा उप निर्वाचन को निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत सम्पूर्ण विधान सभा क्षेत्र को 20 जोन तथा 65 सेक्टर में विभाजित किया गया है तथा प्रत्येक जोन में एक.एक जोनल मजिस्ट्रेट तथा प्रत्येक सेक्टर में एक.एक सेक्टर मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अतिरिक्त 03 जोनल मजिस्ट्रेट तथा 06 सेक्टर मजिस्ट्रेट की आरक्षित के रूप में ड्यूटी लगाया गई है। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त मजिस्ट्रेटों को उनके कार्य एवं दायित्वों का बिंदुवार विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव में सेक्टर मजिस्ट्रेट और जोनल मजिस्ट्रेट की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी मजिस्ट्रेट अपने अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों का रूट चार्ट के अनुरूप भ्रमण कर सभी मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन कर सभी बूथों पर मतदान से संबंधित समस्त आधारभूत सुविधाओं यथा पेयजलए शौचालयए साफ्द्दसफाईए आवश्यकतानुसार छायाए विद्युत व्यवस्थाए आवागमन एवं संपर्क मार्ग व्यवस्था आदि को समय से पूर्ण कर लें और समय से वर्नेविलिटी प्रपत्र 2 व 3 को समय से उपलब्ध करा दें। उन्होंने कहा कि सभी मजिस्ट्रेट अपने दायित्वों को पूरी तरह निर्वहन करें।साथ ही पोलिंग पार्टियों के दायित्वों को भी ठीक से समझें। उन्होंने कहा कि राजकीय हवाई पट्टी से पोलिंग पार्टी की रवानगी होगी। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट समय से पार्टी रवानगी स्थल पर पहुंचें और सुनिश्चित करें कि सभी पोलिंग पार्टियां समय से अपने बूथों पर पहुंच जाएं। साथ ही मतदान से संबंधित सामग्री भी बूथों पर ठीक से पहुंच जाए। इसको लेकर भी सभी मजिस्ट्रेट पोलिंग पार्टियों के संपर्क में रहें। उन्होंने कहा कि पार्टी रवानगी स्थल पर पोलिंग पार्टियों को बैठने और चुनाव सामग्री के मिलान को लेकर सेक्टरवार पंडाल बनवाए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन की समस्त प्रक्रियाओं का बिंदुवार गहन अध्ययन कर लें और समय प्रक्रियाओं को निर्वाचन आयोग के निर्देशों का प्रत्येक दशा में अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए सकुशल सम्पन्न कराएं।

हाईटेंशन तार की जद में आने से छात्रा की मौत से मचा कोहराम

सकलडीहाचन्दौली। कोतवाली क्षेत्र के नरैना गांव में सागर राम की रिहायी मड़ई के उपर नेनुआ की सब्जी लगी हुई थी। इसके उपर से हाईटेंशन तार महज तीन फूट उपर से गया है। सागर राम की कक्षा आठ की छात्रा 13 वर्षीय मनीषा सोमवार को करीब तीन बजे सीढ़ी लगाकर मड़ई पर चढ़कर नेनुआ की सब्जी तोड़ रही थी। इसी बीच हाईटेंशन तार की जद में आने से मौके पर ही मौत होगयी। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ विरोध जताते हुए तार हटाने परिवार को मुआवजा दिलाने की मांग करने लगे। मौके पर पहुंचे कोतवाल संजय कुमार सिंह सहित अधिकारियों ने उचित सहयोग का भरोशा देते हुए ग्रामीणों को समझा बुझाकर शांत कराया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पीएम की कार्रवाई में जुट गये।

नरैना गांव के मराछू राम के दो पुत्र विक्रम और सागर है। सागर की तीन पुत्री मधुबालाए निशा और मनीषा व दो पुत्र अजीत और बीरू है। सागर मुगलसराय में मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता है। सागर की 13 वर्षीय पुत्री मनीषा सोमवार को करीब तीन बजे सीढ़ी लगाकर मड़ई पर चढ़कर नेनुआ की सब्जी तोड़ रही थी। मड़ई के उपर से गुजरी हाईटेंशन तार की जद में आने से मौके पर ही छात्रा की मौत होगयी। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने हाईटेंशन की तार हटाने व परिजनों की मुआवजा दिलाने की मांग करते हुए नईबाजार सैयदाजा मार्ग पर विरोध जताने लगे। मौके पर पहुंचे तहसीलदार अजीत सिंह व बिजली विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों को समझा बुझाकर शांत कराया। उचित सहयोग का भरोशा दिया। इसके बाद पुलिस ने छात्रा की शव कब्जे में लेकर पीएम की कार्रवाई में जुट गये। इस मौके पर कोतवाल संजय कुमार सिंहए चौकी प्रभारी विजय राज सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

तार हट गया होता तो नही जाती छात्रा की जान

ग्रामीणों की ओर से 6 माह पूर्व तार हटाने की शिकायत बिजली विभाग के अधिकारियों से किया था। इसके बाद भी विभागीय अधिकारी अनजान बने रहे। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर आरोप लगाया कि तार हट गया होता तो छात्रा की जान नही जाती। छात्रा की मौत पर रीता देवी सहित भाई बहन और पिता का रोते रोते बुरा हाल था।

उपस्थिति बढ़ाने की पहल

कानपुर। टेक्नोलॉजी कंपनी एसर ने कानपुर में दूसरा एक्सक्लूसिव स्टोर खोलने की घोषणा की है। यह नया स्टोर गोविंद नगर में वेल.नोन कंप्यूटर्स लि.द्वारा संचालित होगा। यह स्टोर ग्राहकों को एक इंटरैक्टिव माहौल में लेटेस्ट लैपटॉप्सए एडवांस गेमिंग डिवाइस और अन्य तकनीकी उत्पादों का अनुभव लेने का मौका देगा। वेल.नोन कंप्यूटर द्वारा संचालित स्टोर प्रोफेशनल और रोज़मर्रा के कामों के लिए उच्च.प्रदर्शन वाले लैपटॉप बेहतरीन गेमिंग उपकरण और नई तकनीकी समाधान सहित अच्छे से चुने गए उत्पादों कीएक श्रृंखला प्रदान करता है। एक श्रृंखला प्रदान करता है। स्टोर का माहौल ऐसा बनाया गया है कि हर ग्राहक आसानी से नई टेक्नोलॉजी के साथ जुड़ सके और अपने लिए सही प्रोडक्ट चुन सके।

अनुभव को फिर से परिभाषित किया:कानपुर लिनोवो ने आज लखनऊ में पहले हाइब्रिड गेमिंग स्टोर का उद्घाटनकियो। यह स्टोर तकनीक के शौकीनों और गेमर्स के लिए वन.स्टॉप शॉप है। इस नए हाइब्रिड स्टोर में लैपटॉपए डेस्कटॉपए मॉनिटर और एक्सेसरीज़ सहित लिनोवो के उपभोक्ता और गेमिंग उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। यह स्टोर इंटरैक्टिव डिस्प्लेए अभिनव उत्पाद शोकेस एवं उत्पाद डेमोए तकनीकी सहायता और यहां तक कि अनुकूलन विकल्प प्रदान करने के लिए तैयार जानकार कर्मचारियों के साथ ग्राहकों को एक आकर्षक अनुभव प्रदान करेगा।

मेक इन इंडिया के प्रति होगी सरकार की प्रतिबद्धता

प्रयागराज। देश भर में हुए नामकरण अभियान के बाद इस नई एसयूवी को काइलैक नाम मिला। इसका ग्लोबल प्रीमियर छह नवंबर दो हजार चौबीस को किया जाएगा। स्कोडा ऑटो ने फरवरी में कॉम्पैक्ट एसयूवी की घोषणा के साथ महत्वाकांक्षाओं का स्पष्ट संकेत दिया था। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीयूष अरोड़ा ने कहा कि बेहद गर्व है कि स्कोडा ऑटो की पहली कॉम्पैक्ट एसयूवी काइलैक को पेश कर रहे हैं।

बांग्लादेश की स्थिति

राजनीतिक उथलपुथल

बांग्लादेश में राजनीतिक उथलपुथल जारी है। ऐसे में 2025 में आम चुनाव से स्थिति सुधर सकती है। लंबी प्रतीक्षा के बाद बांग्लादेश में 2025 में आम चुनाव की संभावना बन रही है। बांग्लादेश के विधि सलाहकार आसिफ नज़रुल ने कहा था कि चुनाव-पूर्व तैयारियां पूरी करने के बाद अगले चुनाव 2025 में होंगे जिनमें नए निर्वाचन आयोग का गठन भी शामिल है। बांग्लादेश में गहराते बहुआयामी संकट के साथ ही नए आम चुनाव के लिए दबाव बढ़ रहा है ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था बहाल होकर देश में स्थायित्व आए। 2025 में आम चुनाव की संभावना राजनीतिक क्षेत्रों में चर्चा का केन्द्र बिंदु बन गई है। बहुत से लोग चुनाव को ऐसी वैध सरकार बनाने का आवश्यक कदम मानते हैं जो देश की आर्थिक समस्याओं का समाधान करे, कानून व्यवस्था की स्थिति बहाल करे तथा बांग्लादेश को ज्यादा स्थाई भविष्य की ओर ले जाए। लेकिन चुनाव के पहले अनेक बाधायें दूर करनी बाकी हैं। वर्तमान समय में व्यवस्था बनाए रखने का काम कर रही अंतरिम सरकार को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों के लिए उपयुक्त माहौल बनाना होगा। इसके लिए चुनावी धोखाधड़ी से निपटने, मतदाताओं और उम्मीदवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा चुनाव आयोग में सुधार जरूरी हैं क्योंकि पिछले वर्षों में 'पक्षपात' के कारण इसकी आलोचना हुई है। खासकर

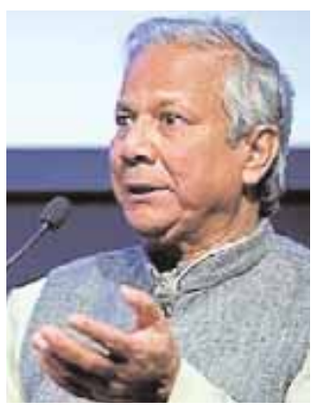

अमेरिका और यूरोपीय संघ से पड़ने वाला अंतरराष्ट्रीय दबाव बांग्लादेश में पारदर्शी व विश्वसनीय चुनाव कराने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। राजनीतिक समूहों के बीच संवाद विकसित करने तथा चुनाव सुधारों पर निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय की सहभागिता बहुत जरूरी है। हालांकि, 2025 में संभावित आम चुनाव आशा की किरण हैं, पर ये संपूर्ण समाधान की गारंटी नहीं हैं। स्थायित्व के रास्ते के लिए जटिल व संवेदनशील कदम जरूरी होंगे जनमें प्रभावी सत्ता-साझा व्यवस्थायें, अतीत की राजनीतिक गलतियों के लिए जवाबदेही तथा ऐसी आर्थिक नीतियां शामिल हैं जिनसे नागरिकों का वित्तीय बोझ कम हो सके। लोकरंजक लफ्फाजी तथा अतिवादी समूहों का उभार भी शांतिपूर्ण चुनावी परिवेश के लिए खतरा है। इसके साथ ही शेख हसीना निर्वासित हैं और उनकी अवामी लीग पार्टी का काफी बड़ा हिस्सा अराजकता का शिकार हो गया है। इसे देखते हुए बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य का बड़ा हिस्सा चुनाव प्रक्रिया से बाहर रह सकता है। शेख हसीना के नेतृत्व में देश ने उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति की है। लेकिन उनके कार्यकाल में तानाशाही, विरोधियों को कुचलने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं में बदलाव के आरोप भी लगे हैं। लोकतांत्रिक मानकों में गिरावट तथा बांग्लादेश नेशनललिस्ट पार्टी-बीएनपी समेत विपक्षी दलों पर कठोर कार्रवाई के कारण बांग्लादेश अत्यधिक राजनीतिक ध्रुवीकरण तथा अशांति का शिकार है। राजनीति के हाशिए पर पहुंच चुके बांग्लादेश में 2025 में आम चुनाव कराने की संभावना आशंकाओं और उम्मीदों से भरी है। राष्ट्र का भविष्य मोटेतौर से अंतरिम सरकार की क्षमता और प्रबंधन पर निर्भर है। देखना होगा कि अंतरिम सरकार राजनीतिक हस्तांतरण का प्रबंधन कहां तक सटीक रूप से कर सकती है। इसके साथ ही यह सवाल भी बार-बार उठ रहा है कि क्या अंतरिम सरकार वास्तव में सच्ची लोकतांत्रिक प्रक्रिया का रास्ता खोलना चाहती है या नहीं। आने वाले महीने यह निर्धारित करने में महत्वपूर्ण होंगे कि क्या बांग्लादेश वर्तमान उथलपुथल वाली स्थिति से उबर सकेगा और उसमें लोकतांत्रिक भावना पुन: पैदा होगी अथवा वह अराजकता और अस्थायित्व में घिरा रहेगा।

कनाडा में भारतीयों पर संकट

भारत और कनाडा के बीच पैदा राजनयिक संकट के कारण कनाडा में वीज़ा प्रक्रियायें, आप्रवास के मार्ग तथा भारतीय कामगारों व छात्रों के लिए अवसर बाधित हुए हैं।

के.एस. तोमर
(लेखक, रणनीति विशेषज्ञ हैं)

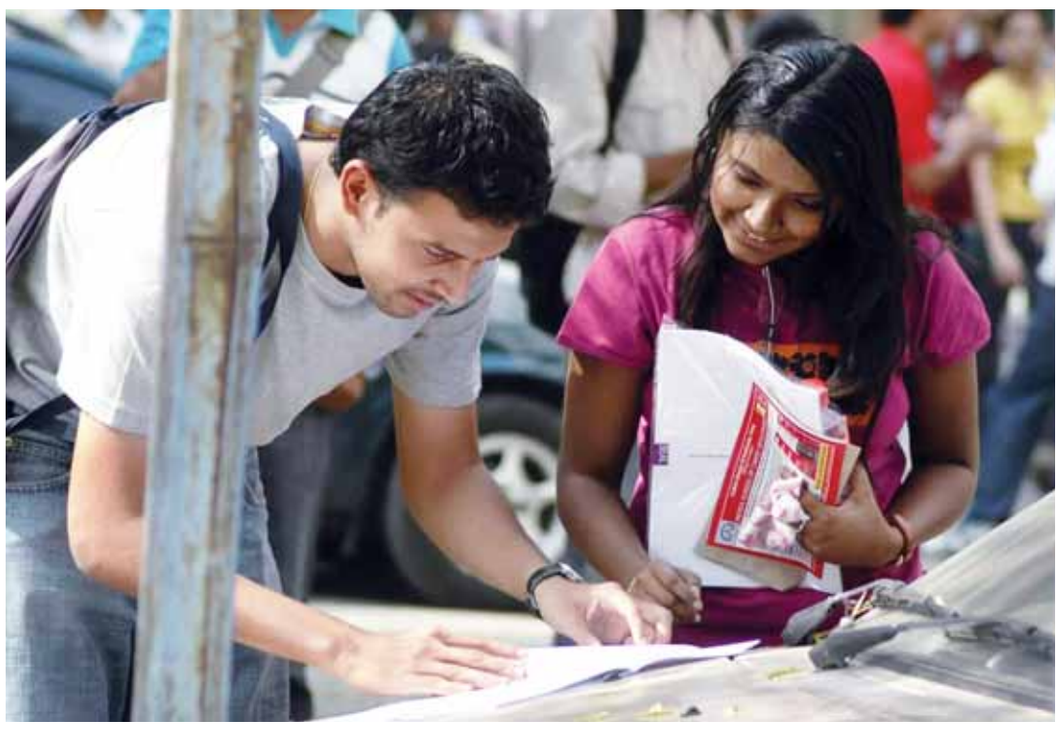

भारत और कनाडा के बीच वर्तमान राजनयिक तनावों के कारण वहां काम कर रहे या अध्ययनरत भारतीय नागरिकों अथवा कनाडा जाने की इच्छा रखने वालों पर संकट मंडरा रहा है। खासकर कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा लगाए आरोपों तथा दोनों देशों द्वारा राजनयिकों के निष्कासन से स्थिति और गंभीर हुई है। ट्रूडो की लिबरल पार्टी सरकार का समर्थन घट रहा है और उनकी अल्पमत सरकार प्रमुख सिख राजनेता जगमीत सिंह के नेतृत्व वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी-एनडीपी के समर्थन पर निर्भर हो गई है। एनडीपी के समर्थन आधार में कनाडा की सिख जनसंख्या का बड़ा हिस्सा शामिल है और ट्रूडो उसका समर्थन पाने के प्रयास में भारत के खिलाफ कठोर दृष्टिकोण अपना रहे हैं। हालांकि, कनाडा में रहने वाले कुछ सिखों के विचार ये यह उनके हितों के खिलाफ है। भारत और कनाडा के बीच खराब होते संबंध अनेक प्रमुख क्षेत्रों को प्रभावित कर सकते हैं। इसमें कनाडा में कार्यरत भारतीय कामगारों पर प्रभाव सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

कनाडा के कुशल कामगारों में खासकर आईटी, स्वास्थ्यरक्षा, इंजीनियरिंग व फाइनेंस क्षेत्रों में भारतीयों का बड़ा हिस्सा है। अनेक वर्षों से कनाडा भारतीय पेशेवरों के लिए प्रमुख ठिकाना बना हुआ है जिसका कारण वहां की आप्रवास-हितैषी नीतियां हैं। हालांकि, कनाडा में कार्यरत भारतीय कामगारों पर तत्काल प्रभाव सीमित है, पर लंबे राजनयिक गतिरोध के कारण वर्क परमिटों, वीज़ा नवीनीकरण और स्थाई आवास-पीआर प्रार्थनाओं में विलंब हो सकता है। इनको निपटाने में लगने वाला समय बढ़ सकता है तथा कठोर जांच व्यवस्थायें लागू हो सकती हैं। ऐसे में भावी आप्रवासियों के लिए अनिश्चितता का माहौल है। संभावित आप्रवासियों या वर्क परमिटों की प्रतीक्षा कर रहे लोगों को वीज़ा स्वीकृति में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। यदि संबंध लगातार खराब होते रहे तो कनाडा भारतीय कामगारों के लिए ज्यादा कठोर आप्रवास नियम लागू कर सकता है जिससे उस देश में पेशेवरों का प्रवाह बाधित हो सकता है। कनाडा में बड़ी संख्या में भारतीय छात्र हैं क्योंकि यह भारतीय छात्रों के लिए प्रमुख गंतव्य स्थल बन गया है। 2023 में कनाडाई विश्वविद्यालयों में लगभग 3,20,000 छात्र पढ़ रहे थे। देश की विश्वस्तरीय शिक्षा व्यवस्था, परास्नातक के बाद तुलनात्मक रूप से सरल आप्रवास के मार्ग तथा काम के विविधतापूर्ण क्षेत्रों के कारण कनाडा भारतीय छात्रों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। वर्तमान राजनयिक तनाव के कारण छात्र वीज़ा स्वीकृतियों में विलंब हो सकता है अथवा प्रार्थनापत्रों की ज्यादा कठोर जांच हो सकती है। हालांकि, फिलहाल ऐसे कोई संकेत नहीं हैं कि भारतीय छात्रों को फौरन अस्वीकार कर दिया जाएगा, लेकिन खासकर नए प्रार्थियों के लिए अनिश्चितता से प्रवेश प्रक्रियाओं में दबाव तथा विलंब बढ़ सकता है। अनेक भारतीय छात्र कनाडा में अपना अध्ययन पूरा करने के बाद 'पोस्ट ग्रेजुएशन वर्क परमिटों'- पीजीडब्लूपी के कारण रुके रहते हैं तथा अंतत: स्थाई आवास की प्रार्थना करते हैं। अब यह प्रक्रिया पूरी करने में तनाव बढ़ सकता है। इससे छात्रों को सहज ढंग से शिक्षा से रोजगार में जाने का रास्ता ज्यादा कठिन हो सकता है। वर्तमान स्थितियों से आप्रवास के तरीके भी प्रभावित हो सकते हैं। कनाडा का 'एक्सप्रेस इंट्री प्रोग्राम' भारतीय पेशेवरों तथा स्थाई आवास की मांग करने वाले छात्रों के लिए अत्यधिक लाभदायक रहा है। लेकिन यदि राजनयिक खाई बढ़ती है तो यह प्रक्रिया धीमी या ज्यादा कठोर हो सकती है। प्रार्थनापत्रों को निपटाने की प्रक्रिया लंबी हो सकती है, पृष्ठभूमि की ज्यादा कठोर जांच हो सकती है तथा संभावित नीतिगत परिवर्तनों से भी भारतीय प्रार्थी प्रभवित हो सकते हैं।

अनेक भारतीय नागरिकों के परिवारी सदस्य कनाडा में रहते हैं और उन्होंने परिवार एकीकरण या स्पांसरशिप कार्यक्रम की प्रक्रिया अपनाई है। राजनयिक गतिरोध के कारण उनकी प्रार्थनाओं पर विचार में विलंब हो सकता है। इसके साथ ही व्यापार एवं द्विपक्षीय समझौते तथा पेशेवर लोगों का आवागमन भी प्रभावित हो सकता है। यदि राजनयिक तनाव जारी रहा तो ऐसे पेशेवर लेनदेन, संयुक्त उद्यम तथा कार्पोरेट साझेदारी में विलंब हो सकता है जिसमें भारतीय और कनाडाई कंपनियां शामिल हों। इससे आईटी, दूरसंचार व कंसल्टेंसी जैसी कनाडाई कंपनियों में भारतीय पेशेवरों के रोजगार अवसर घट सकते हैं। वर्तमान गतिरोध से आप्रवास के तरीके भी प्रभावित होंगे। भारत और कनाडा के बीच समग्र आर्थिक साझेदारी समझौत-सीईपीए पर बातचीत चल रही थी जो अब ठंडे बस्ते में जा सकती है। इससे भारतीय पेशेवरों के आप्रवास को सुगम बनाने वाली पहलें प्रभावित हो सकती हैं तथा सहज व्यापार और रोजगार संबंधों के रास्ते भी प्रभावित हो सकते हैं। इन सभी आयामों को देखते हुए राजनयिक गतिरोध दूर करने के रास्ते खोजे जाने चाहिए। इसका सर्वाधिक प्रभावी तरीका राजनयिक संवाद विकसित करना है। दोनों देशों की सरकारों को समान आधार तलाश कर तनाव घटाने पर काम करना चाहिए। राजनयिक चैनलों को दोनों पक्षों के नागरिकों के हितों को संरक्षण देते हुए गलतफहमी दूर करने के प्रयास करने चाहिए। स्थितियों को सुधरने की प्रतीक्षा करते हुए छात्रों और पेशेवरों को वैकल्पिक देशों, जैसे ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया या जर्मनी जाने पर विचार करना चाहिए क्योंकि वे भी भारतीय नागरिकों के लिए शिक्षा के ऐसे ही अवसर तथा काम के अवसर प्रदान करते हैं। इस गतिरोध का कारण कनाडा में सिख समुदाय की भूमिका तथा वोटबैंक की राजनीति है। भारत के बाहर कनाडा में सिखों की जनसंख्या सबसे अधिक है। यहां लगभग 770,000 सिख हैं जो कनाडाई जनसंख्या का लगभग 2 प्रतिशत हैं। इनमें से अधिकांश सिख ब्रिटिश कोलम्बिया, ओंटारियो और अल्बर्टिया के चुनाव जिलों में हैं। कुछ चुनाव क्षेत्रों में सिख महत्वपूर्ण मतदाता समूह हैं जो चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं। कनाडा में 2025 में चुनाव होने हैं जिनके चलते ट्रूडो को सभी प्रमुख समुदायों में अपना समर्थन आधार मजबूत करने की जरूरत है। वर्तमान सरकार के अल्पसंख्यक दर्जे को देखते हुए उनको गठबंधनों, जैसे एनडीपी के साथ गठबंधन पर जोर देना होगा। इसके साथ ही उनको समृद्ध आप्रवासी मतदाताओं में अपना आधार मजबूत करना होगा। इनमें सिखों का प्रभुत्व है।

जस्टिन ट्रूडो के वर्तमान राजनयिक कार्य इन समूहों के महत्वपूर्ण मुद्दों से स्वयं को जोड़ने तथा अपना समर्थन आधार बढ़ाने पर केन्द्रित हैं। ऐतिहासिक रूप से सिख समुदाय खासकर ट्रूडो के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी का समर्थन करता रहा है। उनकी कैबिनेट में अनेक लोग तथा हाईप्रोफाइल सिख नेता इसी समुदाय से आते हैं। इस प्रकार अगले चुनाव में सिखों का समर्थन प्राप्त करना लिबरल पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, कनाडा में रहने वाले सभी सिख खालिस्तान आंदोलन का समर्थन नहीं करते हैं, पर प्रभावशाली पैरोकारी समूह बनाने वाले लोगों ने कनाडा की राजनीति में इस मुद्दे को आगे बढ़ाया है। ट्रूडो का कामकाज मतदाताओं के इस हिस्से को प्रभावित करना है जिसे अपना वोटबैंक मजबूत करने के प्रयास की तरह देखा जा रहा है। भावी चुनाव के कारण उनकी सरकार पर भारी दबाव है। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रूडो की रणनीति स्वयं को कनाडाई संप्रभुता के रक्षक की तरह पेश करने की है। इस कदम से वे मतदाताओं में राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा वरीयता पर लाना चाहते हैं। यह पश्चिमी देशों द्वारा घरेलू राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप के मुद्दे को महत्व देने के भी अनुरूप है, हालांकि भारत ने कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इन आरोपों के बाद भारत-कनाडा संबंध बहुत खराब हो गए हैं कि भारतीय एजेंट कनाडा की धरती पर खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल थे। उनके अतिवादी राजनयिक कदम से दोनों देशों के संबंध बहुत खराब हो गए हैं। इसे वोटबैंक राजनीति तथा आगामी चुनावों को देखते हुए ट्रूडो पर घरेलू दबाव का परिणाम माना जा रहा है।

ना कहने की कला

> उत्पादकता, भलाई और पेशेवर अखंडता को बनाए रखने के लिए कुछ कार्यों या अनुरोधों को अस्वीकार करने की क्षमता भी उतनी ही आवश्यक है।

साक्षी सेठी
(लेखक शिक्षक हैं)

सीमाएँ निर्धारित करने से कर्मचारी उच्च-मूल्य वाले कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर पाते हैं और उनकी भलाई की रक्षा होती है। आधुनिक कार्यस्थल में, पेशेवरों से अक्सर कई तरह के कार्यों और जिम्मेदारियों को संभालने की अपेक्षा की जाती है, जिससे अभिभूत होना आसान हो जाता है। जबकि कई कर्मचारी अच्छे पक्ष में रहने या अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए हाँ-बॉस की मानसिकता अपनाते हैं, ना कहने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो सकती है। कुछ अनुरोधों को अस्वीकार करना सीखना, प्रतिनिधिमंडल के प्रभावी उपयोग के साथ, समय प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने और कार्यों को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से पूरा करने की कुंजी है। आज के तेज़-तर्रार और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी कार्य वातावरण को देखते हुए, ना कहना सीखना किसी भी पेशेवर के लिए सबसे मूल्यवान कौशल में से एक हो सकता है। जबकि कार्यस्थल अक्सर व्यक्ति को कर-सकने वाले रवैये के साथ पुरस्कृत करता है, लेकिन उत्पादकता, भलाई और पेशेवर अखंडता को बनाए रखने के लिए कुछ कार्यों या अनुरोधों को अस्वीकार करने की क्षमता भी उतनी ही आवश्यक है।

अक्सर असहयोगी के रूप में देखे जाने, सहकर्मियों के साथ संबंधों को नुकसान पहुँचाने या भविष्य के अवसरों को खोने का एक अंतर्निहित डर होता है। इसका परिणाम एक अतिभारित शेड्यूल है, जो उत्पादकता में कमी, खराब कार्य गुणवत्ता और यहाँ तक कि बर्नआउट का कारण बन सकता है। यह व्यक्ति और संगठन दोनों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, क्योंकि अत्यधिक काम के बोझ तले दबे कर्मचारियों को समय-सीमा को पूरा करने या घटिया काम करने में परेशानी हो सकती है। मना करने की क्षमता केवल अनुरोधों को अस्वीकार करने के बारे में नहीं है, बल्कि यह उन

सीमाओं को निर्धारित करने के बारे में है जो किसी के समय और ऊर्जा की रक्षा करती हैं, यह सुनिश्चित करती हैं कि सबसे महत्वपूर्ण कार्यों को वह ध्यान मिले जिसके वे हकदार हैं। अनावश्यक या कम प्राथमिकता वाले कार्यों को न कहने से पेशेवरों को उच्च-मूल्य वाले काम पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति मिलती है, जिससे बेहतर परिणाम मिलते हैं, संगठन में अधिक योगदान मिलता है और व्यक्तियों को अपनी मुख्य जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करने से रोकने में मदद मिलती है। इसके स्पष्ट लाभों के बावजूद, न कहना अक्सर कहने में आसान होता है, करने में नहीं। कई कर्मचारियों को सांस्कृतिक या संगठनात्मक दबावों के कारण कार्यों को अस्वीकार करना मुश्किल लगता है जो मददगार होने को जितना संभव हो उतना काम लेने के बराबर मानते हैं। कुछ को तो यह भी डर है कि न कहने से उन्हें मुश्किल या टीम के खिलाड़ी बनने के लिए अनिच्छुक करार दिया जा सकता है, जिससे पदोन्नति या अवसर छूट सकते हैं। इसके अलावा, व्यक्ति अक्सर न कहने में व्यक्तिगत बाधाओं से जूझते हैं। पूर्णतावाद, संघर्ष का डर या दूसरों को खुश करने की इच्छा सीमाएँ निर्धारित करना कठिन बना सकती है, जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारी यह चिंता करते हैं कि अतिरिक्त कार्यों को करने से मना करना उनकी अक्षमताओं या काम के प्रति समर्पण की कमी को दर्शाता है। लेकिन वास्तव में, कार्यस्थल पर मना करने से व्यक्ति और संगठन दोनों के लिए कई महत्वपूर्ण लाभ होते हैं। जब किसी कार्य को सीधे मना करना एक विकल्प नहीं होता है, तो प्रभावी प्रतिनिधिमंडल एक रचनात्मक विकल्प प्रदान कर सकता है क्योंकि यह काम को एक टीम में वितरित करने की अनुमति देता है, जो समग्र उत्पादकता को बढ़ा सकता है, आत्मविश्वास बनाने में मदद कर सकता है और टीम के भीतर स्वामित्व और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दे सकता है। यह रणनीतिक कार्यों और उच्च प्राथमिकता वाली जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करने में भी मदद करता है, जिन पर उनका ध्यान देने की आवश्यकता होती है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि व्यक्तियों की क्षमताओं में विश्वास प्रदर्शित करता है, जो टीम के मनोबल को बेहतर बना सकता है और अधिक सहयोगी कार्य वातावरण को प्रोत्साहित कर सकता है।

हालाँकि, मना करना और प्रभावी ढंग से काम सौंपना कार्यस्थल में सफलता के लिए दो महत्वपूर्ण कौशल हैं। मना करना सबसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए समय और ऊर्जा की रक्षा करने में मदद करता है, जबकि प्रतिनिधिमंडल नेताओं को काम को अधिक प्रभावी ढंग से वितरित करने और दूसरों को सशक्त बनाने की अनुमति देता है। मना करने और काम सौंपने की कला में महारत हासिल करके, पेशेवर न केवल अपने कार्यभार का प्रबंधन कर सकते हैं, बल्कि एक अधिक कुशल और सशक्त टीम को भी बढ़ावा दे सकते हैं।

आप की बात

आयुष्मान भारत योजना

आयुष्मान भारत योजना से बड़ी संख्या में लोग इलाज का लाभ उठा रहे हैं। बायोमीट्रिक पहचान के जरिए सही लोग इसका लाभ उठा रहे हैं। मगर कुछ हॉस्पिटल इस योजना में गलत तरीके से फायदा उठाने से बाज नहीं आ रहे हैं। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक-कैग ने ऐसे 24 अस्पताल चिन्हित किए हैं जिन्होंने अपनी क्षमता से अधिक मरीजों की भर्ती बताकर सरकार से भुगतान प्राप्त किया है। इसके अलावा आयुष्मान योजना में इलाज पूर्णत: निशुल्क होने के बावजूद भी कुछ हॉस्पिटल मरीजों के परिवारों से दवाइयां व जांच व अन्य सामग्री के पैसे लेते हैं। यह सरासर बेइमानी है जिसका कारण इस योजना से लाभ उठाने वाले अधिकांश लोगों को पूरी जानकारी का अभाव है। इसके साथ ही शिकायतें मिली हैं कि आयुष्मान योजना के लाभार्थियों के प्रति हॉस्पिटल के स्टाफ और डॉक्टर उचित व्यवहार नहीं करते हैं। इससे मरीजों को अपमान झेलना पड़ता है। कई हॉस्पिटल तो आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज करने से मना कर देते हैं। आयुष्मान भारत योजना के लक्ष्यों को विफल करने वाले अस्पतालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के साथ इस योजना के लाभ सभी जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। इससे जनता को पूरा लाभ आसानी से मिलेगा।

-सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम

चंद्रबाबू नायडू की राय

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू उस सरकार का हिस्सा हैं जिसके अनेक नेता पिछले काफी समय से जनसंख्या नियंत्रण नीतियां लागू करने की मांग कर रहे हैं। कुछ भाजपा सदस्यों ने दो बच्चों की नीति पर जोर दिया है। मगर चंद्रबाबू नायडू ठीक इसके विपरीत जाते हुए अपने राज्य में ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों को प्रोत्साहित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में बुढ़ाते लोगों की संख्या चिंता का विषय है। राज्य सरकार इसे प्रोत्साहित करने के लिए कानून बनाएगी। नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश के कई जिले ऐसे हैं जहां गांवों में सिर्फ बुजुर्ग ही बचे हैं। दक्षिण भारत के राज्यों में प्रजनन दर लगातार गिरती जा रही है। देश में जहां औसत प्रजनन दर जहां 2.1 है, वहीं दक्षिण भारतीय राज्यों में यह गिर कर 1.6 तक पहुंच गई है। हालांकि, केंद्र की यूथ इन इंडिया-2022 रिपोर्ट के अनुसार 2036 तक देश की 34.55 करोड़ आबादी ही युवा होगी जो अभी 47 प्रतिशत से ज्यादा है। अभी देश में 25 करोड़ युवा 15 से 25 साल के बीच के हैं, लेकिन अगले 15 साल में यह संख्या और तेजी से गिरेगी। हालांकि, चंद्रबाबू नायडू की चिन्ता दक्षिण भारत के लिए तो ठीक है, पर यही बात बिहार व उत्तर प्रदेश पर लागू नहीं होती है।

- जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

चुनावी राजनीति

चुनावों की घोषणा होते ही मतदाताओं को लुभाने, भरमाने या भड़काने की होड़ मच जाती है। महाराष्ट्र और झारखंड में प्रमुख दो गठबंधन चुनाव मैदान में हैं तथा मतदाताओं को रिझाने के लिए लुभावनी घोषणायें कर रहे हैं। लेकिन जाति और धर्म के मुद्दे को उठाकर राजनीति करने वाले दलों के लिए विजय पथ अधिक पथरीला हो गया है क्योंकि जनता अब खोखले नारों की असलियत समझने का प्रयास कर रही है। मुस्लिमों को भाजपा का भय दिखाकर और भाजपा को उनका स्थाई दुश्मन बताने वाली कांग्रेस व उसके गठबंधन के साथियों के विरुद्ध मुस्लिमों के मन में लगातार बढ़ता संदेह यही सिद्ध करता है। अनेक प्रकार के मुल्ला-मौलवी सोशल मीडिया पर मुसलमानों को भाजपा के खिलाफ भड़काने वाली बातें करते हैं। इनमें से अधिकांश कांग्रेस या उसके सहयोगियों के बजाय छोटी मुस्लिम पार्टियों के समर्थक हैं। इनकी भड़काऊ बातें कई बार कानून और संविधान की सीमायें तोड़ती नजर आती हैं, लेकिन विडंबना है कि ऐसे तत्वों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। समय आ गया है कि सिर तन से जुदा जैसे नारे लगाने वालों के खिलाफ तत्काल और प्रभावी कार्रवाई हर स्तर पर सुनिश्चित की जाए।

- सुधाकर आशावादी, मेरठ

सोने के दाम

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में सोने पर 6 प्रतिशत ड्यूटी घटाकर जो राहत और खुशी महिलाओं दी थी वो कुछ माह में ही गुम हो गई। ड्यूटी घटाने पर सोना 3000 रुपये प्रति 10 ग्राम कम होकर करीब 68800 हो गया था किन्तु अब तो वह 79000 पार हो गया। कहते हैं सोना जितना तपता है उतना ही निखरता है। लेकिन बढ़ती कीमतों ने तो उल्टे उसके खरीदारों को ही तपा दिया। धनतेरस तक तो इसके दाम और बढ़ने की आशंका बनी हुई है। निर्मला जी ने सोना सस्ता कर महिलाओं का जितना दिल जीता था आज उतना ही महंगा होने से सोना नारियों के लिए अब दिलजला होता जा रहा है। सरकार को घरेलू बाजार में सोने के दाम कम करने के उपाय करने चाहिए। शायद ड्यूटी और घटाने पर विचार हो सकता है। सोने के दामों से उसके खरीदारों के साथ ही लाखों छोटे-बड़े कारीगरों की किस्मत भी जुड़ी है। यह देखना भी जरूरी हो गया है कि बड़ी-बड़ी कंपनियों के लिए काम करने वाले कारीगरों की जिंदगी में कितनी चमक आई है।

-शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

दुर्घटना में बाइक सवार तीन युवकों की मौत

● जन्मदिन पार्टी में शामिल होने जाने की बात कह कर घर से निकले थे तीनो ●एक ही जगह खड्ड में पड़ी मिली दो बाइकें और तीनों युवकों के शव

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के बहाई गांव के समीप दो पल्सर बाइकों पर सवार तीन युवकों की मार्ग दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गयी। रविवार की देर रात हादसा होने की तुरन्त जानकारी नहीं हो सकी। हादसा मोटर साइकिलें इतनी तेज टकरायी कि बिजली का पोल क्षतिग्रस्त हो गया। सरेनी थाना क्षेत्र के पूरे उसरहा (पूरे चंद्रशेखर), बेनीमाधवगंज व सागरखेड़ा गांव के रहने वाले यह युवक थे। जिसमें एक मल्केगांव पोस्ट आफिस में पोस्टमास्टर के पद पर कार्यरत था। जानकारी के अनुसार तीनो किसी मित्र के यहां जन्मदिन पार्टी में शामिल होने जाने की बात कह कर घर से निकले थे। बहाई गांव के ग्रामीण भोर में जब अपने खेतों की तरफ गये तो तीनों युवकों के शव व क्षतिग्रस्त मोटर साइकिलें देख दंग रह गये और पुलिस को सूचना दी। सरेनी थाना क्षेत्र के पूरे उसरहा ;पूरेचंद्रशेखरद्ध मजरे गोपाली खेड़ा गांव निवासी अभिषेक उर्फ गोपाल मिश्रा व उसका चचेरा भाई शिवेंद्र मिश्रा व बेनी माधवगंज निवासी प्रशांत बाजपेई दो अलग.अलग एक ही रंग की नई बाइकों से शाम करीब सात बजे घर से निकले थे। देर रात बहाई गांव के निकट उनकी बाइकें सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बिजली का पोल टूट कर गिर गया और दोनों बाइकों का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद दोनों बाइकों पर सवार युवक बाइक समेत खड्ड में जा गिरे। सूचना पर पुलिस उन्हें बाहर निकलवाया और उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने परीक्षण के बाद तीनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। तीनों नौजवानों की मौत से क्षेत्र में हाहाकार मच गया। परिवारीजनों का रो.रो कर बुरा हाल बना हुआ है।

जन समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करें अधिकारी: प्रभारी मंत्री

अमेठी। राज्यमंत्री खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग उप्र शासन/ जनपद मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ शासन के विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों, राजस्व कार्यों एवं कानून व्यवस्था को लेकर समीक्षा किया एवं संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। संसदीय कार्य चिकित्सा शिक्षा चिकित्सा स्वास्थ्य परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग उप्र मयंकेश्वर शरण सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, सदस्य विधान परिषद शैलेंद्र प्रताप सिंह, विधायक गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह, विधायक जगदीशपुर सुरेश पासी, डीएम निशा अनंत, पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह, सीडीओ सूरज पटेल, जिलाध्यक्ष भाजपा राम प्रसाद मिश्र सहित अन्य उपस्थित रहे। पूर्व प्रभारी मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत माह अप्रैल से 20 सितंबर तक सबसे ज्यादा प्रसव कराने वाली तीन एएनएम मुंद्रा देवी उपकेंद्र ककवा 205 प्रसव, शांति देवी उपकेंद्र कोरारी 180 प्रसव तथा उर्मिला उपकेंद्र किशनी 151 प्रसव कराए जाने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रभारी मंत्री ने यूपी नेडा के अन्तर्गत सोलर रूफटॉप की प्रगति, उद्यान विभाग में संचालित योजनाओं की समीक्षा, विद्युत विभाग के अंतर्गत शासन की मंशा के अनुरूप विद्युत आपूर्ति की स्थिति, खराब ट्रांसफार्मर के बदलने की स्थिति, लाइन लॉस के प्रकरण तथा विजिलेंस टीम द्वारा उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशान करने की शिकायतों की समीक्षा, नई सड़कों का निर्माण, गड्ढा मुक्ति, सिंचाई पंप की आपूर्ति, पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम फसल बीमा योजना, निराश्रित गोवंश के संरक्षण एवं भरण पोषण की स्थिति, सीएम सहभागिता योजना, स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर, एंबुलेंस, टीकाकरण की स्थिति, पंचायत भवन, सामु. शौचालयों के निर्माण एवं संचालन की स्थिति, शादी अनुदान योजना, निस्तारण की स्थिति सहित अन्य कार्यों की गहन समीक्षा किया।

पुलिस ने 3 को किया गिरफ्तार, मूर्ति सहित 14 हजार बरामद

● अपने ही घर में चोरी दोस्त के साथ सोनार को 1 लाख 3 हजार में बेचा सामग्री

जानकारी देते पुलिस अधीक्षक।

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता के मार्गदर्शन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अजीत चौहान के निकट पर्यवेक्षण में संतकबीरनगर में अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद सतीश कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा मुअसं 799/2024 धारा 303(2), 317(5), 317(2) बीएनएस थाना कोतवाली खलीलाबाद से संबंधित 03 नफर अभियुक्तगण आशुतोष जैन उर्फ तारण पुत्र अनन्त कुमार जैन निवासी बंजरिया पुर्वी नगर पालिका कोतवाली खलीलाबाद, हर्षित गुप्ता पुत्र राजेश गुप्ता निवासी विधियानी चौराहा थाना कोतवाली खलीलाबाद, अजय वर्मा पुत्र स्व. ध्रुवलाल वर्मा निवासी नेदुला चौराहा थाना कोतवाली खलीलाबाद को 01 अदद मुर्ति पीली धातु, 01 अदद लोटिया, 01 अदद चम्मच सफेद धातु की व नगद 14 हजार रुपये के साथ सोमवार को विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया गया। आशुतोष जैन उपरोक्त द्वारा बताया गया कि गत 25, सितम्बर, 2024 की रात मे मेरे द्वारा अपने घर के मन्दिर से चन्द्राप्रभू की मूर्ति की साज सज्जा की सामाग्री चादीं का सिंहासन, छत्तर, पट्टी, गोला व लोटिया तथा चम्मच चुराया गया था तथा गत 15, अक्टूबर, 2024 को मेरे द्वारा अपने घर के मन्दिर में स्थित भगवान चन्द्राप्रभू की मूर्ति चुराया गया था, जिसे मैने अपने दोस्त हर्षित को बेचने के लिये दिया था। अभि0 हर्षित गुप्ता ने बताया कि गत 26, सितम्बर, 2024 को आशुतोष जैन ने अपने घर में चोरी करके मुझे चन्द्राप्रभू की मूर्ति की साज सज्जा की सामाग्री चांदी का सिहांसन, छत्तरी, पट्टी, गोला व लुटिया तथा चम्मच बेचा था, जिसे मैने नेदूला चौराहे पर स्थित बाला जी ज्वैलर्स नाम के दुकानदार अजय वर्मा पुत्र स्व0 ध्रुवलाल वर्मा निवासी नेदुला चौराहा थाना कोतवाली खलीलाबाद को बेचा था।

जनसामान्य को दी जाएं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं: नेहा शर्मा

गोंडा। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत चलाए जा रहे कार्यक्रमों की समीक्षा की गयी। प्रस्तावित एजेंडा के आधार पर यूपीएचएमआईएस हेल्थ डैशबोर्ड, मातृ स्वास्थ्य, बाल स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, कम्युनिटी प्रोसेस, राष्ट्रीय कार्यक्रम नान कम्युनिकेबल डिजीज, एनसीडी, एनबीसीपी, आरएनटीसीपी, पीएमएमवीवाई, नियमित टीकाकरण, वैक्सीनेशन, जननी सुरक्षा व मातृ वंदना योजना के तहत भुगतान की स्थिति, आशा इन्सेन्टिव, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी, ओपीडी व आईपीडी की स्थिति, प्राथामिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा सीएचसी पर बेडों की ऑक्यूपेंसी की स्थिति सहित अन्य योजनाओं की जिलाधिकारी द्वारा गहन समीक्षा की गई। वहीं जिला स्वास्थ समिति की समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं की समीक्षा की गई। इसके साथ ही बैठक में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत सितम्बर, 2024 का भ्रमण की समीक्षा की गई। एनआरसी में भर्ती बच्चों, आरसीएच पोर्टल फीडिंग के स्टेटस, एनपीसीडीसीएस, राष्ट्रीय कुष्ठ नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय अंधता एवं दृष्टिक्षीणता नियंत्रण कार्यक्रम आदि सभी की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि समय से कार्य कराना सुनिश्चित करें। डीएम द्वारा सभी सीएचसी अधीक्षकों को कड़े निर्देश दिये गये कि अपने अपने सीएचसी पर साफ- सफाई पर विशेष ध्यान दें। जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के सभी सीएससी अधीक्षकों से स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं की योजनावार समीक्षा की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी सीएससी अधीक्षक को निर्देश दिए हैं कि सभी योजनाओं के कार्य समय से पूर्ण कराया जाय तथा समय-समय पर अपने अधीनस्थ कर्मचारियों से योजनावार समीक्षा भी की जाय।

प्रभारी मंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कान्हा गौशाला प्राथमिक विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्र का किया स्थलीय निरीक्षण

अमेठी। राज्य मंत्री खाद एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश/जनपद प्रभारी मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने आज अपने एक दिवसीय जनपद भ्रमण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमेठीए कान्हा गौशाला अमेठीए ग्राम पंचायत भरथी लोनियापुर में प्राथमिक विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्र तथा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्टेडियम अमेठी में निर्माणाधीन कबड्डी हाल व जिम का स्थलीय निरीक्षण किया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सर्वप्रथम प्रभारी मंत्री ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमेठी का निरीक्षण किया यहां पर उन्होंने एक्सरे रूम, नेत्र परीक्षण कक्ष, डिस्पेंसरी सहित अन्य वार्डों का निरीक्षण किया तथा अस्पताल में भर्ती मरीजों को फ्रूट वितरित किया एवं उनसे स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने प्रधानमंत्री आयुष्मान केंद्र का भी निरीक्षण किया तथा उपस्थित चिकित्सकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए एवं कहा कि मरीजों का बेहतर उपचार किया जाए। इसके उपरांत प्रभारी मंत्री ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में निर्माणाधीन कबड्डी हाल व जिम का निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा बैडमिंटन हाल में कबड्डी व फुटबॉल प्रतियोगिता में चैंपियन बच्चों को ट्रॉफी व स्पोर्ट किट का वितरण किया। कान्हा गौशाला का निरीक्षण किया यहां पर उन्होंने निराश्रित गोवंशों को पकड़ने के लिए कैटल कैचर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा गौशाला में मौजूद गोवंशों को गुड़ व केला खिलाया वहीं पर प्रभारी मंत्री ने मुख्यमंत्री सहभागिता योजना अंतर्गत एक लाभार्थी को गाय देकर अच्छादित किया एवं संबंधित अधिकारियों से गौशाला में पर्याप्त मात्रा में हरा चाराए भूसाए पशु आहार, स्वच्छ पेयजल, गोवंशों की ईयरटैगिंगए चिकित्सीय उपचार सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

20 हजार नए सदस्यों को भाजपा की सदस्यता दिलाई: राज्य मंत्री दिनेश

रायबरेली। राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के द्वारा शुरू किए गए मोबाइल माध्यम से सदस्यता अभियान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उनजे द्वारा 20 हजार नए सदस्यों को भाजपा की सदस्यता दिलाई गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी के द्वारा उन्हें 10000 से अधिक सक्रिय सदस्य बनाने का निर्देश मिला था। जिनके क्रम में उन्होंने 5 दिन में 15000 सदस्य बनाए थे। जिला अध्यक्ष के निर्देश पर हमने सबके सहयोग से लगभग 20000 से अधिक सक्रिय सदस्य अपने द्वारा बनाए हैं। वहीं मेरे भाई के द्वारा 11000 सदस्य और मेरे बेटे के द्वारा 6000 से अधिक सदस्य बनाए गए। इस प्रकार मेरे परिवार द्वारा 37000 से अधिक सक्रिय सदस्य बनाकर हमारे परिवार ने भाजपा के साथ जोड़ा है। इसके लिए मैं भाजपा के जिला अध्यक्ष बुद्धिलाल पासी सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं।

उन्होंने कहा कि नौ विधानसभा में जो उपचुनाव हो रहे हैं उसमें पार्टी के कार्यकर्ता पहले से ही सक्रिय हैं जो भी आएगा जो भी लड़ेगा भारतीय जनता पार्टी के सामने चित हो जाएगा। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जो अलग-अलग विचारधारा की पार्टी हैं। विचारधारा में समानता ना होने कारण इनका गठबंधन लंबे समय तक नहीं चल सकता। यूपी में कई बार गठबंधन हुए हैं। सब अपने स्वार्थ के लिए राजनीति करते हैं। रायबरेली जब में भी लोकसभा चुनाव होते हैं वह गाड़ी में झंडा लगा देते हैं जैसे चुनाव खत्म होते हैं झंडा हट जाता है आपस में डंडा लेकर एलाइंस वाले लाठी चलाने लगते हैं।

प्रियंका गांधी पर की गई टिप्पणी को लेकर दिनेश प्रताप सिंह ने पुरानी बात को दोहराते हुए कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस प्रदर्शन का कोई कारण है। प्रदर्शन जो कर रहे थे वह अपने आप को हाईलाइट करने के लिए कर रहे थे। तीन या चार बार प्रदर्शन हुआ उसमें 6 से अधिक आदमी प्रदर्शन में शामिल नहीं थे। हम इससे प्रियंका गांधी की लोकप्रियता का पता लगा सकते हैं। मुझे नहीं लगता मैंने कुछ गलत कहा था। प्रियंका गांधी खुद सार्वजनिक मंच पर कहती रहती हैं कि मैं बुजुर्ग हो चुकी हूं। मैंने उनको बुजुर्ग कह दिया मैंने कोई गलती नही की है। रायबरेली होने का नाते मेरा धर्म कर्तव्य बनता है सामाजिक सेवा में जो आदमी सक्रिय हो वह रायबरेली छोड़कर भागने लग जाए तो हम पूछेंगे जरूर। अगर प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश में आई लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा दिया। अगर नहीं लड़े बिना लड़े भाग गई तो सवाल तो उठेगा ही उठेगा। प्रियंका गांधी ने लुटियंस जोन्स में जन्म लिया वहां से चुनाव नहीं लड़ा, मुरादाबाद में अपनी ससुराल से चुनाव नहीं लड़ा। जो व्यक्ति जहां रहता है राजनीति की शुरूआत वहीं से करता है। अब वह केरल के वायनाड से जाकर चुनाव लड़ रही हैं। मेरा सवाल राजनीतिक था उसका जवाब देना चाहिए था।

क्विक न्यूज

सर्राफा व्यवसायी के बेटे की हत्या के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दो दिन पूर्व हत्या किये जा की पुष्टि

ऊंचाहार। सर्राफा व्यवसायी के बेटे की हत्या के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दो दिन पूर्व हत्या किये जा की पुष्टि हुई है ,और साथ ही साथ एक दर्जन से अधिक चोटों के निशान मिले हैं। गौरतलब है कि मदारीगंज गाँव निवासी सर्राफ व्यवसायी राकेश कौशल के बेटा शोभित कौशल शुक्रवार को हत्यारोपी धर्मेंद्र को बिठाकर गया था और वापस लौटकर नहीं आया, जिसके बाद शोभित का शव शनिवार को प्रतापगढ़ जिले में नहर की झाड़ियों में पड़ा हुआ पाया गया था, रविवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा था। कोतवाल सजंय कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शुक्रवार को ही शोभित की हत्या किये जाने की बात सामने आई है और उसके शरीर पर 14 जगह गम्भीर चोटों के निशान मिले हैं।

विशालकाय अजगर मवेशी को निगलने का प्रयास

ऊंचाहार। गाँव के पास अजगर एक मवेशी को निगलने का प्रयास कर रहा था, इसी दौरान ग्रामीणों के पहुंचने पर वो जंगल की तरफचला गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया वायरल हुआ है। मामला नगर से जुड़े छोटे मियां मजरे ऊंचाहार देहात गाँव का है, जहाँ सोमवार की दोपहर गाँव के पास झाड़ियों में एक विशालकाय अजगर मवेशी को निगलने का प्रयास कर रहा था, ग्रामीणों की नजर उस पर पड़ी तो उन लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया, जिसके बाद अजगर जंगल की तरफचला गया, अजगर दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है।

कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़, कार्यकर्ताओं का सम्मान मेरा सम्मान: शर्मा

गौरीगंज, अमेठी। भाजपा कार्यालय पर जिला अध्यक्ष राम प्रसाद मिश्रा की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित हुई जिसमें जनपद के प्रभारी मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए बैठक में जनपद के सभी जनपद निधि एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। प्रभारी मंत्री सतीश शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा भारतीय जनता पार्टी की कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होता है इसके मान सम्मान के लिए पार्टी हमेशा तत्पर रहती है और प्रभारी मंत्री होने के नाते कार्यकर्ताओं का सम्मान मेरे लिए सर्वोपरि है भूतों पर कार्यकर्ता ही मेहनत और परिश्रम करके भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करता है और विजय दिलाता है और आज गांव.गांव घर.घर सदस्यता कर रहा है आगे अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है हम सभी लोग 2024 में विपक्ष की झूठ फरेब और झूठ और छलावे वादों के झांसे में आ गई थी और अमेठी हम हार गए आगे आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर के विपक्ष के झूठ और छलावे को मुंहतोड़ जवाब देना है और पूर्ण बहुमत की सरकार फिर से योगी आदित्यनाथ जी की 2027 में बनाना है प्रभारी मंत्री ने सरकार की उपलब्धियां का गुणगान करते हुए आम जनमानस को जागरूक करना है।

हार जीत की बाजी लगाते दो जुआड़ी पकड़े

जालौन (उरई)। हार जीत की बाजी लगाते हुए छिरिया मलकपुरा चौकी पुलिस ने दो व्यक्तियों को पकड़ा है। जिनके पास से पुलिस ने लगभग 17 हजार रुपये व दो बाइक बरामद की हैं। छिरिया मलकपुरा चौकी प्रभारी राजकुमार पांडेय को सूचना मिली कि सुढार सालाबाद में मंदिर के पास कुछ लोग हार जीत की बाजी लगा रहे हैं। पुलिस को देखते ही कुछ जुआरी मौके से भाग निकले। जबकि पुलिस ने मौके से सुमित कुमार व आकाश को दबोच लिया। जिनके पास से पुलिस ने ताश की गड्डी समेत लगभग 17 हजार रुपये नकद बरामद किए। इसके अलावा पुलिस ने मौके से दो बाइक भी बरामद की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रंजिशन युवक के साथ तीन लोगों ने की मारपीट

जालौन (उरई)। रंजिश के चलते तीन लोगों ने युवक के साथ की मारपीट। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लौना निवासी चरण सिंह ने पुलिस को बताया कि उनके गांव के ही सीताराम उससे रंजिश मानते हैं। अक्सर विवाद करते रहते हैं। सोमवार की सुबह वह घर के बाहर काम कर रहा था। तभी सीताराम व उनके साथी टिंकू व बॉबी आ गए और गाली, गलौज करने लगे। मना करने पर मारपीट कर दी। शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी है।

दरवाजे पर खडी बाइक ले उड़े चोर

जगदीशपुर, अमेठी। बीती रात अज्ञात चोर दरवाजे पर खडी बाइक लेकर फरार हो गए सुबह भुक्तभोगी ने तहरीर देकर कार्यवाई की मांग किया। कमरौली थानाक्षेत्र के अंतर्गत लपकना मजरे डुढेहरी गांव निवासी मनीष मौर्य ने पुलिस को तहरीर के माध्यम से अवगत कराया कि मैं रिश्तेदार की बाइक चलाने हेतु लाया था जो बीती रात दरवाजे पर खडी करके सोने चला गया सुबह उठने पर बाइक नदारद मिलने पर आसपास खोजबीन की लेकिन कुछ अता.पता नहीं चला।

इंटरलाकिंग निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का प्रयोग

जगदीशपुर अमेठी। इंटरलाकिंग निर्माण कार्य हेतु दोनो किनारों पर जुडाई करने के लिए पीली ईंटों व घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है जो टिकाऊ ना होकर कुछ दिनों बाद ही क्षतिग्रस्त हो सकता है जिम्मेदार विभागीय अधिकारी बेखबर हैं। विकास खंड के अन्तर्गत स्थित ग्राम पंचायत मरौंचा तेतारपुर के पूरे लाला गांव के निकट इंटरलाकिंग निर्माण कार्य के लिए सड़क के दोनो किनारों पर चल रहे चुनाई कार्य मे पीली ईंटों का प्रयोग करके घटिया मसाले से जुड़ाई जारी है ग्रामीणो ने बताया कि मानक के विपरीत कराए जा रहे कार्य से कुछ दिनों बाद ही सड़क क्षतिग्रस्त हो सकती है तथा विभागीय अधिकारीगणों से मामले की जांच पड़ताल कर मानक के अनुरूप कार्य कराने की मांग किया इस संबंध में जब खंड विकास अधिकारी से दूरभाष द्वारा बात करने की कोशिश की गई तो उन्होने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा ।

मुख्यमंत्री के जीरो पॉवर्टी संकल्प पर में आयोजित होगा वनटांगिया महोत्सव 2.0

● वनटांगिया समुदाय के साथ त्योहार की खुशियां बांटना महोत्सव का उद्देश्य: डीएम

गोंडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीरो पॉवर्टी विजन के तहत इस वर्ष गोंडा जिला प्रशासन द्वारा वनटांगिया महोत्सव 2.0 के रूप में महेशपुर और रामगढ़ गांवों के वनटांगिया समुदाय के परिवारों को दीपावली का विशेष तोहफा प्रदान किया जाएगा। 27 अक्टूबर को आयोजित इस महोत्सव का उद्देश्य वनटांगिया समुदाय के लोगों को न केवल त्योहार की खुशियां बांटना है, बल्कि उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाना और गरीबी उन्मूलन की दिशा में ठोस कदम उठाना है। यह जानकारी जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने देते हुए बताया कि इस आयोजन के माध्यम से जनपद में स्वच्छ त्योहार की एक नई पद्धति विकसित करने की दिशा में अनूठी पहल की गई है। डीएम ने बताया कि वनटांगिया महोत्सव 2.0 के तहत महेशपुर और रामगढ़ के सभी परिवारों को दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुएं, कपड़े और अन्य आवश्यक सामग्री उपहार के रूप में दी जाएगी। मुख्यमंत्री के जीरो पॉवर्टी विजन के अनुरूप, यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने और गरीबी उन्मूलन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देना है, ताकि वे अपनी आर्थिक स्थिति को सुधार सकें और दीपावली को सम्मान और खुशी के साथ मना सकें। डीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि महोत्सव की सभी गतिविधियां सुचारू रूप से संपन्न हों और इसका लाभ हर गांववासी को मिले।

24 और 25 अक्टूबर को विशेष स्वच्छता अभियान और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी किया जाएगा। इसके अंतर्गत गांववासियों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाएगा। स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और साफ-सफाई के महत्व को समझाते हुए, इस अभियान का उद्देश्य लोगों के जीवन स्तर में सुधार और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना है। महोत्सव के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

खरीद केंद्र पर धान बेंचने आये किसान का माला पहनाकर किया सम्मानित

● बीस दिन बाद शुरू हो सकी धान की खरीद

धान विक्रय करने आये किसान को सम्मानित करते क्रय केंद्र प्रभारी।

जालौन (उरई)। नवीन गल्ला मंडी में खोले गए धान खरीद केंद्र पर 20 दिन बाद धान की खरीद शुरू हुई। केंद्र पर आने वाले किसान को माला पहनाकर सम्मानित किया गया। नवीन गल्ल मंडी परिसर में धान की खरीद के लिए सरकारी धान खरीद केंद्र खोला गया है। धान खरीद केंद्र पर 20 दिनों से सन्नाटा पसरा हुआ था। लेकिन सोमवार से केंद्र पर धान की खरीद शुरू हुई। सोमवार को क्षेत्रीय ग्राम चाकी निवासी इसरार अहमद ट्रैक्टर की ठिलिया में धान लेकर सरकारी धान खरीद केंद्र पर पहुंचे।

किसान के धान खरीद केंद्र पर पहुंचने पर जिला खाद्य विपणन अधिकारी गोविंद उपाध्याय, एसडीएम विनय मौर्य, मंडी सचिव वीरेंद्र कुमार ने फूल मालाएं पहनाकर किसान का स्वागत किया। इसके बाद उसके धान की तौलाई शुरू की गई। किसान से साढ़े 14 क्विंटल धान खरीदा गया।

इस दौरान एसडीएम ने किसान पर धान की बिक्री के किसी भी प्रकार की परेशानी अथवा अन्य कोई असुविधा के बाबत जानकारी ली। जिस पर किसान संतुष्ट होने की बात कही। केंद्र प्रभारी अवनींद्र कुमार ने बताया कि सोमवार को एक किसान केंद्र पर पहुंचा है। जिससे धान की खरीद की गई है। पहले बार साढ़े 14 क्विंटल कॉमन धान 2300 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर खरीदा गया है। किसान अपना धान लेकर केंद्र पर पहुंचे। उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। सरकार द्वारा निर्धारित दर पर ही उनका धान खरीदा जाएगा।

रिटायर्ड फौजी की गुंडागर्दी: सुरक्षा कर्मी के पद पर है तैनात, तीमारदारों को धमकाया

रायबरेली। रायबरेली के जिला अस्पताल में रिटायर्ड फौजियों की गुंडागर्दी आए दिन सुर्खियों में रहती है रायबरेली जिला अस्पताल में सुरक्षा कर्मी के पद पर तैनात रिटायर्ड फौजी इन दिनों व्यवहार ठीक नहीं रहता लगातार जिसके कारण आए दिन सुर्खियों में बने रहते हैं ऐसे वीडियो कई बार सोशल मीडिया पर फोटो वायरल हो भी चुकी है सरकारी अस्पतालों में रिटायर्ड फौजी की गुंडागर्दी: सुरक्षा कर्मी के पद पर है तैनात, मरीज के साथ आए तीमारदारों को अभद्र व्यवहार अभद्रता करने पर उतारू रहते हैं इनको नहीं किसी की सुनाई है केवल करनी है अपने मन की मर्जी जो रिटायर्ड फौजी है इस बात को रहता है इनको गुरुर मेरा क्या कोई बिगाड़ लेगा हम ठहरे फौजी जो जहां जाना हो हमारी शिकायत जहां कर पाव कर लो हम फौजी हैं इस प्रकार भाषा शैली में बात आए दिन जिला अस्पताल में अपना गुंडागर्दी रवैया बना कर रख लिए हैं।

ऐसा ही आज रवैया फिर एक बार रायबरेली के जिला अस्पताल में देखने को मिला जहां पर रायबरेली के जिला **अस्पतालों में रिटायर्ड फौजी की गुंडागर्दी:** सुरक्षा कर्मी के पद पर है तैनात, मरीज के साथ आए तीमारदारों को धमकाया। रायबरेली के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने रिटायर्ड फौजियों की तैनाती की है। इसका मकसद अस्पतालों में हो रहे दुर्व्यवहार को रोकना था। लेकिन रायबरेली के जिला पुरुष अस्पताल और महिला अस्पताल में स्थिति अलग दिखाई दे रही है। महिला अस्पताल में एक घटना सामने आई है। जहां एक रिटायर्ड फौजी गार्ड ने अभद्रता की। बताया जा रहा है कि एक महिला (प्रीति) को प्रसव के लिए जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसके साथ आशा बहू और परिवार के लोग भी थे।

पुलिस स्मृति दिवस पर एसपी ने अमर शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता। संतकबीरनगर

श्रद्धांजलि देते पुलिस अधीक्षक।

पुलिस स्मृति दिवस 21, अक्टूबर, 1959 का दिन था। लद्दाख के हॉट-स्प्रिंग के पास सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) की पेट्रोलिंग पार्टी के तीन ऑफिसर्स को भारत-तिब्बत बॉर्डर पर चीनी सैनिकों ने अपनी हिरासत में ले लिया, अगले दिन जब उनकी तलाश में सीआरपीएफ की टीमें गई तो उन पर पहले से घात लगाकर बैठे चीनी सैनिकों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। सीआरपीएफ के जवानों ने भी उस हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया लेकिन उस अचानक हुए हमले में सीआरपीएफ के 10 जवान शहीद हो गए तथा सात अन्य जवान घायल हो गए, उसी दिन से उन 10 वीर सीआरपीएफ जवानों की शहादत को याद करते हुए प्रत्येक वर्ष संपूर्ण भारतवर्ष में 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। जनवरी 1960 में भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस महानिरीक्षकों की वार्षिक बैठक में लिए गए निर्णय के बाद से प्रत्येक वर्ष ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले और लद्दाख में शहीद हुए वीर पुलिसकर्मियों के बलिदान के सम्मान में हर वर्ष 21 अक्टूबर को (पुलिस स्मृति दिवस) नेशनल पुलिस डे मनाया जाता है। उपरोक्त परिपेक्ष में प्रत्येक वर्ष की भाँति सोमवार को पुलिस स्मृति दिवस-2024 पर पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में प्रतीकात्मक शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर कर्तव्यपथ पर अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले शहीद पुलिस कर्मियों को भावभीनी श्रद्धान्जलि अर्पित कर सलामी दी गयी। इस दौरान उपस्थित सभी पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगणो को पुलिस अधीक्षक द्वारा वर्ष 2023-2024 (एक वर्ष) में अपने कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुये उत्तर प्रदेश पुलिस के जवानों की शहादत के विषय में अवगत कराया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अजीत चौहान, क्षेत्राधिकारी धनघटा अजय सिंह क्षेत्राधिकारी मेंहदावल केशवनाथ, प्रशिक्षणाधीन पुलिस उपाधीक्षक प्रियम राजशेर पाण्डेय, प्रभारी रिजर्व पुलिस लाइन रामेश्वर यादव, पीआरओ पुलिस अधीक्षक इन्द्रभूषण सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

गणित के सवाल नहीं हल कर सके बच्चे, सीडीओ ने बीईओ से मांगा स्पष्टीकरण

● शिक्षक बनकर पहुंचे सीडीओ, बच्चों ने नहीं दिया गणित के प्रश्नों का जवाब तो टीचर पर हो गया एक्शन

● दो शिक्षिकाओं को प्रतिकूल प्रविष्टि, अग्रिम आदेशों तक वेतन बाधित, नोटिस जारी

लखीमपुर खीरी। सीडीओ अभिषेक कुमार ने सोमवार को बीआरसी परिसर छाउछ में संचालित संविलियन विद्यालय छाउछ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सीडीओ ने बच्चों से गणित के सवाल हल कराएए मगर वह हल नहीं कर सके और हिंदी की किताब भी ठीक से नहीं पढ़ सके। इस पर सीडीओ ने बीईओ सुभाष वर्मा को कड़ी फ्टकार लगाते हुए शिथिल पर्यवेक्षण के लिए स्पष्टीकरण तलब किया। वहीं दो शिक्षिकाओं को प्रतिकूल प्रविष्टि देते हुए वेतन रोकने और नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के लिए संविलियन विद्यालय छाउछ पहुंचने पर सीडीओ अभिषेक कुमार ने देखा कि अध्यापिका द्वारा कक्षा सात के बच्चों को हिंदी विषय पढ़ाया जा रहा था। सीडीओ के पूछने पर छात्रा शुभी से पर्यायवाची शब्द का अर्थ का सही जवाब दिया। छात्र जुब्राइल व अथर्व हिंदी की पुस्तक भी पढ़वाई। पर वह ठीक से नहीं पढ़ सके। इस पर गहरी नाराजगी जताई। सीडीओ ने क्रमश कक्षा 6ए 7 और 8 की क्लास में जाकर गणित के प्रश्नों को जब बच्चों से हल करवाया तो बच्चे संतोषजनक ढंग से प्रश्न हल नहीं कर सके।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापिका और गणित की शिक्षिका गीता रानी व सहायक अध्यापिकाध्हिंदी विषय की शिक्षिका मंजुला बरनवाल को प्रतिकूल प्रविष्टि देनेए अग्रिम आदेशों तक वेतन बाधित करने के साथ.साथ नोटिस जारी किये जाने का निर्देश दिया।

सीडीओ स्वयं पूरी तरह से एक शिक्षक की भूमिका में आ गये और बच्चों व शिक्षिका को गणित का ज्ञान देने के साथ ही साथ गणित विषय को पढ़ाने के आसान और रुचिकर तरीकों के बारे में शिक्षिका को समझाया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में साफ सफाई पर गहरा असंतोष जताया। भविष्य के लिए सचेत करते हुए कहा कि यदि इसकी पुनरावृत्ति मिली तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने शौचालय की क्रियाशीलता भी जांची। निरीक्षण में विद्यालय की खेल सामग्री धूल फ्क़ती नजर आई। इस पर कड़ी फ्टकार लगाई।

सीडीओ ने कहा कि डीएम ने निर्देश का अनुपालन करते हुए बच्चों के शैक्षिक हित में तीन दिवस के अध्ययन के उपरान्त पढ़ाए गए पाठों का रिवीजन अनिवार्य रूप से करायेए ताकि छात्र.छात्राएं पढ़ाई गई सामग्री को गहराई से आत्मसात कर सके। पीयर लर्निंग के माध्यम से छात्रों की दक्षता बढ़ाने का निर्देश दिया गया। मिड डे मील में मीनू के अनुसार रसोइया द्वारा रोटी सब्जी तैयार की गई।

प्राथमिक सेक्शन मिला बेहतर शिक्षिका की तारीफ, बच्चों को बाटी चॉकलेट, दुलारा

संविलियन विद्यालय छाउछ के प्राथमिक सेक्शन में शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर मिली। कक्षा एक में शिक्षिका सिताशु वर्मा पढ़ाती मिली। सीडीओ के पूछने पर छात्रा अनुराधा ने गिनती और साईमा ने छह का पहाड़ा सुनाकर शाबाशी पाई। सीडीओ ने बच्चों को दुलारा और चॉकलेट का वितरण भी किया।

प्रसव के बाद प्रसूता की मौत, परिजनों ने एएनएम पर लगाया लापरवाही का आरोप

● अत्यधिक रक्तस्राव से मौत, अस्पताल से डॉक्टर रहते नदारद

असोथर (फतेहपुर)। प्रसव के बाद प्रसूता की मौत पर परिजनों ने एएनएम पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। बताया जाता है कि प्रसूता की मौत अत्यधिक खून बहने से मौत हो गयी। जानिकपुर मजरे कौंडर निवासी पंकज रैदास की पत्नी उर्मिला देवी को प्रसव पीड़ा हुई। रविवार देर रात 9 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र असोथर में भर्ती कराया गया। एएनएम मीनू गुप्ता की देखरेख में सोमवार करीब 9 बजे के करीब प्रसव कराया गया। जच्चा-बच्चा दोनों स्वास्थ्य थे। कुछ ही देर बाद प्रसूता का खून बहने लगा। तब एएनएम ने परिजनों से खून रुकने की दवा बाहर से मंगवायी। प्रसूता के पति पंकज ने दवा पहुंचायी, पर तब भी खून बहता रहा। प्रसूता का खून बहने की जानकारी एएनएम ने किसी को नहीं दी, रूपये ऐंठने के चक्कर में रोके रखा। एएनएम ने प्रसूता को आराम करने की बात कहकर परिजनों को बाहर ही रोके रखा। जब प्रसूता की दोपहर लगभग 11 बजे तबियत ज्यादा गंभीर हुई तो परिजनों को बताते हुए मौजूदा एएनएम शकुंतला ने प्राइवेट वाहन बुलाकर जनपद के ओमनी नर्सिंग होम अस्पताल भेजा गया पर चिकित्सकों ने प्रसूता को मृत घोषित कर दिया।

पति पंकज ने बताया कि चिकित्सकों के अनुसार अत्यधिक खून बहने से प्रसूता की मौत हुई है। प्रसूता के पांच बच्चे हैं। जिसमें एक की मौत हो चुकी है। प्रसूता की मौत के बाद परिजनों ने जच्चा का शव लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र असोथर लाकर हंगामा काटना शुरू किया तो अफ्रा तफ्री का माहौल बन गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच जांच पड़ताल शुरू किया है। वहीं परिजनों ने एएनएम और डॉक्टरों को मौके पर बुलाने की जिद पर अड़े हुए हैं। खबर लिखे जाने तक कोई भी नहीं पहुंचा। घटना के बाद से परिजनों में रोष व्याप्त है। परिजनों ने कहा कि एएनएम की लापरवाही से प्रसूता की जान चली गयी। प्रसूता के पति पंकज रैदास ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों की घोर कमी है। चिकित्सकों की अनुपस्थिति में एएनएम प्रसव कराती है। जिससे आये दिन ऐसी घटनाएं होती है। एमबीबीएस और महिला चिकित्सक नहीं है। परिजनों ने बताया कि फ्लिहाल बच्चा स्वास्थ्य है। जब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी नीरज गुप्ता से बात की गई तो कहा कि प्रसव केंद्र से हमारा कोई लेना देना नहीं है। एएनएम ही सारा कार्यभार संभालती हैं, वहीं प्रसूताओं की देखभाल समेत रिफ्र के कागजात बनाती हैं।

रेल सुरक्षा आयुक्त ने देखा रेलवे रूट के दोहरीकरण का कार्य

पुखरायां, कानपुर देहात। रेल सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) मोहम्मद लतीफने मंगलवार को झांसी-कानपुर रेलमार्ग पर व्यवस्थित मलासा स्टेशन के निकट पटरी के दोहरीकरण के कार्य का बारीकी से निरीक्षण किया। उनके साथ डिविजन रेलवे मैनेजर झांसी सहित लगभग रेलवे के दो दर्जन बड़े अधिकारी भी मौजूद थे। सभी विशेष ट्रेन से निरीक्षण करने को पहुंचे थे। कुछ स्थानों पर खामी पाए जाने पर विभागीय अधिकारियों को जल्द ही सुधार करने की चेतावनी दी। रेल सुरक्षा आयुक्त मोहम्मद लतीफमंगलवार को एक विशेष रेलगाड़ी से भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के मलासा रेलवे स्टेशन सबेरे करीब नौ बजे पहुंचे। विशेष ट्रेन मलासा स्टेशन पर खड़ी करने के बाद ट्राली के जरिए मावर के निकट सेंगुर नदी पर नव निर्मित पुल एवं लालपुर और मलासा रेलवे स्टेशनों के मध्य नवनिर्मित रेलवे लाइन के दोहरीकरण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई जगह कमी मिलने पर डीआरएम एवं पीडब्ल्यूआई को फ्टकार भी लगाई। ज्ञात हो कि दोहरीकरण का कार्य 2016 में प्रारंभ हुआ था और दो साल में पूरा कराने के निर्देश दिये गए थे। लेकिन निर्माण कार्य पांच वर्ष विलंब से 21 फ्रवरी 2023 पूर्ण हो सका है। जिस पर रेल सुरक्षा आयुक्त मोहम्मद लतीफने मौके पर पहुंचकर अप एवं डाउन लाइनों का बारीकी सी निरीक्षण किया। उनके हरी झंडी दिखाने के बाद रेलवे लाइन पर 110 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से ट्रेन दौड़ायी गई। सब कुछ सही पाये जाने पर कानपुर से झांसी के बीच कई सुपरफ्स्ट टेञ्नों के चलने हरी झंडी भी मिल गई है। उन्होंने बताया कि अब इस रूट के सबसे बड़े स्टेशन पुखरायां में कई सुपरफ्स्ट एवं पैसेंजर गाड़ियों का ठहराव होगा। बताया कि अब कई यात्री सुविधा को देखतक हुए कानपुर-झांसी के मध्य आज से सुपरफ्स्ट गाड़ियों के कारण पैसेंजर ट्रेनों को क्रासिंग के कारण रोकना नहीं पड़ेगा। जिससे यात्रियों के समय के साथ साथ रेलवे को भी नुकसान नहीं होगा।

जिले में डीएपी खाद की किल्लत पर जताई नाराजगी

● भाकियू अरा. की बैठक, प्रति किसान 05 बोरी खाद दिए जाने की उठाई मांग

फतेहपुर। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की बैठक में जिले में इन दिनों डीएपी खाद की किल्लत को लेकर नाराजगी जाहिर की गई। मांग की गई कि प्रति किसान पांच बोरी खाद दी जाए। साथ ही प्राइवेट दुकानदारों की जांच की जाए। नहर कालोनी के निरीक्षण भवन में भाकियू अराजनैतिक की बैठक जिलाध्यक्ष राजकुमार सिंह गौतम की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में पदाधिकारियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में किसानों ने हिस्सा लिया। बैठक में किसानों ने बताया कि सहकारी समितियों में डीपएपी खाद नहीं मिल रही है। जिससे उन्हें खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्राइवेट दुकानदार डीएपी खाद के साथ अन्य सामान भी जबरन दे रहे हैं। जिनको लेना उनकी मजबूरी है। इस समस्या पर जिलाध्यक्ष ने कहा कि डीएपी खाद की किल्लत पर जिला प्रशासन को संज्ञान लेना चाहिए और प्रत्येक किसान को पांच-पांच बोरी खाद की मुहैया कराई जाए। साथ ही प्राइवेट दुकानदारों की जांच की जाए। जिलाध्यक्ष ने कहा कि बिंदकी मंडी में धान बेंचने पर किसानों से दो प्रतिशत सीडी के नाम पर कटौती की जा रही है। धर्मकांटा में तौल के नाम पर दो गुना रूपया लिया जा रहा है इसे तत्काल रोका जाए। बैठक में प्रीतम सिंह, छोटे सिंह, धर्मपाल सिंह, अंकित सिंह चौहान, दीपक गुप्ता, मो0 आजम, माता प्रसाद, उमेश सिंह, राजू सिंह, पुत्तन द्विवेदी, बब्लू सिंह, अजय सिंह, रंजीत यादव, शिवदेश मौर्या, गुलाब सिंह यादव, सर्वेश यादव मौजूद रहे।

एडीएम व सीएमओ ने क्षय रोगियों को बांटी पोषण सामग्री

फतेहपुर। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के संयोजकत्व में 121 क्षय रोगियों को पोषण सामग्री वितरण कार्यक्रम टीबी अस्पताल परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एडीएम अविनाश त्रिपाठी व विशिष्ट अतिथि के रूप में सीएमओ डॉ राजीव नयन गिरि उपस्थित रहे। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. निशात शहाबुद्दीन ने मुख्य अतिथि को शाल व प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया तत्पश्चात अपर जिलाधिकारी ने पांच क्षय रोगियों को पोषण सामग्री वितरित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी आजीवन सदस्यों ने गोद लिए सभी 121 क्षय रोगियों को पोषण सामग्री प्रदान की। मुख्य अतिथि ने इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के उत्कृष्ट सेवाकार्यों का उत्साहवर्धन किया। सीएमओ ने सभी समर्थ लोगों से टीबी मरीजों को गोद लेने के लिए आवाहन किया।

क्विक न्यूज

गैंगस्टर के घर पर की गई धारा 82 सीआरपीसी की कार्रवाई

गुरसहायगंज (कन्नौज)। जनपद न्यायालय में चले रहे गैंगस्टर एक्ट के मुकदमें में काफी समय से फ्रार चल रहे अभियुक्त के घर पर कोतवाली पुलिस द्वारा धारा 82 सीआरपीसी की कार्रवाई करते हुये नोटिस चस्पा कर मुनादी कराइ गई है। स्थानीय कोतवाली पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 292/24 धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट अभियुक्त शाहबाज, जीशान निवासीगण सरोजिनी नायडू नगर थाना बिल्हौर जनपद कानपुर नगर के विरुद्ध धारा 82 सीआरपीसी दिनांक 05.10.24 को न्यायालय से निर्गत करायी गयी थी। जिसमें कोतवाली के उपनिरीक्षक सुनील चौधरी ने पुलिस बल के साथ सोमवार को अभियुक्त के घर पर धारा 82 सीआरपीसी की कार्रवाई करते हुये उसके घर पर नोटिस चस्पा कराकर गांव में मुनादी भी कराई गयी है।

बीमारी से तंग अधेड़ ने लगाई फांसी

फतेहपुर। असोथर थाना क्षेत्र के ग्राम सातों धरमपुर में बीमारी से तंग 55 वर्षीय अधेड़ ने घर के अंदर फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार सातों धरमपुर गांव निवासी स्व0 रामदास का पुत्र जयराम साहू पिछले कई सालों से मिर्गी के रोग से पीड़ित था। काफी इलाज करवाया गया लेकिन कोई फायदा न हुआ। जिससे तंग आकर उसने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

बिजली के पोल से टकराई बाइक, युवक की मौत

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के पखरौली के समीप रविवार की शाम अनियंत्रित होकर बाइक बिजली के पोल से टकरा गई। जिससे 28 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। थाने के शाह कस्बा निवासी रतीराम का पुत्र संदीप कुमार उर्फकल्लू रविवार की शाम बाइक से किसी काम से जा रहा था जब वह पखरौली गांव के समीप मोड़ पर पहुंचा तभी अनियंत्रित होकर बाइक बिजली के पोल से टकरा गई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

टैम्पो की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के शाह कस्बा के समीप सोमवार की सुबह टैम्पो की चपेट में आ जाने से बाइक सवार 23 वर्षीय युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। थाने के घनसोलपुर गांव निवासी शिवबरन साहू का पुत्र विवेक उर्फविनीत साहू की गांव में ही किराने की दुकान है। बताते हैं कि आज सुबह वह बाइक से शाह कस्बा सामान लेने गया था। वापस लौटते समय जब वह कुछ दूर पहुंचा तभी पीछे से आ रहे बाइक सवार ने बाइक में टक्कर मार दिया जिससे वह अनियंत्रित होकर विवेक टैम्पो से टकरा गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर मौत हो गई।

दो लोगों ने पिया कीटनाशक दोनों की हालत गंभीर

कायमगंज फर्रुखाबाद। अलग अलग स्थानों पर क्षेत्र के गांव गंधिया निवासी रवी (18) व भुक्सा निवासी रिषीपाल का 12 वर्षीय पुत्र भरत सिंह ने संदिग्ध हालत में कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया उल्टियां होने पर परिजनों को जानकारी हुई। परिजन गंभीर हालत में सीएचसी लाये।

मार्ग दुर्घटना में 3 घायल एक की हालत गंभीर

कायमगंज फर्रुखाबाद। अलग अलग मार्ग दुर्घटना में क्षेत्र के गांव लखनपुर निवासी हरीशरन (45) अताईपुर ज़दीद निवासी सुनील कुमार (36) वाईपास रोड चीनी मिल निवासी आरती (35) पत्नी अजीत घायल हो गये घायलों को आसपास के लोगो ने सीएचसी भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद सुनील कुमार को लोहिया अस्पताल के लिए रेफ्र कर दिया गया।

युवक को ज़हरीले सांप ने डसा हालत गंभीर

कायमगंज। थाना शमसाबाद क्षेत्र के गांव सुल्तानपुर निवासी शिवकुमार (20) को ज़हरीले सांप ने डस लिया गंभीर हालत में परिजन सीएचसी लाये जहाँ उसका इलाज हुआ।

डॉ. शरद वैश्य को सीएचसी कर्मियों ने दी विदाई

संडीला (हरदोई)। सीएचसी अधीक्षक रहे डॉ. शरद वैश्य को स्थानांत्रित होने के बाद भावभीनि विदाई दी गयी। सीएचसी अधीक्षक रहे डॉ. शरद वैश्य के सीएचसी हरियावां में स्थानांत्रण के बाद उनका विदाई समारोह आयोजित किया गया जिसमें नवीन चिकित्साधीक्षक दिनेश पाल भारती, सीएचसी के तमाम चिकित्सकों और अन्य स्टाफ़ने भाग लिया।

पति द्वारा बाजार करने के लिए साथ न जाने पर नाराज महिला ने कमरे के कुंड से दुपट्टे का फंदा लगाकर फांसी लगाई

फर्रुखाबाद। थाना मोहम्मदाबाद क्षेत्र के गांव उगरपुर गोंडा निवासी मुरारी लाल जाटव की पुत्री सीता उम्र 25 वर्ष थाना कमालगंज के गांव रजी पुर में संतोष जाटव को ब्याही थी। संतोष जाटव पत्नी सीता के साथ करीब डेढ़ माह से ससुराल उगरपुर में रहकर मजदूरी कर रहा था। 20 अक्टूबर को पत्नी सीता ने संतोष से बाजार चलकर सामान खरीदने की बात कही संतोष ने सीता को पैसे देकर खरीदारी करने की बात कह कर मजदूरी करने चला गया। शाम को दोनों ने खाना खाकर घर में बने कमरे में सो गए। रात 1. 00 बजे संतोष की आंख खुली तो उसने सीता को पास में लेटे हुए नहीं पाया। घर से बाहर खोजबीन की तथा अपने ससुरालजनों को दी। ससुरालीजनों ने सीता के शब को कमरे में बने कुंडे से दुपट्टे से लटकते देखा आनंन फ्नन में शव को उतार कर 108 एंबुलेंस से सामु. स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद लाये।

लाख कोशिश भारत सरकार और यूपी सरकार कर ले तीन तलाक रुकने वाला नहीं

बांदा। उत्तर प्रदेश के बाँदा मैं भारत सरकार सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की की लाख कोशिशों के बाद भी नहीं थम रहा 3तलाक देने का रिवाज अपने गहने व समान देने से मना करने पर गुस्सा, पति ने पत्नी को बोला 3 बार तलाक, पति पत्नी में पहले से कोर्ट में चल रहा है केस की अब पति ने दिया 3तलाकए पुलिस हुई सुस्त तीमारदार हुआ पस्त! महिला न्याय के लिए दरण्दर भटक रही है न्याय मिलने की उम्मीद नहीं आपको बताते चलें कि पीड़ित ने थाना पुलिस पर लगाया पति से मिले होने का आरोपए पीड़िता का आरोप है कि स्थानीय पुलिस मेरे पति से प्रभावित है इसीलिए मुझे न्याय नहीं मिल रहा मैं आज पुलिस अधीक्षक बांदा अंकुर अग्रवाल के पास आई हूं न्याय की गुहार लगा रही हूं मैं आप लोगों के माध्यम से प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ जी से वह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से न्याय की गुहार लगा रही हूं कि तीन तलाक के मामले में पति को मुल्जिम बनकर सजा दिलाई जाए। बार बार एसपी की चौखट पर आने के बाद भी पुलिस नहीं कर रही कोई कार्रवाई, सरकार की मंशा पर पानी फेर रही थाना पुलिस पीड़ित ने बेज्जत कर थाने से भागने का लगाया आरोप, तिंदवारी थाना क्षेत्र के तिंदवारी कस्बे के मामला।

डीएम ने नगर पंचायतों के डीपीआर का अनुमोदन कर दिए निर्देश

फतेहपुर। नगर पंचायतों के डीपीआर के अनुमोदन व परीक्षण हेतु समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। डीएम ने मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अंतर्गत निर्धारित बजट के अनुरूप नगर पंचायतों खागा, कोड़ा जहानाबाद, असोथर, खखरेरू, कारीकान धाता से तैयार किये गए कार्यों के प्रस्ताव व डीपीआर पर विस्तार से चर्चा की। संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि अधिशासी अधिकारी इस आशय का प्रमाण पत्र दें कि योजना के तहत कार्य सम्मिलित किए गए हैं। दूसरी योजना से अच्छादित नहीं है। साथ ही कार्यों का प्रस्ताव निर्धारित बजट के अनुसार से ही तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि स्ट्रीट/हाईमस्क लाईट लगाया जाना है का जेम पोर्टल से ही क्रय किया जाये और स्टाक रजिस्टर बनाकर अंकन भी किया जाये।

पालिका प्रशासन ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

गुरसहायगंज (कन्नौज)। नगर में फैले अतिक्रमण के कारण उत्पन्न हो रही जाम की समस्या से निजात दिलानें के लिये पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता एवं अधिसाषी अधिकारी अनिल पंडित के निर्देश पर पालिका कर्मियों द्वारा नगर में अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाया गया जिसमें फुटपाथ पर कब्जा किये लोगों चेतावनी देकर अतिक्रमण हटवाया गया। सोमवार को अधिशासी अधिकारी के आदेशानुसार पालिका कर्मियों द्वारा फुटपाथ एवं रोड पटरी पर अवैध रूप से कब्जा किये वाहनों एवं दुकानदारों के विरुद्ध तिराहा, फर्रुखाबाद रोड, उपडाकघर के पास तथा चौराहे पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। जिसमे टैक्सी एवं डग्गामार वाहनों को रोड पटरी से हटाते हुए टैक्सी स्टैंड पर वाहन खड़े कराए गए तथा फुटपाथ पर अतिक्रमण किए हुए दुकानदारों एवं ठेली वालों से फुटपाथ खाली कराया गया तथा भविष्य में फुटपाथ पर किसी भी प्रकार के अतिक्रमण कानूनी कार्यवाही की चेतावनी दी गई। इस दौरान प्रधान लिपिक आरपी सिंह, प्रसन्नजीत मिश्रा, अतिक्रमण इंचार्ज अशोक कुमार वाल्मीकि, शिवशंकर तिवारी, आकाश कुमार, शरद श्रीवास्तव एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

सडक किनारे से अबैध कब्जा हटाते पालिका कर्मी।

● कब्जामुक्त कराया फुटपाथ टैक्सी स्टेण्ड पर खडे कराये वाहन

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक का आयोजन

● बैठक में 28 विभागों की 75 योजनाओं की समीक्षा की गई

● सीएमओ को स्वयं मॉनिटरिंग करने व रैंक क्यो खराब हुईए समाज कल्याण एण्पंचायती राज विभाग की 15 वित्त आयोग की स्थिति खराब पाई गई

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार फ्तेहगढ़ में किया गया। बैठक में 28 विभागों की 75 योजनाओं की समीक्षा की गईए समीक्षा में चिकित्सा विभाग की 108 एम्बुलेन्स सेवा की रैंक 71,102 एम्बुलेंस सेवा की 57 रैंक आईए जिलाधिकारी द्वारा सीएमओ को स्वयं मॉनिटरिंग करने व रैंक क्यो खराब हुई व खराव होनेपर क्या कार्यवाही हुई से अवगत कराने के निर्देश दिए समाज कल्याण की राष्ट्रीय पारवारिक लाभ योजना की रैंक 36एराष्ट्रीय वृद्धा अवस्था पेंशन योजना की रैंक 56ए पंचायती राज विभाग की15 वित्त आयोग की स्थिति खराब पाई गई।

कृषि विभाग की पीएम कुसुम योजना की रैंक 58, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की रैंक 68, डे एन आरएलएम की रैंक 42 एओ डी ओ पी की रैंक 75व मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की रैंक 75, पीडब्ल्यूडी की रैंक 67, विधुत विभाग की रैंक 62 पाई गई ।ए जिलाधिकारी द्वारा जहाँ जहाँ ट्रांसफ्मर्र खुले में रखे है उनके आसपास जाली लगवानेए तारो को टाइट कराने व त्योहारों पर सुचारू रूप से विद्युत आपूर्ति करने के लिये निर्देशित किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट महेंद्र सिंह, जिला विकास अधिकारी व संवंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जल संरक्षण के लिये अटल भूजल योजना छह माह में साढ़े सात सौ प्रायवेट नलकूपों की बोरिंग

● भूजल विभाग ने जतायी चिंता, टेढ़ा गांव में बारह सौ प्रायवेट व पचखुरा गांव मे एक हजार नलकूप, राठ व सुमेरपुर घोषित है सेमी क्रिटिकल जोन

संवाददाता। हमीरपुर

हमीरपुर जिले में दो ब्लाक सेमी क्रिटीकल घोषित होने के बाद भी अंधाधुंध प्रायवेट की बोरिंग हो रही है जो चिंता जनक बतायी जा रही है यही नही जिले में एक तरफजल संरक्षण के लिये अटल भूजल योजना संचालित है वही दूसरी ओर छह माह में साढ़े सात सौ प्रायवेट नलकूपो की बोरिंग हो चुकी है। भूगर्भ जल विभाग ने इस मामले में चिंता व्यक्त कर उच्चाधिकारियों से वार्ता करने को कहा है। शासन बुंदेलखंड पानी के लिये विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित कर रहा है। वही दूसरी ओर जिले में जो सुमेरपुर व राठ दो ब्लाक सेमी क्रीटिकल घोषित किये गये है उन्ही में सर्वाधिक बोरिंग की जा रहीहै।

जिले में पिछले छह माह में साढे सात सौ प्रायवेट नलकूपों में सबसे ज्यादा नलकूप सुमेरपुर व राठ में बोरिंग किये गये है। यदि यही हालत रही तो दोनो ब्लाक शीघ्र ही डार्क जोन में जा सकते है। सुमेरपुर क्षेत्र के टेढागांव में बारस सौ प्रायवेट नलकूपों की अकेले बोरिंग है इसी प्रकार पचखुरा गाव में एक हजार नलकूपों की बोरिंग है।

हरेक किसान केपास दो या तीन नलकूप से ज्यादा बोरिंग कराये हुये है। इधर जिले में हर सास कम से कम दस से लेकर पंद्रह फीट तक जल स्तर नीचे जा रहा यहा तक कि मई जून माह में कई गांवों को नदी से पानी भरकर पीने के लिये लाना पड़ता है। सैकडो गांव एक एक बूद पानी को तरस रहे है। नलकूप विभाग के सहायक अभियंता अमित चौधरी का कहना है कि नलकूपों की संख्या जिले में लगातार बढती जा रही है जिससे सरकारी नलकूप जवाब दे रहे है यदि यही हाल रहा तो कुछ दिनों बाद न फ्सल के लिय न ही पीने के लिये पानी मिल सकेगा।

एई का कहना है कि सरकारी नलकूप स्थापना के लिये नियम व कानून है जिसके तहत काम किया जाता है,यही नही विजली विभाग में नलकूपों को विजली कनेक्शन देता जा रहा है जिससे हालात और खराब होते जा रहे है। यदि विजली विभाग कनेक्शन देने से एतराज करे तभी इस काम में रोक लगायी जा सकती है।

पानी देता प्रायवेट नलकूप

क्या बोले जिम्मेदार

जिले में एक भी नलकूप का पंजीकरण नही, जल दोहन रुकना अनिवार्य: एक्शियन

हमीरपुर। भूगर्भ जल विभाग के अधिशासी अभियंता शिवम दिवेदी का कहना है कि नलकूपों का पंजीकरण होता है इसके बाद गठित समिति तय करती है कि संबंधित क्षेत्र व गांव में प्रायवेट नलकूप की बोरिंग होगी या नही मगर जिले में एक भी नलकूप का पंजीकरण नही है जिससे अंधाधुंध नलकूपों की बोरिगं की जा रही है यही नही सरकार एक तरफ अटल भूजल योजना के तहत जल संचय करने के लिये कार्यक्रम संचालित कर रही है दूसरी तरफ जमकर जल दोहन हो रहा है जो अपने आप में विरोधाभास है। विभाग के नोडल अधिकारी योगेश कुमार का कहना है कि इसके लिये शासन की तरफ से अधिनियम बना हुआ है मगर घरेलू व कृषि कार्य के लिये बोरिंग रोकने के लिये कोई नियम नही बनाया गया है इसलिये किसी किसान नियमानुसार रोका नही जा सकता है। मगर जिस प्रकार से बोरिंग हो रही है बह बेहद चिंताजनक बात है।

धान की पैदावार की उपज से किसानों के मन में जागा लालच

हमीरपुर। जिले में धान की उपज में ज्यादातर किसानों ने एक नही तीन या चार नलकूपों की बोरिंग एक किसान के पास है। डीडी कृषि हरीशंकर भार्गव का कहना है कि शासन के साफ आदेश है कि बुंदेलखंड में पानी की समस्या को देखते हुये कम पानी वाली फ्सल बोयी जाये मगर किसानों का कहना है धन से उनकी बहुत फायदा हुआ है। दो फ्सलो का लाभ मिल जाताहै वही धान की पैदावार अधिक होने व अच्छा मूल्य मिलने के कारण किसान भविष्य की चिंता पूरी तरह भूल गया है शासन ने जिले में धान का टारगेट केवल 39 हेक्टेएअर दिया है मगर जिले में कम से कम तीस हजार हेक्टेएअर धान की बोआई हो रही है जिससे जल दोहन जरुरत से ज्यादा हो रहा है।

आतंकवाद, घुसपैठ, धार्मिक तनाव भड़काने के प्रयासों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी : शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भले ही जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर क्षेत्र और नक्सल प्रभावित इलाकों में अपेक्षाकृत शांति स्थापित कर ली गई है लेकिन आतंकवाद, घुसपैठ और धार्मिक तनाव पैदा करने की साजिश के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि शहीद पुलिसकर्मियों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और देश निश्चित रूप से 2047 तक पूरी तरह विकसित राष्ट्र बनेगा। लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स में 21 अक्टूबर 1959 को भारी हथियारों से लैस चीनी सेना के घात लगाकर किए गए हमले के दौरान 10 पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। उसके बाद से ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले इन शहीदों तथा सभी अन्य पुलिसकर्मियों की याद में हर साल 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है।

शाह ने कहा, पिछले 10 वर्ष में हमारे सुरक्षा बलों की निष्ठा और कार्यकुशलता के चलते जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा वामपंथी नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्रों में अपेक्षाकृत शांति स्थापित कर ली गई है। हालांकि, हमारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा, हम ड्रोन, मादक पदार्थों के व्यापार, साइबर अपराध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के माध्यम से अशांति फैलाने के प्रयास, धार्मिक भावनाओं को भड़काने की साजिश, घुसपैठ, अवैध हथियारों की तस्करी और आतंकवाद जैसे उभरते खतरों के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे, जो वर्तमान में हमारे सामने आने वाली चुनौतियां हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से देश की सुरक्षा के लिए 36,438 पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है, जिनमें से 216 बलिदान पिछले वर्ष दिए गए। उन्होंने कहा कि देश की विकास यात्रा में उनके बलिदान के लिए देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा। शाह ने कहा, मैं शहीदों के परिवार के सदस्यों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। देश सुरक्षित रहेगा, किसी भी चुनौती के बावजूद अपने लक्ष्य को हासिल करेगा और भारत 2047 तक निश्चित रूप से एक विकसित राष्ट्र बनेगा।

एक जुलाई से लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि नए कानूनों के क्रियान्वयन के लिए बुनियादी ढांचा स्थापित करने पर काम पांच साल पहले शुरू हुआ था और बाकी का काम अगले तीन साल में पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा, मैं देश को बताना चाहता हूं कि भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली दुनिया में सबसे आधुनिक होगी और प्राथमिकी दर्ज होने के तीन साल के भीतर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई तक पूरा न्याय दिया जा सकता है।

पुलिसकर्मियों के हित में उठाए कदमों के बारे में जानकारी देते हुए शाह ने कहा कि पुलिसकर्मी और उनके परिवार के सदस्य आयुष्मान सीएपीएफ योजना लागू होने के बाद किसी भी आयुष्मान अस्पताल में इलाज करा सकते हैं। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) कर्मियों को आवास उपलब्ध कराने पर उन्होंने कहा कि 13,000 मकानों के निर्माण के लिए स्वीकृति दे दी गई है जिनमें से 11,276 मकान अगले साल मार्च तक तैयार हो जाएंगे। शाह ने कहा कि पुलिस बल के जवान कश्मीर से कन्याकुमारी और कच्छ से किबिथु तक भारत की सीमाओं की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस बल के जवान हमेशा देश और सीमाओं की रक्षा करते हैं, चाहे दिन हो या रात, त्योहार हो या आपदा, भीषण गर्मी, बारिश या शीतलहर।

हमले में मारे गए डॉक्टर को हजारों लोगों ने दी श्रद्धांजलि

श्रीनगर। बडगाम के नईदगाम गांव में दो हफ्ते पहले ही डॉक्टर शाहनवाज मीर के घर में खुशी का माहौल था जब उनकी बेटी की शादी में सैकड़ों लोग शामिल हुए थे। सोमवार को उनके आवास और आस-पास की सड़कों पर लोग गम में डूबे थे। जम्मू-कश्मीर के गंदेरबल जिले के गगनगीर में रविवार को आतंकी हमले में मारे गए 52 वर्षीय डॉक्टर को श्रद्धांजलि देते हुए हजारों लोगों ने नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर (अल्लाह सबसे महान है) के नारे लगाए। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरंग निर्माण स्थल पर आतंकवादियों ने डॉक्टर और छह मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। आतंकी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन के पैतृक गांव से कुछ ही दूरी पर स्थित नईदगाम गांव में शोक का माहौल था, जहां समुदाय के लोग अपने प्रिय चिकित्सक को अंतिम विदाई देने के लिए एकत्र हुए थे। डॉक्टर मीर के पड़ोसी अली मोहम्मद ने कहा, यह आसमान से बिजली गिरने जैसा है। परिवार शादी का जश्न मना रहा था और अब यह खबर आ गई।

डॉ. मीर के अंतिम संस्कार के लिए जुलूस गांव की गलियों से होते हुए उनके पैतृक कब्रिस्तान तक गया। इस दौरान सभी की आंखें नम थीं। मीर के अंतिम संस्कार के लिए बडगाम के सोइबुघ इलाके के नईदगाम और आसपास के इलाकों से लोग पहुंचे। गमगीन माहौल में मीर साहब जिंदाबाद के नारे गूंजने लगे। एम्बुलेंस से डॉ. मीर के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव में लाए जाने से पहले ही बड़ी संख्या में लोग वहां इकट्ठा हो चुके थे। लोगों ने प्रार्थना समारोह में भाग लिया और अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। मीर के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं। अपने पिता के सपनों को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित मोहसिन ने आईएएस अधिकारी बनने और समाज की सेवा करने की आकांक्षा व्यक्त की।

पड़ोसियों और रिश्तेदारों ने डॉ. मीर को ऐसे व्यक्ति के रूप में याद किया, जिन्होंने न केवल अपने बच्चों की, बल्कि अपने भाई-बहनों की भी उनके माता-पिता के असमय गुजरने के बाद निस्वार्थ भाव से देखभाल की। मीर की बहन ने कहा, वह हमारे पिता और माता दोनों थे...आज हम सचमुच अनाथ हो गए हैं। मीर को एपीसीओ इंफ्राटेक नामक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी में सुरंग निर्माण स्थल पर चिकित्साकर्मी के तौर पर तैनात किया गया था। अधिकारियों के अनुसार, आतंकवादियों ने देर शाम अपने शिविर में वापस आए एक समूह पर अंधाधुंध गोलीबारी की। हमले में पांच लोग घायल हो गए और उनका इलाज चल रहा है। डॉ. मीर के एक पड़ोसी ने कहा कि यह जघन्य अपराध की घटना है। उन्होंने कहा, डॉक्टर साहब बेकसूर थे, वह बेहद नेक शख्स थे और जरूरतमंद लोगों की मदद करते थे।

आतंकी हमला : व्यापक तलाशी अभियान शुरू एनआईए ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गंदेरबल में एक निर्माणाधीन सुरंग में हुए आतंकवादी हमले के एक दिन बाद सुरक्षा बलों ने सोमवार को क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। साथ ही राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के अधिकारियों ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं। गांदरबल जिले के गुंड में रविवार को एक निर्माणाधीन सुरंग में हुए आतंकवादी हमले में कश्मीर के एक डॉक्टर एवं छह प्रवासी मजदूरों समेत सात लोगों की जान चली गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि सेना, सीआरपीएफ और पुलिस के जवान कश्मीर में गैर-स्थानीय मजदूरों पर हुए सबसे घातक हमलों में शामिल आतंकवादियों और उनके सहयोगियों का पता लगाने के लिए निर्माण स्थल के आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चला रहे हैं।

एक अधिकारी ने कहा, अभी तक गिरफ्तारी के मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है, लेकिन हमें कुछ सुराग मिलने की उम्मीद है, जिससे हम हमले में संलिप्त आतंकवादियों तक पहुंच सकेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि जिले के गुंड इलाके में एक सुरंग परियोजना पर कार्यरत मजदूर एवं अन्य कर्मी देर शाम जब अपने शिविर में लौटे तब अज्ञात आतंकवादियों ने उनपर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों ने मजदूरों के समूह पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें स्थानीय और बाहरी लोग दोनों शामिल थे। माना जाता है कि आंतकवादियों की संख्या कम से कम दो थी। अधिकारियों ने बताया कि दो श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल श्रमिकों एवं एक डॉक्टर ने बाद में दम तोड़ दिया। एनआईए के अधिकारियों ने आज दोपहर घटनास्थल का दौरा किया ताकि वे साक्ष्य एकत्र कर सकें।

आतंकी हमला: करवाचौथ और वह वीडियो कॉल जो कभी नहीं आई

जम्मू। शशि अबरोल की पत्नी सज-संवरकर फोन की घंटी बजने का इंतजार कर रही थी ताकि वह करवाचौथ का व्रत खोल सके जो उसने अपने पति की लंबी उम्र के लिए रखा था। लेकिन इसके बजाय यह खबर आई कि कश्मीर के गांदरबल जिले में हुए एक आतंकी हमले में उसके पति की मौत हो गई है। शशि अबरोल की मौत की खबर रविवार देर रात चांद निकलने के काफी समय बाद आई। करवाचौथ का व्रत रखने वाली लाखों हिंदू महिलाएं अपना दिन भर का उपवास चंद्रमा देखने के बाद तोड़ती हैं। रुचि अबरोल ने भी अपने पति के लिए करवा चौथ का व्रत रखा था।

रविवार को श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सुरंग निर्माण स्थल पर आतंकवादियों के हमले में मारे गए सात लोगों में शशि अबरोल भी शामिल थे। वह आर्किटेक्चरल डिजाइनर के तौर पर कार्यरत थे। हमला उस समय हुआ जब कर्मियों की टीम देर शाम काम से अपने शिविर लौट चुकी थी। अगली सुबह, शशि की पत्नी रुचि अपनी तीन साल की बेटी को सीने से लगाए खड़ी थी- क्रुद्ध, व्यथित। उसके चेहरे पर जो भाव थे, वह साफ दिखा रहे थे कि उसके लिए खबर पर यकीन करना मुश्किल था। दंपति का एक बेटा भी है जो इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है।

रुचि ने सिसकते हुए पीटीआई-भाषा से कहा, मैंने उनसे (शशि) शाम को बात की थी। उन्होंने किसी धमकी का जिक्र नहीं किया। मैं करवाचौथ व्रत के लिए मंदिर जा रही थी और हमारी थोड़ी सी बातचीत हुई। मंदिर से लौटने के बाद मैंने उन्हें फोन करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। उसके बाद उनका फोन बंद हो गया। जम्मू के तालाब तिल्लो इलाके में स्थित अपने घर पर अपनी सास के साथ बैठी रुचि ने कहा, मैंने उनके फोन का इंतजार किया, लेकिन मुझे हमले के बारे में कुछ पता नहीं था।

परिवार ने कहा कि देर रात तक किसी ने उन्हें नहीं बताया कि क्या हुआ और बाद में भी हमले के बारे में जानकारी मीडिया के माध्यम से ही हुई।

रुचि की भाभी दिव्या ने कहा कि रुचि अपना उपवास तोड़ने से इनकार कर रही थी। उन्होंने कहा, उनकी (रुचि) जिंदगी बिखर गई है। करवाचौथ का त्योहार हमारे लिए तबाही का दिन बन गया। हमारे शशि जी को आतंकवादियों ने कायराना हरकत में मार डाला। रुचि ने अपनी पूजा कर ली थी और अपने पति के वीडियो कॉल का इंतज़ार कर रही थी। दिव्या ने कहा, देर रात शशि जी का फोन बंद होने पर हम चिंतित हो गए थे। हालांकि हमने रुचि को सांत्वना देने की कोशिश की। हमें उनकी मृत्यु के बारे में मीडिया से ही पता चला, जिसने हम सभी को चौंका दिया।

शशि परिवार के एकमात्र कमाने वाले थे। दिव्या ने कहा, इससे उन्हें क्या मिला? अब वह अपने बच्चों का भरण पोषण कैसे करेगी? हम उन्हें श्राप देते हैं। सोनमर्ग में निर्माण कंपनी एपीसीओ के लिए पिछले छह वर्षों से काम कर रहे शशि आखिरी बार दो महीने पहले अपने बेटे के कॉलेज एडमिशन के दौरान घर आए थे। दिव्या ने कहा, उनका लक्ष्य अपने बेटे को एक होनहार इंजीनियर के रूप में देखना था।

शशि की मृत्यु की खबर फैलते ही सैकड़ों पड़ोसी, रिश्तेदार और अन्य लोग शोक व्यक्त करने के लिए उनके घर पहुंचे। परिवार ने सरकार की इसलिए आलोचना की कि उन्हें तुरंत सूचित नहीं किया गया। उन्होंने अधिकारियों से अंतिम संस्कार के लिए शशि के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द लाने का आग्रह किया। आतंकी हमले की घटना के बाद शशि की बहन उर्वशी ने आक्रोशित स्वर में कहा, यह इस बात का सबूत है कि कैसी शांति और कैसी सामान्य स्थिति बहाल हुई है। सात लोगों की हत्या कर दी गई। हमने अपना भाई खो दिया। यह घटना उमर अब्दुल्ला के जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के ठीक चार दिन बाद हुई। परिवार ने सरकार से वित्तीय सहायता प्रदान करने का आह्वान किया। शशि के पिता जे एल अबरोल ने कहा कि उन्हें कश्मीर में कभी किसी खतरे की आशंका नहीं रही थी। हम अपनी बहू के लिए नौकरी की मांग करते हैं ताकि परिवार का भरण-पोषण हो सके। परिवार के एक रिश्तेदार नवीन सूरी ने कहा, परिवार में कोई कमाने वाला नहीं बचा है। उनकी पत्नी, जो गृहिणी हैं, बच्चों का भरण पोषण कैसे कर पाएंगी? उन्हें सरकारी नौकरी दी जानी चाहिए।

बहराइच हिंसा में अब तक 104 लोग गिरफ्तार

बहराइच (उप्र)। बहराइच जिले के महाराजगंज कस्बे में सांप्रदायिक हिंसा के सिलसिले में अब तक 104 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और वहीं ध्वस्तीकरण का नोटिस पाने वाले लोगों ने 15 दिन की राहत के लिए सोमवार को उच्च न्यायालय का धन्यवाद किया तथा न्यायालय से राहत की उम्मीद जताई। दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन जुलूस के दौरान गोली लगने से एक युवक की मौत और फिर हुई हिंसा की घटना के बाद बहराइच के कुंडासर-महसी-नानपारा-महाराजगंज मार्ग पर कथित अवैध निर्माण को लेकर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने 23 प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए हैं, जिनमें से 20 मुस्लिमों के हैं। ए नोटिस रोड साइड भूमि नियंत्रण अधिनियम, 1964 के तहत जारी किए गए हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊपीठ ने रविवार को इन लोगों को बड़ी राहत देते हुए जवाब दाखिल करने के लिए 15 दिन का समय बढ़ा दिया और राज्य के अधिकारियों को उनके जवाबों पर विचार करने और तर्कसंगत आदेश पारित करने का निर्देश दिया। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 23 अक्टूबर तय की है। जिनके घरों को नोटिस जारी किए गए, उनमें से एक मुस्लिम महिला ने कहा, अब हमें तसल्ली है। हमें भूखे रहने की चिंता नहीं है। अब हमारी उम्मीदें अदालत के आदेश पर टिकी हैं और हमें उम्मीद है कि हमें राहत मिलेगी। एक हिंदू महिला ने कहा, हम बस यही चाहते हैं कि हमारे घरों को टूटने से बचाया जाए। हम गरीब हैं और इस घर के बिना हमारे सिर पर छत नहीं रहेगी। राम प्रसाद के बेटे ननकऊ के घर की बाहरी दीवार पर अभी भी पीडब्ल्यूडी का नोटिस चस्पा है। महिला ने संवाददाताओं से कहा, कल तक मैं बहुत चिंतित थी। मैं खाना नहीं बना पा रही थी, यह सोचकर कि अगर हमारा घर और दुकान चली गई तो हम क्या करेंगे, हम कैसे रहेंगे। एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा, मेरे पास संपत्ति के कागजात हैं। मेरे पिता यहां रहते थे, अब मैं भी अपनी आधी से ज्यादा जिंदगी जी चुका हूं। मैं कागजात अदालत में पेश करूंगा और उम्मीद करता हूं कि अदालत हमारे साथ न्याय करेगी। महाराजगंज में 13 अक्टूबर को दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन जुलूस के दौरान तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर हुए विवाद में 22 वर्षीय राम गोपाल मिश्रा की गोली लगने से मौत हो गई थी। इस घटना के बाद सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई थी। आगजनी और तोड़फोड़ की घटना के बाद इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया और चार दिन के लिए इंटरनेट बंद रहा। हालांकि, सोमवार को भी महाराजगंज का बाजार पूरी तरह नहीं खुला। अलग-अलग गलियों और सड़कों पर कुछ किराना और बर्तन की दुकानें, पान भंडार, जलपान गृह, फल विक्रेता और सरकारी बैंक की शाखाएं खुली दिखीं, लेकिन उनमें ग्राहकों की आवाजाही न के बराबर रही। महराजगंज हिंसा में कथित तौर पर शामिल हिन्दू पक्ष के 17 लोग रविवार को गिरफ्तार किए गए, इनके अलावा नौ अन्य का चालान कर उन्हें पाबंद किया गया है। रविवार की 17 गिरफ्तारियों को मिलाकर अभी तक दर्ज 11 मुकदमों में दोनों पक्षों के कुल 104 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पुलिस के अनुसार, इसके अलावा फखरपुर थाने के बिज्जापुरवा निवासी सरफुद्दीन नामक व्यक्ति को रविवार को सोशल मीडिया पर एक समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने हिंसा के सिलसिले में 11 प्राथमिकी दर्ज कीं और सैकड़ों संदिग्ध अज्ञात दंगाइयों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इससे पहले उत्तर प्रदेश पुलिस ने मिश्रा की हत्या के सिलसिले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने बताया कि मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद समेत पांच लोगों को मुठभेड़ के बाद उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वे कथित तौर पर नेपाल भागने की कोशिश कर रहे थे। राम गोपाल के घर पर पुलिस की कड़ी निगरानी है और गांव की ओर जाने वाले रास्तों पर अवरोध लगा दिए गए हैं। लोगों को पूछताछ के बाद ही गांव में जाने दिया जा रहा है। अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद ने सोमवार को सिटी मजिस्ट्रेट को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपा। परिषद के जिला अध्यक्ष दीपक त्रिवेदी ने बताया कि मुख्यमंत्री को भेजे गए आठ सूत्री ज्ञापन में मिश्रा की मौत के बाद ब्राह्मणों पर पुलिस द्वारा प्रताड़ित किए जाने की शिकायत की गई है।

● ध्वस्तीकरण नोटिस पाने वालों को अदालत से राहत की उम्मीद

तेलंगाना के मंदिर में मूर्ति खंडित करने की घटना की एनआईए करे जांच : भाजपा

हैदराबाद (भाषा)। भाजपा की तेलंगाना इकाई ने यहां एक मंदिर की मूर्ति क्षतिग्रस्त करने के मामले की सोमवार को एनआईए से जांच कराने की मांग की और आरोप लगाया कि एक विशेष समुदाय के सैकड़ों लोगों को राज्य भर में हिंदू मंदिरों को अपवित्र करने के लिए एक होटल में प्रशिक्षण दिया गया था। तेलंगाना के भाजपा सांसदों, विधायकों और पार्टी नेताओं वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से भेंट की और एक ज्ञापन सौंपकर उनसे राज्य के डीजीपी को 14 अक्टूबर को सिकंदराबाद के मुथ्यालम्मा मंदिर में मूर्ति को अपवित्र करने के मामले को एनआईए को सौंपने के निर्देश देने और घटना पर विस्तृत रिपोर्ट मांगने का अनुरोध किया। भाजपा ने कहा, व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण की आड़ में विभिन्न राज्यों से लोगों को जुटाना और उनके लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित करना गंभीर अपराध है।

वक्फ बोर्ड से अनुमति के बाद तीन मंजिलों को गिराने का काम शुरू

शिमला। शिमला में विवादित संजौली मस्जिद की तीन अनधिकृत मंजिलों को गिराने का काम सोमवार को शुरू हो गया। मस्जिद की प्रबंध समिति के अध्यक्ष मुहम्मद लतीफ ने बताया कि वक्फ बोर्ड की अनुमति के बाद यह कदम उठाया गया है। लतीफ ने सोमवार शाम पीटीआई-भाषा को बताया कि पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच मस्जिद की छत को हटाने के साथ ही ध्वस्तीकरण की कार्वाई शुरू हो गई। वक्फ बोर्ड ने हमें अनुमति दे दी, जिसके बाद मजदूरों को बुलाया गया और आज छत हटाने का काम शुरू हो गया। लतीफ ने संवाददाताओं को बताया कि निगम आयुक्त (एमसी) अदालत का पांच अक्टूबर का आदेश प्राप्त होने के बाद इसकी सूचना वक्फ बोर्ड को दे दी गई। एमसी अदालत के आदेश में वक्फ बोर्ड और संजौली मस्जिद समिति के अध्यक्ष को पांच मंजिला विवादित ढांचे की तीन मंजिलों को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया था।

एमसी अदालत के आदेश के मुताबिक वक्फ बोर्ड और मस्जिद समिति के अध्यक्ष को दो महीने में मस्जिद के अनधिकृत हिस्से को अपने खर्च पर गिराना होगा। उन्होंने कहा, वित्तीय मदद मुख्य मुद्दा है क्योंकि न तो जनता और न ही सरकार ढांचे को ध्वस्त करने के लिए धन देगी और मस्जिद समिति को अपने सीमित संसाधनों से खर्च वहन करना होगा। लतीफ उस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे जिसने 12 सितंबर को मस्जिद की अनधिकृत मंजिलों को ध्वस्त करने की पेशकश करते हुए ज्ञापन सौंपा था। इससे एक दिन पहले संजौली क्षेत्र में मस्जिद के एक हिस्से को ध्वस्त करने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन में 10 लोग घायल हो गए थे। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि यह शायद प्रदेश में पहला ऐसा उदाहरण है, जहां मुस्लिम समुदाय के लोग शांति बनाए रखने के लिए खुद ही मस्जिद के अनधिकृत हिस्से को गिराने के लिए आगे आए।

समुदाय विशेष को 31 दिसंबर तक खंसर घाटी छोड़ने की चेतावनी संबधी खबर का प्रशासन ने किया खंडन

गोपेश्वर। उत्तराखंड के चमोली जिला प्रशासन ने गैरसैंण तहसील में खंसर घाटी के माईथान गांव के स्थानीय लोगों और व्यापार मंडल द्वारा एक समुदाय विशेष के लोगों को 31 दिसंबर तक क्षेत्र को छोड़कर चले जाने की चेतावनी देने की खबरों का सोमवार को खंडन करते हुए कहा कि उन्होंने केवल बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन की मांग की थी। चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि गैरसैंण में समुदाय विशेष को लेकर प्रचारित खबरों का वहां के व्यापार मंडल के अध्यक्ष ने खंडन किया है।

वहां के व्यापार मंडल के अध्यक्ष ने स्पष्टीकरण दिया है कि उन्होंने एक जनचेतना रैली निकाली थी जिसकी मंशा थी कि वहां रेहड़ी और फड़ लगा रहे बाहरी व्यक्तियों का प्रशासन से सत्यापन कराया जाए। उसका उददेश्य यह था कि इलाके में किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना या कानून और व्यवस्था को लेकर कोई समस्या उत्पन्न न हो। तिवारी ने कहा कि क्षेत्र में स्थिति सौहार्दपूर्ण है और किसी तरह का कोई तनाव नहीं है। माईथान के व्यापार मंडल और स्थानीय लोगों ने जिले में बढ़ रही आपराधिक गतिविधियों पर चर्चा के लिए 16 अक्टूबर को बुलाई एक बैठक में वहां रह रहे एक समुदाय विशेष के लोगों को कथित रूप से 31 दिसंबर तक इलाके को छोड़ देने की चेतावनी देते हुए कहा था कि ऐसा न होने पर उन्हें तथा उनके मकान मालिकों पर जुर्माना लगाया जाएगा।

इस बैठक में खंसर घाटी के अन्य गांवों के लोग भी शामिल हुए थे। माईथान व्यापार मंडल के अध्यक्ष बलदेव सिंह नेगी ने कथित रूप से कहा था कि पिछले कुछ समय से पूरे जिले में खासतौर पर महिलाओं से जुड़ी आपराधिक घटनाएं बढ़ती जा रही हैं और इनमें समुदाय विशेष के लोगों की संलिप्तता देखी जा रही है।

कथित रूप से कहा था कि ऐसी आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए व्यापार मंडल और क्षेत्र के स्थानीय लोगों ने यह निर्णय लिया है। नेगी ने कथित रूप से कहा था, इस मसले पर सभा कर सर्वसम्मति से दो प्रस्ताव पारित किए। पहला, यहां रह रहे दूसरे समुदाय के लोगों को क्षेत्र से बाहर जाने के लिए 31 दिसंबर तक की मोहलत दी गई और दूसरा, फेरी के नाम पर क्षेत्र में आने वाले लोगों को 31 दिसंबर के बाद यहां रूकने पर रोक लगाई गई। कथित रूप से कहा था कि चमोली जिले के नंदानगर और उसके बाद गौचर की घटना तथा हाल के दिनों में खंसर घाटी में बिना सत्यापन के आ रहे फेरीवालों और दूसरे समुदाय के लोगों की बढ़ रही संख्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया। अल्मोड़ा जिले की सीमा से सटे चमोली जिले की गैरसैंण तहसील का सुदूरवर्ती गांव माईथान रामगंगा घाटी में कर्णप्रयाग-नैनीताल राष्ट्रीय राजमार्ग से बछुवाबाड़ जाने वाली सड़क पर स्थित है।

पेज 1 का शेष

एलएसी...

लिबरेशन आर्मी (पीएलए) पर देपसांग और डेमचोक क्षेत्रों से पीछे हटने का दबाव बना रहा है। पिछले महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि चीन के साथ 'अलगाव की समस्याओं' में से लगभग 75 प्रतिशत का समाधान हो चुका है, लेकिन बड़ा मुद्दा सीमा पर सैन्यीकरण का बढ़ना है। जिनेवा सेंटर फॉर सिक्योरिटी पॉलिसी में उन्होंने कहा, 'अब वे वार्ताएं चल रही हैं। हमने कुछ प्रगति की है। मैं मोटे तौर पर कह सकता हूं कि अलगाव की समस्याओं में से लगभग 75 प्रतिशत का समाधान हो चुका है।' उन्होंने कहा, 'हमें अभी भी कुछ काम करने हैं।' रूस में आगामी सम्मेलन के संबंध में, कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन, जिसका विषय 'न्यायसंगत वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना है', नेताओं को प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, शिखर सम्मेलन ब्रिक्स पहलों पर प्रगति की समीक्षा करने और सहयोग के लिए नए क्षेत्रों की खोज करने का अवसर प्रदान करता है। प्रधानमंत्री मोदी से इस यात्रा के दौरान रूस के कज़ान में ब्रिक्स देशों के नेताओं और अन्य आमंत्रित प्रतिभागियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की उम्मीद है। मूल रूप से ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से बना यह समूह अब ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात को शामिल करने के लिए विस्तारित हो गया है।

दिल्ली बम...

का आम तौर पर चहल-पहल वाला बाजार डर के कारण सुनसान रहा। इससे व्यवसायी परेशान हैं। उन्हें दिवाली के त्योहार से पहले घाटा हो रहा है, जो आमतौर पर आभूषणों सहित वस्तुओं की बिक्री का चरम समय होता है। इसके अलावा, घटनास्थल के पास के दो स्कूलों, जिनमें सीआरपीएफ स्कूल और लैंसेंट कॉन्वेंट शामिल हैं, में छात्रों की कम उपस्थिति देखी गई, क्योंकि माता-पिता उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। विस्फोट को खालिस्तान से जोड़कर, सोशल मीडिया पर एक कथित टेलीग्राम पोस्ट प्रसारित किया जा रहा था, जिसमें दावा किया गया था कि यह विस्फोट कथित तौर पर भारतीय एजेंटों द्वारा खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों को 'निशाना' बनाने के प्रतिशोध में किया गया था।' 'जस्टिस लीग इंडिया' द्वारा एक टेलीग्राम पोस्ट में लिखा गया, अगर भारतीय कायर एजेंसी और उनके मालिक सोचते हैं कि वे हमारी आवाज़ को दबाने के लिए हमारे सदस्यों को निशाना बनाने के लिए गुंडों को किराए पर ले सकते हैं, तो वे मूर्खों की दुनिया में रहते हैं। वे कल्पना नहीं कर सकते कि हम उनके कितने करीब हैं और हम किसी भी समय हमला करने में कितने सक्षम हैं 'खालिस्तान जिंदाबाद जेएलआई' । रविवार की देर शाम सोशल मीडिया पर यह पोस्ट सामने आई, जिसमें विस्फोट के पीछे खालिस्तानी अलगाववादियों की संभावित संलिप्तता की ओर इशारा किया गया। एक पुलिस सूत्र ने कहा, पुलिस ने - जस्टिस लीग इंडियन - के बारे में जानकारी के लिए टेलीग्राम को लिखा है, जिसमें विस्फोट का सीसीटीवी खालिस्तान जिंदाबाद वॉटरमार्क के साथ साझा किया गया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने अब तक घटनास्थल के आसपास और घटनास्थल की ओर जाने वाले मार्गों पर लगे 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की है। सूत्र ने बताया, जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में किसी भी ठोस संदिग्ध की पहचान नहीं की गई है। केवल दो व्यक्तियों की धुंधली तस्वीरें देखी गई हैं, लेकिन उनके चेहरे स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहे हैं, जिसमें विस्फोट से एक रात पहले विस्फोट स्थल पर देखा गया एक सफेद टी-शर्ट वाला संदिग्ध भी शामिल है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल, क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस की टीमें मामले की जांच कर रही हैं। भारतीय न्याय संहिता की धारा 326 (जी) (सार्वजनिक सुरक्षा के लिए गंभीर परिणाम वाली शरारत), सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान से बचाव अधिनियम और विस्फोटक अधिनियम के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्रशांत विहार थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। जांच के दौरान, लोगों से पूछताछ से पता चला कि सफेद धुएं के साथ तेज आवाज हुई थी। विस्फोट से स्कूल की बाउंड्री वॉल में छेद हो गया। इसके अलावा, विस्फोट के प्रभाव से सीआरपीएफ स्कूल के सामने की दुकानों की खिड़की के शीशे और साइनबोर्ड क्षतिग्रस्त हो गए। कॉलर आकाश पुत्र अजय सिंह निवासी बी-10, प्रशांत विहार, दिल्ली से पूछताछ की गई और उसने खुलासा किया कि वह अपने घर पर सो रहा था और उसने विस्फोट की आवाज सुनी, इसलिए उसने पीसीआर को फोन किया।

दिल्ली की हवा...

हृदय संबंधी बीमारियों का कारण बन सकते हैं। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने 16 अक्टूबर के अपने आदेश में कहा कि अध्ययन के अनुसार, भारी धातु जोखिम सूचकांक (एचईआई) का सबसे अधिक स्तर लुधियाना (21.78) में पाया गया, उसके बाद पूर्वी दिल्ली (21.45) और पंचकूला (10.74) का स्थान रहा।

फर्जी बम...

करना चाहते हैं कि इस तरह की घटनाएँ न हों। मंत्री ने कहा कि कॉल आने के बाद से हितधारकों के साथ कई बैठकें की गई हैं ताकि इस तरह की धमकियाँ देने वाले लोगों की पहचान होने के बाद उन्हें नो-फ्लाई सूची में डाला जा सके। उन्होंने कहा कि केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार यात्रियों की सुरक्षा से समझौता नहीं करेगी। मंत्री ने कहा कि बम की धमकियों के मद्देनजर देश भर के हवाई अड्डों पर लगभग 10 प्रतिशत सुरक्षा बढ़ा दी गई है। संबंधित घटनाक्रम में, सोमवार को गृह मंत्रालय में एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक भी हुई, जिसमें विमानन सुरक्षा निकाय नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) से अपडेट जानकारी ली गई। ये बल हवाई अड्डों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार हैं। नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के महानिदेशक (डीजी) जुल्फिकार हसन और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक राजविंदर सिंह भट्टी ने यहां नॉर्थ ब्लॉक स्थित मोहन के कार्यालय में उनसे मुलाकात की। तीनों अधिकारी करीब आधे घंटे तक एक कमरे में बंद रहे। हालांकि, बैठक का ब्योरा तत्काल उपलब्ध नहीं है। सीआईएसएफ देश के 68 नागरिक हवाई अड्डों की सुरक्षा करता है। इसके करीब 40,000 जवान आतंकवाद रोधी सुरक्षा कवर प्रदान करते हैं, यात्रियों की तलाशी लेते हैं और सामान की जांच करते हैं।

पर्याप्त...

अदालत ने मौखिक रूप से कहा, हम आपके लिए अपवाद नहीं बना सकते। यदि आप उन्हें संग्रहीत करते हैं, तो (दुरुपयोग) की संभावना है। हम एक सील लगा देंगे। इसकी वीडियोग्राफी की जाएगी। दिल्ली सरकार ने 14 सितंबर को शहर भर में सभी प्रकार के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया, जो 1 जनवरी तक प्रभावी है। घोषणा करते हुए, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली के निवासियों से वायु प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार के प्रयासों का समर्थन करने का आग्रह किया।

देश भर में...

निर्माण 2010 में शुरू हुआ था। ऐसे और रिएक्टर विभिन्न स्थानों पर लगाए जा रहे हैं।' रमेश ने कहा, 'यह इस बात का एक और उदाहरण है कि हमारे विकास में कितनी निरंतरता है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस के शासनकाल में ही काकरापार में दो परमाणु रिएक्टरों को मंजूरी दी गई थी।

उप्र में ...

भारतीय सेवा में कार्यरत उत्तर प्रदेश के 115 शहीद कार्मिकों के आश्रितों को 36 करोड़ 20 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की गयी है। वहीं जिलों में तैनात पुलिस कर्मियों की सुख सुविधा के लिए 3 करोड़ 50 लाख, कल्याण के लिए 4 करोड़, कार्यरत, सेवानिवृत पुलिसकर्मी एवं उनके आश्रितों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी 2,66 दावों के निस्तारण के लिए 30 लाख 56,000 रुपए की राशि दी गयी। इसी तरह पांच लाख से अधिक चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी 3,12 प्रकरण के लिए 12 करोड़ 60 लाख, 135 पुलिस कर्मियों और उनके आश्रितों की गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए अग्रिम ऋण के रूप में 5 करोड़ 5 लाख , जीवन बीमा योजना के तहत 3,06 मृतक पुलिस कार्मिकों के आश्रितों की सहायता के लिए 9 करोड़ 8 लाख रुपए, पुलिस कर्मियों और उनके आश्रितों द्वारा कराए गए कैशलेस उपचार के तहत 31 लाख 16 हजार रुपए, पुलिस कार्मिकों के 205 मेधावी छात्रों को शिक्षा निधि के माध्यम से 53 लाख 30,000 रुपये की छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया।

चंद्रबाबू नायडू ने अधिक बच्चे पैदा करने का आह्वान किया

भाषा।अमरावत

आंध्र प्रदेश की गिरती जन्म दर को लेकर मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य की महिलाओं से जनसंख्या स्थिर करने के लिए कम से कम दो बच्चे पैदा करने का आह्वान किया है।

इस टिप्पणी का कांग्रेस की आंध्र प्रदेश इकाई ने स्वागत किया है, जबकि सत्तारूढ़ युवजन श्रमिक रायतु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने इस मामले पर मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण पर सवाल उठाया है। नायडू ने कहा कि दक्षिण भारत में आबादी बूढ़ी हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्एक महिला को अपने जीवनकाल में दो से अधिक बच्चों को जन्म देना चाहिए। चेन्नई में, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने भी जनसंख्या के मुद्दे को उठाया और इसे परिसीमन कवायद से जोड़ा। आंध्र प्रदेश की जन्म दर प्रति महिला 2.1 जीवित जन्मों के प्रतिस्थापन स्तर से नीचे है। मुख्यमंत्री ने अमरावती में हाल में एक सार्वजनिक बैठक के दौरान कहा, हमें अपनी जनसंख्या को प्रबंधित करने की आवश्यकता है। 2047 तक, हमारे पास जनसांख्यिकीय लाभांश होगा, अधिक युवा होंगे। 2047 के बाद, अधिक बूढ़े लोग होंगे... यदि दो से कम बच्चे (प्रति महिला) जन्म लेते हैं, तो जनसंख्या कम हो जाएगी। यदि आप (प्रत्एक महिला) दो से अधिक बच्चों को जन्म देती हैं, तो जनसंख्या बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि राज्य की जन्म दर गिरकर 1.6 हो गई है। उन्होंने आशंका जताई कि वर्तमान स्थिति जारी रहने से जन्म दर और गिरकर एक या उससे भी कम हो सकती है, जहां समाज में केवल बूढ़े लोग ही दिखाई देंगे। नायडू ने कहा, भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए सभी को अधिक बच्चे पैदा करना अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। यह काम मैं (अधिक बच्चे पैदा करने का आह्वान) न केवल आपके लिए कर रहा हूं, बल्कि राष्ट्र के लिए, व्यापक भलाई के लिए कर रहा हूं। उन्होंने कहा, हम कोई भी काम करके पैसा कमा सकते हैं, लेकिन हम तभी काम करेंगे, जब हमारे बच्चे होंगे या जनसंख्या बढ़ेगी। यूरोप, जापान और अन्य क्षेत्रों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ए देश बुजुर्ग होती आबादी की समस्या से जूझ रहे हैं, जहां वृद्धों की संख्या बढ़ रही है और युवाओं की संख्या घट रही है। नायडू ने तर्क दिया कि दक्षिण भारत भी ऐसी ही स्थिति का सामना कर रहा है। वहीं, वाईएसआरसीपी के वरिष्ठ नेता जे. प्रभाकर राव ने नायडू के दृष्टिकोण के प्रभाव पर सवाल उठाया, जिसमें उन्होंने लोगों से करीब 10 साल पहले कम बच्चे पैदा करने और अब अधिक बच्चे पैदा करने के लिए कहा। राव ने पीटीआई-भाषा से कहा, उनके (नायडू) बारे में क्या कहा जाए। उनका एक ही बेटा है और उनके बेटे (नारा लोकेश) का भी एक ही बेटा है। वह दूरदर्शी व्यक्ति हैं। वाईएसआरसीपी नेता ने कहा कि राज्य के लोगों ने नायडू की सलाह पर ध्यान देते हुए जन्म नियंत्रण का पालन नहीं किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को सलाह दी कि वह अपनी तुलना किसी पूर्व चीनी नेता से न करें, जिनके अतीत में ऐसे आह्वान के सफल नतीजे मिले थे। कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने जनसंख्या बढ़ाने के नायडू के आह्वान का स्वागत किया। आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के उपाध्यक्ष कोलानुकोंडा शिवाजी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने दक्षिण भारत के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसा आह्वान किया है। शिवाजी ने कहा, परिसीमन के तहत हमारे क्षेत्र (दक्षिण भारत) की संसद सीटें कम हो जाएंगी और वे उत्तरी राज्यों में जुड़ जाएंगी। इसलिए, इससे उबरने के लिए समय नहीं है। इसलिए, जब यहां की आबादी बढ़ेगी, तो हमारी सीटें हमारे पास होंगी। इस बीच, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि लोकसभा परिसीमन प्रक्रिया से कई दंपतियों के 16 (तरह की संपत्ति) बच्चों की तमिल कहावत की ओर वापस लौटने की उम्मीदें बढ़ सकती हैं, लेकिन नतीजे जो भी हों, लोगों को अपने बच्चों को तमिल नाम देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा, संसदीय परिसीमन प्रक्रिया से दंपतियों को अधिक बच्चे पैदा करने और छोटा परिवार का विचार छोड़ने के लिए प्रोत्साहन मिल सकता है। लेकिन परिणाम जो भी हों, लोग अपने बच्चों को तमिल नाम दें। उन्होंने कहा कि अतीत में, बुजुर्ग नवविवाहित जोड़ों को 16 बच्चों का नहीं बल्कि 16 तरह की संपत्ति अर्जित करने और खुशहाल जीवन जीने का आशीर्वाद देते थे, जिसमें प्रसिद्धि, शिक्षा, वंश, धन आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे लोग खुशहाली के लिए परिवार छोटा रखने के महत्व को समझने लगे हैं। स्टालिन ने कहा, उस आशीर्वाद का मतलब 16 बच्चे पैदा करना नहीं है...लेकिन अब ऐसी स्थिति पैदा हो गई है जहां लोगों को लगता है कि अब उन्हें सचमुच 16 बच्चे पैदा करने चाहिए, न कि एक छोटा और खुशहाल परिवार रखना चाहिए।

परिसीमन क्वायद से अधिक बच्चे रखने की उम्मीद जग सकती है बच्चों को तमिल नाम दे : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को कहा कि लोकसभा परिसीमन प्रक्रिया से कई दंपतियों के 16 (तरह की संपत्ति) बच्चों की तमिल कहावत की ओर वापस लौटने की उम्मीदें बढ़ सकती हैं, लेकिन नतीजे जो भी हों, लोगों को अपने बच्चों को तमिल नाम देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने जनगणना और लोसकभा परिसीमन प्रक्रिया का जिक्र करते हुए कहा कि नवविवाहित जोड़े अब कम बच्चे पैदा करने का विचार त्याग सकते हैं।हिंदू धार्मिक मामलों के विभाग के तत्वावधान में आयोजित एक समारोह में 31 जोड़ों की शादी संपन्न कराने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, संसदीय परिसीमन प्रक्रिया से दंपतियों को अधिक बच्चे पैदा करने और छोटा परिवार का विचार छोड़ने के लिए प्रोत्साहन मिल सकता है। लेकिन परिणाम जो भी हों, लोग अपने बच्चों को तमिल नाम दें। उन्होंने कहा कि अतीत में, बुजुर्ग नवविवाहित जोड़ों को 16 बच्चों का नहीं बल्कि 16 तरह की संपत्ति अर्जित करने और खुशहाल जीवन जीने का आशीर्वाद देते थे, जिसमें प्रसिद्धि, शिक्षा, वंश, धन आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे लोग खुशहाली के लिए परिवार छोटा रखने के महत्व को समझने लगे हैं। स्टालिन ने कहा, उस आशीर्वाद का मतलब 16 बच्चे पैदा करना नहीं है... लेकिन अब ऐसी स्थिति पैदा हो गई है जहां लोगों को लगता है कि अब उन्हें सचमुच 16 बच्चे पैदा करने चाहिए, न कि एक छोटा और खुशहाल परिवार रखना चाहिए।

बरामद सोना जौहरी को बेचने के आरोप में थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मी हुए निलंबित

कानपुर। (भाषा) उत्तर प्रदेश के कानपुर में चोरी किए जेवरात बरामद किए जाने के बाद उन्हें पिघलाकर जौहरी को बेचने के आरोप में एक थाना प्रभारी और प्रशिक्षु दरोगा समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) हरीश चंदर ने बताया कि बर्रा थाना क्षेत्र में एक अक्टूबर को अध्यापिका शालिनी दुबे के घर में घुसे चोरों ने सोने के आभूषण समेत कीमती सामान पर हाथ साफ कर लिया जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले ही कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। चंदर ने बताया, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि अध्यापिका के घर में चोरी के मामले में उन्हें रेल बाजार थाने की पुलिस ने हिरासत में लिया था। इस दौरान उन्होंने अपना अपराध कुबूल करते हुए पुलिस को उस जौहरी के बारे में भी बताया था जिसे उन्होंने लूटा हुआ सोना बेचा था। अपर पुलिस आयुक्त के अनुसार, जांच में पता चला कि रेल बाजार थाने के पुलिसकर्मियों ने बताए गए जौहरी को बुलाया था जिसने अपना अपराध कुबूल करते हुए पुलिस को करीब 25 लाख रुपए का सोना लौटा दिया। जौहरी ने उसके खिलाफ मामला दर्ज न करने का अनुरोध किया था। उन्होंने दावा किया, आरोपी पुलिसकर्मियों ने गहनों को पिघलाकर शुद्ध सोना निकाला और बाद में उसे दूसरे जौहरी को बेच दिया। इन गंभीर आरोपों की जांच के लिए एक टीम गठित की गई थी। जांच में पुलिसकर्मियों को अवैध रूप से सोना बेचने और कर्तव्य पालन में लापरवाही बरतने का दोषी पाया गया। चंदर के मुताबिक इस आधार पर रेल बाजार थाने के प्रभारी विजय दर्शन शर्मा, प्रशिक्षु दारोगा नवीन श्रीवास्तव, हेड कांस्टेबल सुभाष तिवारी और आमिल हफीज को सोमवार को निलंबित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ कानूनी कार्वाई की जा रही है।

संभल में पूर्व मंत्री के बेटे और सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष के खिलाफ बिजली चोरी का केस

संभल।(भाषा) संभल जिले में बिजली विभाग ने एक पूर्व मंत्री के बेटे और समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व जिलाध्यक्ष के खिलाफ बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। संभल के बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता नवीन गौतम ने बताया कि शनिवार को बारादरी रोड सराय तरीन कस्बे में अकिल उर रहमान के बेटे आमिर बिन अकिल से जुड़े एक परिसर की जांच में बिजली चोरी पाई गई जिसके बाद आमिर के खिलाफ एंटी पावर थेफ्ट थाने में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया।अकिल उर रहमान बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सरकार में मंत्री रहे और अब वह समाजवादी पार्टी (सपा) में हैं। इस मामले में आमिर बिन अकिल की तरफ से एक लाख 65 हजार रुपए का जुर्माना भर दिया गया है। आमिर ने पीटीआई-भाषा से कहा, जिस दिन बिजली विभाग की टीम ने जांच की, हम एक रिश्तेदार की मातमपुर्सी में गए थे। एक तार बिजली के मीटर से अलग निकला हुआ था।हमने इसमें पूरा जुर्माना बिजली विभाग में जमा करा दिया है, अब कोई बात नहीं है। हमने इसमें पूरा जुर्माना बिजली विभाग में जमा करा दिया है, अब कोई बात नहीं है। नवीन गौतम ने बताया कि रविवार को हयातनगर के पक्का बाग में जांच के दौरान फिरोज खान (सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष) के निजी कार्यालय में बिजली चोरी पकड़ी गई। उन्होंने बताया कि खान के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कराया गया है और जुर्माने का आकलन किया जा रहा है। फिरोज खान ने पीटीआई-भाषा को बताया, मेरे यहां जेनरेटर लगा हुआ है, उसी से लाइट आती है। खान ने आरोप लगाया, यह मुकदमा राजनीति के चलते किए जा रहे हैं क्योंकि मैं कुंदरकी विधानसभा सीट पर 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए सपा से टिकट मांग रहा हूं। उन्होंने दावा किया, मुझे उलझाने के लिए यह मुकदमा किया गया है, मुझे अपनी जान का भी खतरा लग रहा है। मैं मंगलवार को संभल के पुलिस अधीक्षक से मिलूंगा।

दुनिया में उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की किरण बना: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक उभरती हुई शक्ति करार देते हुए सोमवार को कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है, वह उम्मीद की एक किरण बना है तथा आशा का संचार कर रहा है। एक समाचार चैनल की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि भारत हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है और इसका पैमाना अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा, आज जब चर्चा का केंद्र चिंता ही है, तब भारत में चर्चा का विषय है भारत की शताब्दी। दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की एक किरण बना है। जब दुनिया चिंता में डूबी है, तब भारत आशा का संचार कर रहा है।मोदी ने कहा कि हालांकि भारत की अपनी चिंताएं हैं, लेकिन इसमें सकारात्मकता की भावना है जो सभी भारत के लिए महसूस भी करते हैं।उन्होंने कहा, भारत आज एक विकासशील देश भी है और उभरती हुई शक्ति भी है। हम गरीबी की चुनौतियां भी समझते हैं और प्रगति का रास्ता बनाना भी जानते हैं। हमारी सरकार तेजी से नीतियां बना रही है, निर्णय ले रही है, नए सुधार कर रही है। उन्होंने कहा, आज भारत हर सेक्टर में, हर क्षेत्र में जिस तेजी से काम कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। भारत की गति, भारत का पैमाना अप्रत्याशित है। प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल के शुरुआती 125 दिनों में किए गए विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब भारत भविष्य की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है>

जितने भी माफिया है अखिलेश यादव उनके सरगना: केशव प्रसाद

हरदोई। (भाषा) उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जितने भी माफिया हैं, अखिलेश यादव उनके सरगना और सरदार हैं। मौर्य ने हरदोई के शाहाबाद में प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी के पति एवं पूर्व विधायक उपेंद्र तिवारी की श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए दावा किया, माफिया जिस दिन समाजवादी पार्टी को छोड़ देंगे उस दिन समाजवादी पार्टी समाप्तवादी पार्टी बन जाएगी। उन्होंने कहा, अपराधियों के खिलाफ, माफिया के खिलाफ, दंगाइयों के खिलाफ कार्यवाही होती है तो अखिलेश यादव विचलित हो जाते हैं, क्योंकि जिस दिन गुंडे अपराधी माफिया दंगाई सपा का साथ छोड़ देंगे उसी दिन सपा समाप्तवादी पार्टी हो जाएगी। मौर्य ने दोहराया कि गुंडे, अपराधी, माफिया, भू माफिया, नकल माफिया जितने भी माफिया हैं, अखिलेश यादव उनके सरगना है सरदार हैं। उपमुख्यमंत्री ने इस दौरान विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास एवं निरीक्षण किया। मौर्य ने उप्र में विधानसभा की नौ सीटों पर 13 नवंबर को होने वाले चुनाव को लेकर भरोसा जताते हुए कहा हमें पूरा विश्वास है कि यूपी के होने जा रहे उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी जीतेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी ने मिलकर झूठ बोलकर के गुमराह करके कुछ सफलता हासिल की है, जो गुब्बारे की तरह है। भाजपा नेता ने कहा कि जनता गुब्बारे की हवा निकाल देगी।

धर्मनिरपेक्षता को हमेशा संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न हिस्सा माना गया

नई दिल्ली।(भाषा) उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि धर्मनिरपेक्षता को हमेशा से भारतीय संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न अंग माना गया है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने पूर्व राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की, जिन्होंने संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को शामिल किए जाने को चुनौती दी है। पीठ ने कहा, इस न्यायालय ने कई निर्णयों में माना है कि धर्मनिरपेक्षता हमेशा से संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा रही है। अगर समानता के अधिकार और संविधान में प्रयुक्त बंधुत्व शब्द को सही से देखा जाए, तो इस बात का स्पष्ट संकेत मिलता है कि धर्मनिरपेक्षता को संविधान की मुख्य विशेषता माना गया है। इंदिरा गांधी सरकार द्वारा 1976 में लाए गए 42वें संविधान संशोधन के तहत संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द शामिल किए गए थे। इस संशोधन ने प्रस्तावना में भारत का उल्लेख संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्यै से बदलकर संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्यै कर दिया। सुनवाई के दौरान जैन ने दलील दी कि डॉ. बी.आर. आंबेडकर ने कहा था कि समाजवाद शब्द को शामिल करने से व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावना को संशोधनों के जरिए संशोधित नहीं किया जा सकता।न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि समाजवाद के अलग-अलग अर्थ हैं और पश्चिमी देशों में अपनाए गए अर्थ को नहीं लिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, समाजवाद का अर्थ यह भी हो सकता है कि अवसर की समानता होनी चाहिए और देश की संपत्ति समान रूप से वितरित की जानी चाहिए। याचिकाकर्ताओं में शामिल अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि वह न तो समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्दों के खिलाफ हैं और न ही संविधान में उनके शामिल किए जाने के खिलाफ हैं, बल्कि वह इन शब्दों को 1976 में प्रस्तावना में शामिल किए जाने के खिलाफ हैं और वह भी 26 नवंबर, 1949 से पूर्वव्यापी प्रभाव के साथ। उन्होंने कहा कि एक शब्द जोड़ने से देश में कोई वास्तविक प्रभाव नहीं पड़ता, बल्कि भविष्य की सरकारों के लिए भानुमती का पिटारा खुल जाता है। उन्होंने कहा कि ए सरकारें इन शब्दों के साथ खेल सकती हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावना से एक शब्द हटाया जा सकता है। दूसरी ओर, स्वामी ने कहा कि प्रस्तावना 26 नवंबर, 1949 को की गई एक घोषणा थी, इसलिए बाद में संशोधन के माध्यम से इसमें और शब्द जोड़ना मनमाना था। उन्होंने कहा कि यह दर्शाना गलत है कि वर्तमान प्रस्तावना के अनुसार, भारतवासी 26 नवंबर, 1949 को भारत को एक समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष गणराज्य बनाने के लिए सहमत हुए थे। पीठ ने कहा कि वह मामले की पड़ताल करेगी। इसने मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 नवंबर की तारीख निर्धारित की। शीर्ष अदालत ने नौ फरवरी को सवाल किया था कि क्या संविधान की प्रस्तावना को अपनाने की तारीख, 26 नवंबर, 1949 को बरकरार रखते हुए संशोधित किया जा सकता है। जैन ने कहा कि भारत के संविधान की प्रस्तावना एक विशिष्ट तिथि के साथ आती है, इसलिए, बिना चर्चा के इसमें संशोधन नहीं किया जा सकता। स्वामी ने कहा कि 42वां संशोधन अधिनियम आपातकाल (1975-77) के दौरान पारित किया गया था। शीर्ष अदालत ने दो सितंबर, 2022 को स्वामी की याचिका को अन्य लंबित मामले बलराम सिंह और अन्य के साथ सुनवाई के लिए संलग्न कर दिया था। स्वामी और सिंह दोनों ने प्रस्तावना से 'समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग की है। स्वामी ने अपनी याचिका में दलील दी कि प्रस्तावना को बदला या निरस्त नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावना न केवल संविधान की आवश्यक विशेषताओं को इंगित करती है, बल्कि उन मूलभूत शर्तों को भी दर्शाती है जिनके आधार पर इसे एकीकृत समुदाय बनाने के लिए अपनाया गया था।

भदोही में इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य की हत्या

भदोही।(भाषा) भदोही जिले मे एक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य की सोमवार को कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक मीनाक्षी कात्यायन ने बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल चौराहे पर स्थित इंद्र बहादुर सिंह नेशनल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य योगेंद्र बहादुर सिंह (56), अभिलौरी गांव स्थित अपने घर से कार मे सवार होकर निकले थे तभी घर से दो सौ मीटर की दूरी पर पूर्वाह्न करीब 10 बजे मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात युवकों ने कार के टायर पर गोली चला दी। उन्होने बताया कि इसके बाद उन्होने कार के पास पहुंचकर सिंह पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी और हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सिंह को पास के एक सरकारी अस्पताल मे ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। उन्होने बताया कि आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है और हमलावरो को पकड़ने के लिए टीम ने घेराबंदी की है। कॉलेज के प्रबंधक एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के काशी प्रांत के क्षेत्रीय मंत्री आशीष सिंह बघेल ने बताया कि योगेंद्र 1994 से कॉलेज मे बतौर शिक्षक तैनात थे और इसी वर्ष एक जुलाई को उन्हे कॉलेज के प्रधानाचार्य पद पर पदोन्नति दी गई थी।

न्यायालय ने गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों के संदर्भ मे एनसीपीसीआर की सिफारिश पर रोक लगाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बाल अधिकार निकाय राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की उस सिफारिश पर रोक लगा दी है जिसमे राज्यो से गैर-मान्यता प्राप्त मदरसो के छात्रो को सरकारी स्कूलो मे स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने मुस्लिम संगठन जमियत उलेमा-ए-हिंद की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता की दलीलो पर गौर किया कि एनसीपीसीआर की सिफारिश और कुछ राज्यो की ओर से इसके परिणामस्वरूप की गई कार्वाई पर रोक लगाने की आवश्यकता है। संगठन ने उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा सरकारो के उस निर्देश को चुनौती दी है जिसमे कहा गया है कि गैर-मान्यता प्राप्त मदरसो के छात्रो को सरकारी स्कूलो मे स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि इस वर्ष सात जून और 25 जून को जारी एनसीपीसीआर के सिफारिश पर कार्वाई नही की जानी चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा कि इसके परिणामस्वरूप किए गए राज्यो के आदेश भी स्थगित रहेंगे। न्यायालय ने मुस्लिम संस्था को उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा के अलावा अन्य राज्यो को भी अपनी याचिका मे पक्षकार बनाने की अनुमति दी।

वक्फ संबंधी समिति की बैठक में हुई नोकझोंक

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक पर सोमवार को संयुक्त संसदीय समिति की बैठक में सांसदों के सवालों के जवाब दिए और विस्तृत प्रस्तुति दी, जिस दौरान कुछ विपक्षी सदस्यों ने तर्क दिया नए कानून को लेकर मंत्रालय से वर्षों से कभी भी परामर्श नहीं किया गया। वर्ष 1976 में संविधान में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को शामिल करने को चुनौती के लिए उच्चतम न्यायालय में दायर याचिकाओं का असर भी बैठक पर पड़ा क्योंकि विपक्षी सांसदों द्वारा कुछ वकीलों से बयान लेने के समिति के फैसले पर सवाल उठाने के बाद नोकझोंक भी हुई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक सांसद ने कहा कि किसी भी प्रस्तावित कानून में सभी भारतीय हितधारक जुड़े हैं और समिति अपने विवेक से किसी को भी मूल्यवान सुझाव देने के लिए बुला सकती है जिसे वह उचित समझे।

प्रधान न्यायाधीश पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे सपा महासचिव रामगोपाल

मैनपुरी (भाषा) समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव राम गोपाल यादव भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ पर कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी करके विवादों में घिर गए हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने यादव के खिलाफ कानूनी कार्वाई की मांग की है। सपा नेता की टिप्पणी का एक वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो हंगामा मच गया। हालांकि, राम गोपाल ने कहा कि उनकी टिप्पणी प्रधान न्यायाधीश को लक्ष्य करके नहीं की गई थी और उन्होंने पूरे मामले की जांच की मांग की। राम गोपाल की विवादास्पद टिप्पणी कथित तौर पर मीडिया की ओर से पूछे गए उस सवाल के जवाब में आई जिसके तहत उनसे पुणे में दिए गए चंद्रचूड़ के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई थी। चंद्रचूड़ ने बयान दिया था कि उन्होंने अयोध्या विवाद के समाधान के लिए भगवान से प्रार्थना की थी और कहा था कि अगर कोई आस्था पर कायम रहता है तो भगवान रास्ता ढूंढ़ ही लेते हैं। सवाल का जवाब देते हुए राम गोपाल ने कहा, मैं इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। जब आप मृतकों को जीवित करते हैं, तो वे भूत बन जाते हैं और आपके पीछे पड़ जाते हैं। इसी संदर्भ में मीडिया के एक अन्य प्रश्न पर यादव को एक अपशब्द का उपयोग करते हुए और यह पूछते हुए सुना गया कि उन्हें ऐसे सभी लोगों पर संज्ञान क्यों लेना चाहिए। टिप्पणी पर विवाद के बीच, यादव ने स्पष्ट किया कि उनसे प्रधान न्यायाधीश या न्यायपालिका से संबंधित कोई प्रश्न नहीं पूछा गया था और उन्होंने इस संबंध में कुछ भी नहीं कहा। उन्होंने एक्स पर हिंदी में किए गए एक पोस्ट में कहा, 'मैंने जिलाधिकारी और मैनपुरी के पुलिस अधीक्षक से (मामले की) जांच करने को कहा है। राम गोपाल ने कहा, आज समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार तेज प्रताप सिंह ने करहल विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। मैं भी मैनपुरी में था। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सैकड़ों लोग थे। उनमें से ज्यादातर करहल, मिल्कीपुर और बहराइच के बारे में पूछ रहे थे। उन्होंने कहा कि कुछ शरारती लोगों ने बहराइच के बारे में कुछ लोगों के अप्रासंगिक बयान पर मेरे जवाब पर एक काल्पनिक सवाल बनाया और उसमें प्रधान न्यायाधीश का नाम जोड़ दिया। राम गोपाल ने कहा कि उनसे प्रधान न्यायाधीश और न्यायपालिका से जुड़ा कोई सवाल नहीं पूछा गया और न ही उन्होंने इस संबंध में कुछ कहा है। उप्र भाजपा के प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा, 'राम गोपाल की टिप्पणी न्यायपालिका की अवमानना है और समाजवादी पार्टी को उनके खिलाफ कार्वाई करनी चाहिए। वह एक प्रोफेसर के रूप में जाने जाते हैं, लेकिन उनकी हरकतें एक शरारती बच्चे जैसी हैं।

छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

वाराणसी। चितईपुर थाना अंतर्गत मनोरथ पूरी लेन नंबर 10 में एक 17 वर्षीय छात्र ने फांसी लगा लिया जिसके बाद परिजनों में हड़कंप मच गयाण् आनंन फानन में छात्र को सर सुंदरलाल चिकित्सालय के इमरजेंसी में लाया गयाण् परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दियाण् प्राप्त जानकारी के अनुसार निशांत कुमार नामक 17 वर्षीय छात्र जो केंद्रीय विद्यालय बीएचयू में पढ़ता थाण् आज दोपहर में अपने कमरे मैं गया और पंखे के सहारे दुपट्टा से फांसी लगा लियाण् सर सुंदरलाल चिकित्सालय में कार्यरत है वह ड्यूटी करके अपने घर पहुंची थीण् जब निशांत की माता सुषमा ने दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कोई भी जवाब नहीं मिलाण् झांक कर कमरे में देखा तो निशांत पंखे के सहारे लटक रहा थाण् निशांत के पिता बीएचयू आईएमएस डायरेक्टर के ड्राइवर हैण् घर से परिजनों ने निशांत पिता को फोन करके इस घटना से अवगत करायाण् निशांत के पिता भी कर सुंदर लाल के इमरजेंसी में पहुंचे जहां डॉक्टरों ने निशांत को मृत घोषित कर दिया थाण् निशांत तीन भाई बहनों में सबसे बड़ा थाण् फिलहाल अभी तक पता नहीं चल पाया कि निशांत किन कारणो से फांसी लगाया थाण् घटना की सूचना के बाद निशांत के पिता जगत देव ने अपने रिश्तेदारों को भी सूचित कियाण् घटना की सूचना के बाद सर सुंदर लाल चिकित्सालय के इमरजेंसी पहुंचकर जांच पड़ताल और पूछताछ में जुट गई हैण् फिलहाल इस घटना से परिजन काफी स्तब्ध हैण्वही पूछताछ में जगह देव ने बताया कि किसी भी प्रकार से निशांत को ना तो डाटा गया ना तो फटकार गया ना ही कोई इसके साथ ऐसी घटना हुई जिससे उसने यह आत्मघाती कदम उठाया है।

निष्कासित भारतीय उच्चायुक्त का कनाडा में सिख नेता की हत्या में संलिप्तता से इनकार

भाषा। वैंकूवर

वर्मा ने कहा इस मामले कोई सबूत नही दिया गया है- यह आरोप पूरी तरह राजनीति से प्रेरित है

कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने कनाडाई सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर की पिछले साल ब्रिटिश कोलंबिया में हुई हत्या में किसी भी प्रकार की संलिप्तता से इनकार किया है। हालांकि, कनाडाई सरकार ने इस हत्या में उनकी संलिप्तता का आरोप लगाया है। कनाडा ने गत सोमवार को संजय कुमार वर्मा समेत पांच अन्य भारतीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था। वर्मा ने सीटीवी के क्रेश्चन पीरियड संडे में एक साक्षात्कार में कहा कि ए आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। यह पूछने पर कि क्या 18 जून 2023 को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक सांस्कृतिक केंद्र के बाहर हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर की गई हत्या में उनकी कोई भूमिका थी, इस पर वर्मा ने कहा, बिल्कुल भी नहीं। कोई सबूत नहीं दिया गया है। यह राजनीति से प्रेरित है। कनाडा में रह रहे चार भारतीय नागरिकों पर निज्जर की हत्या के आरोप लगाए गए हैं और उन पर मुकदमा चलाया जाना है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने गत सप्ताह आरोप लगाए थे कि भारतीय राजनयिक कनाडा में सिख अलगावदियों के बारे में अपने देश की सरकार के साथ सूचना साझा करके उन्हें निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि शीर्ष भारतीय अधिकारी उस जानकारी को भारत के संगठित आपराधिक समूहों को दे रहे हैं, जो गोलीबारी, वसूली और यहां तक कि हत्या कर ऐसे कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं जो कनाडाई नागरिक हैं। वर्मा ने कनाडा में भारत सरकार द्वारा सिख अलगावावादियों को निशाना बनाए जाने से इनकार किया। उन्होंने कहा, मैंने भारत के उच्चायुक्त के रूप में ऐसा कभी कुछ नहीं किया। कनाडा में भारतीय अधिकारियों द्वारा की गई कोई भी कार्वाई सबके सामने थी। वर्मा ने साक्षात्कार में निज्जर की हत्या की निंदा की। उन्होंने कहा, कोई भी हत्या गलत और बुरी बात है। मैं इसकी निंदा करता हूं। वर्मा ने कनाडाई विदेश मंत्री मेलानी जोली की उस टिप्पणी पर भी पलटवार किया, जिसमें भारत की तुलना रूस से की गई थी। जोली ने कहा था कि कनाडा के राष्ट्रीय पुलिस बल ने भारतीय राजनयिकों को कनाडा में हत्याओं और जान से मारने की धमकियों से जोड़ा है।

भारतीय राजदूत ने कहा, वह जिस बारे में बात कर रही हैं, मुझे उसका ठोस सबूत देखने दीजिए। जहां तक मैं जानता हूं, वह राजनीतिक बातें कर रही हैं। भारत, कनाडा के आरोपों को बेतुका बताकर खारिज कर चुका है और विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह इसके जवाब में कनाडा के कार्यवाहक उच्चायुक्त तथा पांच अन्य राजनयिकों को निष्कासित कर रहा है।वर्मा ने कहा कि कनाडाई आरोपों के बारे में हमारे साथ एक भी सबूत साझा नहीं किया गया। आरसीएमपी ने कहा है कि इस महीने की शुरुआत में भारतीय अधिकारियों के साथ सबूत साझा करने के प्रयास असफल रहे थे। वर्मा ने कहा कि आरसीएमपी ने भारत की यात्रा करने के लिए उचित वीजा के वास्ते आवेदन नहीं दिया था। उन्होंने कहा, वीजा लगाना होगा। किसी भी सरकारी प्रतिनिधिमंडल के लिए किसी अन्य देश की यात्रा करने के वास्ते आपको एक एजेंडे की आवश्यकता होती है। उनका कोई भी एजेंडा नहीं था। कनाडा इकलौता देश नहीं है जिसने भारतीय अधिकारियों पर विदेशी सरजमीं पर हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। अमेरिका के न्याय विभाग ने न्यूयॉर्क में रह रहे एक सिख अलगाववादी की हत्या की कथित नाकाम साजिश के संबंध में बृहस्पतिवार को भारत सरकार के एक कर्मचारी के खिलाफ आपराधिक आरोपों की घोषणा की। मेरिकी न्याय विभाग ने विकास यादव पर सिख अलगावावादी गुरपतवंत सिंह पन्नून की हत्या की नाकाम साजिश में भूमिका के संबंध में, भाड़े के हत्यारों की मदद से हत्या को अंजाम देने का प्रयास करने और धन शोधन के आरोप लगाए गए हैं। इस पर वर्मा ने कहा, अभियोग, दोषसिद्धि नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका की न्यायिक प्रक्रिया का पालन करेगा। कनाडा में निज्जर की हत्या के कारण भारत-कनाडा के संबंध एक साल से अधिक समय से तनावपूर्ण बने हुए हैं लेकिन वर्मा का मानना है कि इससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि इसका गैर-राजनीतिक द्विपक्षीय संबंधों पर ज्यादा असर पड़ेगा।

बीजिंग के युद्धाभ्यास के एक सप्ताह बाद अमेरिकी व कनाडाई युद्धपोत ताइवान जलडमरूमध्य से गुजरे

ताइपे।(एपी) चीन द्वारा ताइवान के पास बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास किए जाने के लगभग एक सप्ताह बाद अमेरिका और कनाडा के युद्धपोत रविवार को ताइवान जलडमरूमध्य से गुजरे। चीन ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है। अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि सभी देशों के लिए नौवहन की स्वतंत्रता के सिद्धांत को कायम रखने के लिए विध्वंसक पोत यूएसएस हिगिंस और कनाडाई युद्धपोत एचएमसीएस वैंकूवर ताइवान जलडमरूमध्य से नियमित रूप से गुजरे। अमेरिकी नौसेना के पोत चीन को ताइवान से अलग करने वाले संवेदनशील जलमार्ग से नियमित रूप से गुजरते हैं। ऐसे में कभी-कभी मित्र देशों के पोत भी उसके साथ होते हैं। चीन ने इस युद्धाभ्यास की निंदा करते हुए कहा कि यह क्षेत्र में शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचाता है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की ईस्टर्न थिएटर कमांड ने कहा कि उसने अमेरिकी और कनाडाई पोतों के पारगमन की निगरानी के लिए कानून के अनुसार नौसेना और वायु सेना को तैनात किया है। अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े ने बयान में कहा कि पोत ऐसे जल क्षेत्र से गुजरे जहां समुद्री नौवहन और हवाई क्षेत्र में उड़ान की स्वतंत्रता अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत लागू होती है। इसमें कहा गया है, ताइवान जलडमरूमध्य में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के नौवहन के अधिकारों और स्वतंत्रता को सीमित नहीं किया जाना चाहिए। चीन ने सोमवार को ताइवान और उसके बाहरी द्वीपों के आसपास बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया जिसमें युद्धक विमानों के साथ एक विमानवाहक पोत भी तैनात किया गया। उसका यह कदम ताइवान जलडमरूमध्य में तनावपूर्ण स्थिति को दर्शाता है। चीन ने सैन्य अभ्यासों में एक दिन में रिकॉर्ड 125 सैन्य विमानों का इस्तेमाल किया। चीन के रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि यह अभ्यास ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के बीजिंग की उन मांगों को मानने से इनकार करने की प्रतिक्रिया है कि ताइवान खुद को कम्युनिस्ट पार्टी के शासन के तहत चीन के हिस्से के रूप में स्वीकार करे।

फिलीपीन में अमेरिकी मिसाइलों की तैनाती युद्ध तैयारी के लिहाज से बहुत अहम : सैन्य अधिकारी

**मनीला, 21 अक्टूबर (भाषा) अमेरिका के एक शीर्ष सैन्य अधिकारी ने सोमवार को कहा कि उत्तरी फिलीपीन में मध्यम दूरी की एक मिसाइल प्रणाली की हालिया तैनाती अविश्वसनीय रूप से अहम है और अमेरिका तथा फिलीपीन की सेनाओं को एशिया में ऐसे भारी हथियारों के संभावित इस्तेमाल के लिए संयुक्त तौर पर प्रशिक्षित करने में सक्षम बनाती है। अमेरिका के जो बाइडन प्रशासन ने एशिया में ताइवान और अन्य विवादित इलाकों में संभावित टकराव सहित किसी भी अन्य स्थिति में चीन का बेहतर मुकाबला करने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सैन्य गठबंधनों को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। पिछले साल दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ बढ़ते विवाद के मद्देनजर फिलीपीन ने भी अपनी क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में काम किया है। चीन ने एशिया में अमेरिका की बढ़ती सैन्य उपस्थिति का कड़ा विरोध किया है। लेकिन अप्रैल में अमेरिकी सेना द्वारा फिलीपीनी फौज के साथ संयुक्त युद्ध अभ्यास के हिस्से के रूप में उत्तरी फिलीपीन में टायफ्न मिसाइल प्रणाली की तैनाती से वह खासतौर से चिंतित है। टायफ्न मिसाइल प्रणाली एक सतह-आधारित हथियार है, जो स्टैंडर्ड मिसाइल-6 और टॉमहॉक लैंड अटैक मिसाइल दागने में सक्षम है। यह पूछे जाने पर कि फिलीपीन में टायफ्न मिसाइल प्रणाली ने संयुक्त युद्ध अभ्यास में प्रतिभागी बलों की कैसे मदद दी, इस पर अमेरिका के हवाई में तैनात 25वें इंफैंट्री डिविजन के कमांडिंग जनरल मार्क्स इवांस ने कहा, 'यह सामूहिक रूप से क्या करता है, हमें यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि उस क्षमता का कैसे इस्तेमाल किया जाए-यहां की पर्यावरणीय चुनौतियां क्षेत्र के किसी भी अन्य स्थान की तुलना में बहुत अनोखी हैं। मनीला में द एसोसिएटेड प्रेस को दिए साक्षात्कार में इवांस ने कहा, पिछले साल, हमने लंबी दूरी की मिसाइलें दागने में सक्षम एचआईएमएआरएस (हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम) की तैनाती की थी और हम विमान से उन्हें पूरे द्वीपसमूह में ले जाने में सफल रहे थे।

पाकिस्तान में कानून पारित

तीन वर्ष तक सीमित किया गया प्रधान न्यायाधीश का कार्यकाल

इस्लामाबाद।(भाषा) पाकिस्तान ने सोमवार को एक कानून पारित किया, जिसके तहत प्रधान न्यायाधीश का कार्यकाल तीन साल तक सीमित कर दिया गया और उच्चतम न्यायालय के तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों में से शीर्ष न्यायाधीश की नियुक्ति के लिए विशेष आयोग का गठन किया जाएगा। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के विरोध के बीच पाकिस्तान सरकार ने यह कदम उठाया। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने सोमवार को संविधान (26वां संशोधन) अधिनियम, 2024 को अपनी मंजूरी दे दी, जिसे संसद के दोनों सदनों - सीनेट और नेशनल असेंबली ने पहले ही पारित कर दिया था। छब्बीसवें संविधान संशोधन विधेयक के कानून बन जाने के बाद सरकार अब न्यायमूर्ति मसूर अली शाह को वर्तमान प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा का स्थान लेने से रोक सकती है, जो 65 वर्ष के होने के बाद 25 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 65 साल से बढ़ाकर 68 साल करने का मूल विचार संशोधन का हिस्सा नहीं था। रविवार को सीनेट ने दो तिहाई बहुमत से इस विधेयक को हरी झंडी दे दी। फिर, रविवार देर रात शुरू हुए और सोमवार सुबह 5 बजे तक जारी रहे सत्र के दौरान नेशनल असेंबली ने भी विधेयक पारित कर दिया। सदन के 336 सदस्यों में से 225 ने विधेयक का समर्थन किया। विपक्ष का आरोप है कि नए कानून का उद्देश्य स्वतंत्र न्यायपालिका की शक्तियों को कम करना है। नेशनल असेंबली सचिवालय की अधिसूचना के अनुसार, संविधान (26वां संशोधन) अधिनियम, 2024 को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल गई है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और सुन्नी-इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) ने नेशनल असेंबली में संशोधन का विरोध किया, लेकिन पीटीआई के समर्थन से अपनी सीट बरकरार रखने वाले छह निर्दलीय सदस्यों ने विधेयक का समर्थन किया। सरकार को संशोधन पारित करने के लिए 224 वोटों की आवश्यकता थी। रविवार रात सीनेट में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत के साथ संशोधन को मंजूरी देने के लिए इसे चार के मुकाबले 65 मत मिले। सत्तारूढ़ गठबंधन को संसद के ऊपरी सदन में 64 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता थी। इस विधेयक में कई संवैधानिक संशोधन शामिल हैं, जिनमें उच्चतम न्यायालय के तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों में से एक को प्रधान न्यायाधीश नियुक्त करने के लिए विशेष आयोग का गठन भी शामिल है।

ऑस्ट्रेलियाई सांसद ने चार्ल्स से कहा-आप मेरे राजा नहीं हैं

कैनबरा,(एपी)। ऑस्ट्रेलियाई संसद का दौरा करने पहुंचे राजा चार्ल्स तृतीय से यहां की एक सांसद ने सोमवार को कहा कि यह देश ब्रिटेन के राजा की जमीन नहीं है।आदिवासी सांसद लिडिया थोर्पे ने शाही दंपति के संसद में पहुंचने पर चिल्लाते हुए कहा कि ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों की जमीनें और हड्डियां तक छीन ली थीं, जिसके बाद उन्हें (थोर्पे) को संसद से बाहर ले जाया गया। थोर्पे ने कहा, आपने (ब्रिटेन के राजा) हमारे लोगों का कत्लेआम किया। आपने हमारा जो भी लिया है, हमें लौटाइए- चाहे वे हमारी हड्डियां, हमारी खोपड़ियां, हमारे बच्चे और हमारे लोग ही क्यों न हों। आपने हमारी धरती तबाह कर दी। हमारे साथ संधि कीजिए। हमें संधि चाहिए। ब्रिटिश उपनिवेशवादियों और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों (आदिवासियों) के बीच आज तक कोई संधि नहीं हुई। चार्ल्स ने तुरंत ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज से दबी आवाज में कुछ बातचीत की और सुरक्षा अधिकारियों ने थोर्पे को उनके करीब जाने से रोक दिया।सभागार से बाहर थोर्पे ने चिल्लाते हुए कहा, यह आपकी (चार्ल्स) जमीन नहीं है। आप मेरे राजा नहीं हैं। थोर्पे को उनके कई चर्चित विरोध प्रदर्शनों के लिए जाना जाता है।जब 2022 में थोर्पे को सांसद पद की शपथ दिलाई गई थी तब उन्हें तत्कालीन महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को उपनिवेशवादी कहने की अनुमति नहीं मिली थी।अल्बानीज चाहते हैं कि देश एक गणतंत्र बने और उसका राष्ट्राध्यक्ष कोई ऑस्ट्रेलियाई हो। उन्होंने चार्ल्स का स्वागत करते हुए अपने भाषण में इस मुद्दे का अप्रत्यक्ष रूप से संदर्भ दिया। उन्होंने कहा, आपने (चार्ल्स) ऑस्ट्रेलियाई लोगों के प्रति बहुत सम्मान दिखाया है। यहां तक कि उस समय भी जब हमने अपनी संवैधानिक व्यवस्थाओं के भविष्य और राजा के साथ अपने संबंधों को लेकर बहस की थी। प्रधानमंत्री ने कहा, कुछ भी स्थिर नहीं रहता।

महाराजा चार्ल्स और महारानी कैमिला ने ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की

कैनबरा> महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित किया और अपने शुभचिंतकों से मुलाकात की। चार्ल्स (75) कैंसर का इलाज करवा रहे है, जिसके कारण उनकी यात्रा का कार्यक्रम छोटा कर दिया गया है। यह चार्ल्स की ऑस्ट्रेलिया की 17वी यात्रा है और 2022 में ब्रिटेन का महाराजा बनने के बाद से उनकी पहली यात्रा है। चार्ल्स और कैमिला ने अपने आगमन के अगले दिन आराम किया और रविवार को सिडनी में चर्च सेवा में अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज कराई। इसके बाद वे कैनबरा के लिए रवाना हुए, जहां उन्होंने अज्ञात ऑस्ट्रेलियाई सैनिक के स्मारक का दौरा किया। फिर उन्होंने प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज द्वारा संसद भवन में आयोजित एक स्वागत समारोह में भाग लिया। दंपति ने युद्ध स्मारक से निकलकर सैकड़ों लोगों का अभिवादन किया। स्वागत समारोह में सभी छह ऑस्ट्रेलियाई राज्यों के सरकारी नेताओं ने भाग नहीं लिया।

इंडोनेशिया के नवनियुक्त राष्ट्रपति सुबियांतो ने 1966 के बाद के सबसे बड़े मंत्रिमंडल की घोषणा की

जकार्ता। इंडोनेशिया के नवनियुक्त राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने रविवार देर रात, 1966 के बाद देश के सबसे बड़े मंत्रिमंडल की घोषणा की और मजबूत सरकार का संकल्प जताया। नए राष्ट्रपति के मंत्रिमंडल में 109 सदस्य हैं। उन्होंने इंडोनेशिया के झंडे के रंगों का संदर्भ देते हुए अपने कैबिनेट मंत्रियों, उपमंत्रियों और राष्ट्रीय एजेंसियों के प्रमुखों को रेड एंड व्हाइट कैबिनेट नाम दिया। सुबियांतो रविवार को दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के आठवें राष्ट्रपति बने। पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो के मंत्रिमंडल में 34 मंत्री और सरकारी एजेंसियों के प्रमुख थे। सुबियांतो का मंत्रिमंडल 1966 के बाद सबसे बड़ा मंत्रिमंडल है। 1966 में इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो ने, 1965 के असफल तख्तापलट के बाद अत्यंत तनावपूर्ण राजनीतिक स्थिति में 132 मंत्रियों का भारी-भरकम मंत्रिमंडल गठित किया था। उनके तथाकथित द्विकोरा कैबिनेट 2 को एक महीने बाद ही बर्खास्त कर दिया गया था। सुबियांतो ने पहले कहा था कि उन्हें एक मजबूत प्रशासन की जरूरत है, हालांकि विश्लेषकों का कहना है कि उनका बड़ा मंत्रिमंडल नौकरशाही को बढ़ावा देगा पिछले हफ्ते अपने आवास पर साक्षात्कार के लिए 100 से ज्यादा लोगों को आमंत्रित करने से पहले सुबियांतो ने कहा था, मैं एक मजबूत सरकार बनाना चाहता हूं जो हमारे बहुसांस्कृतिक समाज और विविध राजनीतिक हितों को एकजुट करेगी। उन्होंने कहा, यह एक बड़ा गठबंधन होगा, और कुछ लोग कहेंगे कि मेरा मंत्रिमंडल विशाल है। मंत्रिमंडल में सात दलों के गठबंधन के नेता शामिल हैं, जिन्होंने फरवरी के चुनाव में सुबियांतो की जीत का समर्थन किया था। विडोडो के मंत्रिमंडल से संबद्ध लोग भी इनमें शामिल हैं क्योंकि सुबियांतो ने उन्हें अपने पद पर बने रहने के लिए पुन: नियुक्त किया है। विश्लेषकों का कहना है कि यह कदम चुनाव में विडोडो के मौन समर्थन का इनाम है।

वियतनाम ने महीनों की उथल-पुथल के बाद सैन्य जनरल को नया राष्ट्रपति नियुक्त किया

हनोई। वियतनाम ने सोमवार को सैन्य जनरल लुओंग कुओंग को अपना नया राष्ट्रपति चुना। वह 18 महीनों में इस पद पर नियुक्त चौथे अधिकारी हैं। नेशनल असेंबली ने कुओंग (67) को टो लैम की जगह राष्ट्रपति बनाया है। टो लैम अगस्त में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव के रूप में औपचारिक रूप से नियुक्त होने के बाद भी राष्ट्रपति बने रहे। कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव की भूमिका वियतनाम में सबसे शक्तिशाली पद है जबकि राष्ट्रपति पद काफी हद तक औपचारिक है। चार दशकों से अधिक समय तक वियतनाम सेना में सेवा दे चुके कुओंग 2021 से पोलित ब्यूरो के सदस्य हैं। कुओंग की नियुक्ति वियतनाम की राजनीति में महीनों तक चली उथल-पुथल और पूर्व पार्टी महासचिव गुएन फू ट्रोंग के निधन के बाद हुई है जो 2011 से देश के नेतृत्व पद पर थे। सिंगापुर के आईएसईएएस-यूसुफ इशाक इंस्टीट्यूट में वियतनाम अध्ययन कार्यक्रम के विजिटिंग फेलो गुएन खाक गियांग ने कहा कि नए राष्ट्रपति के रूप में कुओंग की नियुक्ति अशांति के दौर के बाद व्यवस्था को स्थिर करने का प्रयास है।

भारतीय अमेरिकी हैरिस को वोट देने से हिचकिचा रहे

**वाशिंगटन। (भाषा) वरिष्ठ भारतीय अमेरिकी नेता स्वदेश चटर्जी ने कहा है कि अमेरिका में रह रहा भारतीय समुदाय पांच नवंबर को होने वाले चुनाव में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को वोट देने से हिचकिचा रहा है, क्योंकि सीनेटर या कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल के रूप में अपनी पिछली भूमिकाओं में हैरिस ने भारतीय समुदाय के बीच अपना जनाधार विकसित नहीं किया। वर्ष 2001 में पद्म भूषण से सम्मानित भारतीय समुदाय के डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े नेता ने इंडियन अमेरिकन्स फॉर हैरिस नामक समूह बनाया है, जो उपराष्ट्रपति के पक्ष में न सिर्फ कैलिफोर्निया में चुनाव प्रचार कर रहा है बल्कि अन्य राज्यों में भी उपराष्ट्रपति का समर्थन कर रहा है। चटर्जी ने स्वीकार किया है कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय उन्हें भारी मत देने से हिचकिचा रहा है, क्योंकि वे उन्हें अच्छी तरह से नहीं जानते। उन्होंने कहा कि कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल के रूप में हैरिस ने भारतीय अमेरिकी समुदाय में अपना जनाधार नहीं बनाया और सीनेटर के रूप में वह समुदाय की किसी भी बैठक या उनके किसी भी कार्यक्रम का हिस्सा नहीं बनी।उन्होंने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, हालांकि वह भारतीय मूल की है, लेकिन उनके पास उस तरह का जनाधार नहीं है। चटर्जी ने कहा कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए ऐतिहासिक चुनाव प्रचार का अंतिम पखवाड़ा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव के लिए हैरिस के सामने आने वाली चुनौतियों पर उनका अवलोकन भारतीय अमेरिकियों से उन्हें और उनकी टीम को मिली जानकारी पर आधारित है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि यह एक चुनौती हो सकती है। हालांकि वे (हैरिस की चुनाव प्रचार अभियान टीम) इसका समाधान करने की कोशिश कर रहे हैं। वे अच्छी तरह जानते थे कि एशियाई अमेरिकी और दक्षिण एशियाई समुदाय दोनों में ही कमला हैरिस को लेकर विश्वसनीयता की कमी है। भारतीय-अमेरिकी नेता ने कहा कि समुदाय पूरी तरह बंटा हुआ है। उन्होंने कहा, जो भारतीय अमेरिकी थोड़े समृद्ध हैं, उन्हें लगता है कि (रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार) डोनाल्ड ट्रंप कर घटाएंगे। साथ ही हिंदू धर्म के बारे में थोड़ा बहुत जानने वाले लोगों को लगता है कि टेक्सास और अहमदाबाद में क्रमशः हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप कार्यक्रमों के कारण अमेरिका-भारत संबंधों के लिए ट्रंप बेहतर होंगे।

तुर्किए के स्व-निर्वासित आध्यात्मिक नेता फ्तेहुल्ला का निधन

सैलोखर्ग (अमेरिका)। तुर्किए में 2016 में तख्तापलट की नाकाम कोशिश के मास्टरमाइंड होने के आरोपों का सामना करने वाले इस्लामी धर्म गुरु फ्तेहुल्ला गुलेन का अमेरिका में स्व निर्वासन में निधन हो गया।अमेरिका में रह रहे धर्मगुरु ने वैश्विक सामाजिक आंदोलन को प्रेरित किया था। गुलेन से संबंधित ट्वीज़ जमां अखबार के पूर्व संपादक अब्दुल्ला बुजकुर्त ने कहा कि उन्होंने गुलेन के भतीजे कमाल गुलेन से बातचीत की है और उन्होंने फ्तेहुल्ला गुलेन के निधन की पुष्टि की है। फ्तेहुल्ला गुलेन की उम्र 83 साल थी और वह लंबे वक्त से बीमार थे। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनादोलू की खबर के मुताबिक, विदेश मंत्री हाकन फिदान ने कहा है कि तुर्किए की खुफिया एजेंसियों ने फ्तेहुल्ला गुलेन के निधन की पुष्टि की है। गुलेन ने अपनी जिंदगी का अंतिम दशक स्व-निर्वासन में बिताया और वह पेंसिल्वेनिया के पोकोनो माउंटेन में रह रहे थे। वह इसी स्थान से तुर्किए और दुनियाभर के अपने लाखों अनुयायियों के संपर्क में रहते थे।

पुतिन ब्रिक्स की मेजबानी से रूस की अहमियत साबित करने के प्रयास में

वाशिंगटन। (एपी) रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आगामी दिनों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन सहित दुनियाभर के कई नेताओं की मेजबानी करेंगे। ए सभी नेता ब्रिक्स समूह के शिखर सम्मेलन के लिए मंगलवार को रूस के शहर कजान में होंगे और इसी के साथ यूक्रेन में जारी युद्ध एवं पुतिन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट की वजह से रूस के राष्ट्रपति के अलग-थलग पड़ने की संभावनाएं खारिज हो जाएंगी। विकासशील देशों के समूह ब्रिक्स का उद्देश्य पश्चिमी नेतृत्व वाली वैश्विक व्यवस्था को संतुलित करना है। शुरुआत में इसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे लेकिन इस साल इसका तेजी से विस्तार हुआ। ईरान, मिस्र, इथियोपिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब जनवरी में इसमें शामिल हुए। तुर्किए, अजरबैजान और मलेशिया ने इसमें शामिल होने के लिए औपचारिक रूप से आवेदन किया है तथा कई अन्य देशों ने सदस्य बनने की इच्छा व्यक्त की है। रूसी अधिकारी इसे पहले से ही एक बड़ी सफलता के रूप में देख रहे हैं। पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि 32 देशों ने भागीदारी की पुष्टि की है और 20 से अधिक देश इसमें अपने शासन प्रमुखों को भेजेंगे। उशाकोव ने कहा कि पुतिन लगभग 20 द्विपक्षीय बैठकें करेंगे और यह शिखर सम्मेलन रूसी धरती पर अब तक का सबसे बड़ा विदेश नीति कार्यक्रम बन सकता है।विश्लेषकों का कहना है कि पश्चिम के साथ जारी तनाव के बीच इस सम्मेलन के जरिए रूस यह दिखाने की कोशिश करेगा कि वह अपने वैश्विक सहयोगियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। इसके साथ ही वह रूस की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और उसके युद्ध प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए उनके साथ समझौते भी करना चाहेगा। सम्मेलन में भाग लेने वाले अन्य देशों के लिए यह अपनी बात रखने का एक मौका होगा। कार्नेगी रूस यूरेशिया सेंटर के निदेशक अलेक्जेंडर गबुएव ने कहा, ब्रिक्स की खूबसूरती यह है कि यह आप पर बहुत अधिक दायित्व नहीं डालता है। गबुएव ने कहा कि पुतिन के लिए यह शिखर सम्मेलन व्यक्तिगत रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उन्हें अलग-थलग करने के पश्चिमी प्रयासों की विफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन देश और विदेश में यह प्रदर्शित करेगा कि रूस वास्तव में एक अहम खिलाड़ी है जो ऐसे नए समूह का नेतृत्व कर रहा है जो पश्चिमी प्रभुत्व को समाप्त करेगा। गबुएव ने कहा कि रूस, भारत और चीन जैसे अहम देशों के साथ व्यापार बढ़ाने और पश्चिमी प्रतिबंधों को दरकिनार करने के बारे में बात करेगा। उन्होंने कहा कि भारत रूसी वस्तुओं के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। रूस यह भी चाहता है कि अधिक से अधिक देश ऐसी भुगतान प्रणाली परियोजना में शामिल हों जो वैश्विक बैंक मैसेजिंग नेटवर्क स्विफ्ट का विकल्प हो ताकि मॉस्को प्रतिबंधों की चिंता किए बिना अपने भागीदारों के साथ व्यापार कर सके। भारत के पश्चिमी मित्र चाहते हैं कि भारत मॉस्को को युद्ध समाप्त करने के लिए मनाने में अधिक सक्रिय भूमिका निभाए जबकि मोदी ने शांतिपूर्ण समाधान पर जोर देते हुए रूस की निंदा करने से परहेज किया है।

चीन ने रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी शी की मुलाकात के बारे में पूछे गए सवालों को टाल दिया

बीजिंग। (भाषा) चीन के विदेश मंत्रालय ने रूस में इस सप्ताह ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच संभावित मुलाकात के बारे में सोमवार को पूछे गए सवालों को टाल दिया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने यहां संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, अगर कोई बात सामने आती है तो हम आपको सूचित करेंगे। रूस के कजान में मंगलवार को शुरू हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी और शी भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की कजान यात्रा से पहले विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सोमवार को नई दिल्ली में कहा कि भारत और चीन के वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने के बारे में एक समझौते पर पहुंच गए हैं। मिसरी द्वारा घोषित समझौते पर बीजिंग से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद भारत और चीन के संबंधों में खटास आ गई थी। इस झड़प को पिछले कई दशक में दोनों देशों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष माना जा रहा है। चीन ने पिछले शुक्रवार को घोषणा की थी कि शी रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जहां वह ग्लोबल साउथ के लिए एकजुटता हासिल करने के वास्ते एक नए युग की शुरुआत को लेकर अन्य पक्षों के साथ मिलकर काम करेंगे। आमतौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों या विकासशील देशों को ग्लोबल साउथ कहा जाता है।

दीपिका ने तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में पांचवां रजत पदक जीता, धीरज हारे

भाषा। टिलेक्सकला (मैक्सिको)

भारत की शीर्ष रिकर्व तीरंदाज दीपिका कुमारी ने विश्व कप फाइनल में पांचवां रजत पदक जीता। वह फाइनल में चीन की लि जियामैन से 0 .6 से हार गई। दिसंबर 2022 में अपनी बेटी के जन्म के बाद विश्व कप फाइनल में लौटी चार बार की ओलंपियन दीपिका को आठ तीरंदाजों में तीसरी वरीयता मिली थी। सेमीफाइनल तक दीपिका को कोई दिक्कत नहीं हुई लेकिन स्वर्ण पदक के मुकाबले में वह पेरिस ओलंपिक में टीम स्पर्धा का रजत पदक जीतने वाली जियामैन से हार गई। दीपिका नौवीं बार विश्व कप फाइनल खेल रही थी।

भारत के लिए विश्व कप फाइनल में सिर्फ डोला बनर्जी ने स्वर्ण पदक जीता था जब दुबई में 2007 में वह अव्वल रही थी। पुरूषों के रिकर्व वर्ग में धीरज बोम्मादेवरा 4-2 से आगे रहने के बावजूद पहले दौर में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के ली वू सियोक से हार गए। पांच सदस्यीय भारतीय दल में तीन कंपाउंड और दो रिकर्व तीरंदाज थे।

भारत की झोली में सिर्फ एक पदक गिरा। सेमीफाइनल में मैक्सिको की अलेजांद्रा वालेंशिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली दीपिका उस लय को कायम नहीं रख सकी। पहला सेट उसने एक अंक से (26-27) गंवाया। दूसरे सेट में वापसी की लेकिन ली ने 30-28 से जीता। तीसरे सेट में ली ने 27-25 से जीत दर्ज की। पुरुषों के रिकर्व वर्ग में धीरज अकेले भारतीय चुनौती पेश कर रहे थे। उन्हें 4.6 (28-28, 29-26, 28-28, 26-30, 28-29) से पराजय झेलनी पड़ी।

टी-20 विश्व कप विजेता न्यूजीलैंड की महिला टीम के बीच पुरस्कार राशि को बांटा जाएगा

एपी। वेलिंगटन

महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 32 रन से हराने वाली न्यूजीलैंड व्हाइट फर्न्स क्रिकेट टीम को पुरस्कार राशि में मिली 2.3 मिलियन डॉलर (लगभग 19.33 करोड़ रुपए) को खिलाड़ियों के बीच बांटा जाएगा।

इससे टीम के प्रत्एक सदस्य के हिस्से में लगभग 155,000 डॉलर (1.31 करोड़ रुपए) आएंगे। पिछले कई वर्षों से पुरुष खिलाड़ियों की तरह वित्तीय समानता हासिल करने के लिए वर्षों तक संघर्ष कर रही महिला टीम के सदस्यों के लिए यह बड़ी रकम है। क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के विश्व कप में न्यूजीलैंड की पहली जीत अप्रत्याशित है। टूर्नामेंट के अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराने से पहले व्हाइट फर्न्स ने लगातार 10 टी20 मैच गंवाए थे।

न्यूजीलैंड ने अपने अभियान के दौरान लीग चरण में भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया जबकि उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में छह बार की चैम्पियन और खिताब के दावेदार ऑस्ट्रेलिया को हराया था लेकिन फाइनल में यह टीम दबाव में एक बार फिर बिखर गई। न्यूजीलैंड ने फाइनल में पांच विकेट पर 158 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट पर 126 रन पर रोक दिया। न्यूजीलैंड के लिए अमेलिया केर ने 38 गेंदों पर 43 रन बनाए और फिर 24 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने ब्रूक हैलिडे (38) के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 57 रन की साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। कप्तान सूजी बेट्स ने भी 32 रन का योगदान दिया।

फाइनल में 25 रन पर तीन विकेट लेने वाली न्यूजीलैंड की गेंदबाज रोजमेरी माएर ने कहा, इमानदारी से कहूं तो यह अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा, हम बस एक-दूसरे की बहुत परवाह करते हैं। पिछले 18 महीनों में हम कई कठिनाइयों से गुजरे हैं और हम एक-दूसरे के साथ बने रहे और एक-दूसरे के लिए कड़ी मेहनत करते रहे।

घरेलू टेस्ट मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन से मोहम्मद सिराज पर बढ़ा दबाव

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टीम चयन में निरंतरता में विश्वास करते हैं जिससे घरेलू परिस्थितियों में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में अंतिम एकादश में जगह बनाए रखने के लिए संघर्ष करना होगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की श्रृंखला का दूसरा टेस्ट 24 अक्टूबर से पुणे में शुरू होगा। टीम में स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर को शामिल करना एक संकेत है कि कोच गौतम गंभीर और रोहित स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल पिच पर उन्हें खिलाना चाहेंगे।

हैदराबाद के इस 30 साल के गेंदबाज ने अपने 30 टेस्ट के करियर में 80 विकेट लिए है जिसमें से 61 विकेट दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 17 टेस्ट मैचों में आए हैं। भारत में उनके नाम 13 मैचों में 192.2 ओवर की गेंदबाजी में सिर्फ 19 विकेट है। यह आंकड़े बताते है कि सिराज उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी जैसे गेंदबाजों इतने कारगर नहीं है। बुमराह और शमी के पास किसी पर पिच और परिस्थितियों में विकेट निकालने की क्षमता है। सिराज भारत में इनमें से चार मैचों में एक भी विकेट लेने में विफल रहे है उनमें से दो मैचों में उन्हें क्रमश 10 और छह ओवर ही गेंदबाजी करने के लिए मिले। ए मुकाबले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल इंदौर और दिल्ली में खेले गए थे। सिराज के लिए सबसे बड़ी निराशा की बात यह है कि वह नई गेंद से विकेट निकालने में विफल रहे हैं जिससे बुमराह पर दबाव काफी बढ़ता जा रहा है। भारत के नई पीढ़ी के गेंदबाजों के साथ काम करने वाले एक गेंदबाजी कोच ने कहा कि सिराज की गेंदबाजी में भारतीय परिस्थिति के लिए तकनीकी खामियां है। उन्होंने गोपनीयता की शर्त पर कहा, आप अगर सिराज के रिकॉर्ड को देखे तो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में पारी में पांच विकेट लिए हैं जहां ज्यादा उछाल है। टेस्ट मैचों में गेंद को बल्लेबाज से छह से आठ मीटर की दूरी पर टप्पा खिलाने को टेस्ट मैचों में आदर्श लंबाई मानी जाती है। अलग-अलग देशों में हालांकि उछाल के आधार पर परिस्थितियां अलग होती है।

अपने समय में घरेलू क्रिकेट के शीर्ष गेंदबाजों में शामिल रहे इस खिलाड़ी ने कहा, ऑस्ट्रेलिया में आदर्श लंबाई आठ मीटर है, इंग्लैंड में यह लगभग छह मीटर है और कम उछाल वाले भारतीय विकेटों पर यह 6.5 मीटर है। आप इसे 6.5 मीटर के आसपास टप्पा खिलाने के साथ गति सही रखते है तो गेंद थोड़ी हरकत करती है और बाहरी किनारा लगने की संभावना रहती है। उन्होंने समझाते हुए कहा, सिराज बल्लेबाज से लगभग आठ मीटर दूर गेंद को टप्पा खिला रहे है और भारत में इस लंबाई के साथ विकेट निकालना मुश्किल है। उन्होंने कहा, भारतीय परिस्थितियों पिच की धीमी गति के कारण आठ मीटर की लंबाई वाली गेंद को परखने के लिए बल्लेबाज के पास अधिक समय होता है।

रणजी ट्रॉफी

दिल्ली ने तमिलनाडु को ग्रुप डी में जीत से रोका

भाषा। नई दिल्ली

सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान की 83 रन की संयमित पारी से दिल्ली ने सोमवार को यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच में तमिलनाडु को जीत दर्ज करने से रोक दिया। दिल्ली ने सुबह पहली पारी आठ विकेट पर 264 रन से शुरू की और बचे हुए दो विकेट महज दो रन जोड़कर गंवा दिए जिससे शतकवीर यश धुल (नाबाद 105 रन) दूसरे छोर पर नाबाद रहे।

फॉलो ऑन खेलते हुए दिल्ली ने शुरू में ही धुल का विकेट गंवा दिया लेकिन सांगवान ने बल्ले से शानदार जज्बा दिखाते हुए 231 गेंद में 12 चौके से अर्धशतकीय पारी खेली। उन्हें कप्तान हिम्मत सिंह (36 रन) और जोंटी सिद्धू (23 रन) से अच्छा सहयोग मिला। दिल्ली ने अंतिम दिन 83 ओवर में आठ विकेट पर 193 रन बनाकर मैच डड्रॉ कराया। भारतीय खिलाड़ी वाशिंगटन सुंदर (45 रन देकर तीन विकेट), सोनू यादव (37 रन देकर दो विकेट) और अजीत राम (52 रन देकर दो विकेट) ने तमिलनाडु के लिए विकेट झटके।

तमिलनाडु को मैच से तीन अंक मिले। गुवाहाटी में चंडीगढ़ ने असम को नौ विकेट से हराकर पूरे अंक हासिल किए। सात विकेट पर 144 रन से आगे खेलते हुए असम की दूसरी पारी 185 रन पर सिमट गई जिससे चंडीगढ़ को जीत के लिए 78 रन का लक्ष्य मिला जिसे उसने 17.2 ओवर में हासिल कर लिया। उसके लिए मनन वोहरा 51 रन बनाकर नाबाद रहे। ग्रुप डी के एक अन्य मैच में झारखंड और रेलवे के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। झारखंड को पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक मिले। झारखंड ने पहली पारी में 417 रन के जवाब में रेलवे को 414 रन पर समेट कर बढ़त हासिल की। राजकोट में छत्तीसगढ़ और सौराष्ट्र के बीच मैच ड्रॉ रहा जिसमें मेहमान टीम ने तीन अंक हासिल किए। छत्तीसगढ़ ने सात विकेट पर 578 रन पर पहली पारी घोषित की। जवाब में सौराष्ट्र की टीम ने चेतेश्वर पुजारा (234 रन) के दोहरे शतक तथा अर्पित वसावडा (73) और शेल्डन जैक्सन (62) के अर्धशतकों से अंतिम दिन आठ विकेट पर 478 रन बनाए। पुजारा ने 75 रन से आगे खेलते हुए अपनी पारी के दौरान 25 चौके और एक छक्का जड़ा। छत्तीसगढ़ के लिए शशांक सिंह ने 43 रन देकर तीन विकेट झटके।

भारतीय टीम विश्व ब्रिज खेलों में पेश करेगी मजबूत चुनौती

भाषा। नई दिल्ली

विनय देसाई के नेतृत्व में मजबूत भारतीय दल 22 अक्टूबर से तीन नवंबर तक ब्यूनस आयर्स में होने वाले 16वें विश्व ब्रिज खेलों की सभी चार श्रेणियों में चुनौती पेश करने के लिए तैयार है। भारतीय दल में 2018 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता प्रणव बर्धन (सीनियर वर्ग), राजू तालानी और जैग्गी शिवदासानी (ओपन वर्ग) जैसे कई दिग्गज खिलाड़ी शामिल है। इस प्रतियोगिता के ओपन वर्ग में 34 जबकि महिला वर्ग में 24 देश प्रतिस्पर्धा करेंगे। टूर्नामेंट के पहले चरण में राउंड रोबिन मुकाबले होंगे। इससे क्वालीफाई करने वाली टीमें अंतिम 16 के नॉकआउट चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रतियोगिताएं ओपन, वरिष्ठ, महिला और मिश्रित श्रेणियों में आयोजित की जाएंगी। डब्ल्यूबीएफ (विश्व ब्रिज महासंघ) के अध्यक्ष जान कामरास ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, डब्ल्यूबीएफ यह सुनिश्चित करने के लिए कई नए उपाय कर रहा है कि सभी प्रतिभागियों हमारे आदर्श वाक्य बुरे व्यवहार के लिए शून्य सहनशीलता का सम्मान किया जाए।

भारतीय टीम:-

ओपन वर्ग:- संजीत डे, अजय खरे, बिनोद कुमार साव, जैग्गी शिवदासानी, संदीप ठाकरन, राजू तोलानी, विनय देसाई (कप्तान)।

सीनियर वर्ग:- अरुण बीपर, प्रणव कुमार बर्धन, बादल चंद्र दास, रबी गोयनका, कमल कृष्ण मुखर्जी, विवस जे, गिरीश ओड (कप्तान)।

महिला वर्ग:- पूजा बत्रा, देवी मुथु भटनागर, भारती डे, अलका जैन, अलका क्षीरसागर, आशा शर्मा, अनल शाह (कप्तान)।

मिश्रित वर्ग:- हिमानी खंडेलवाल, राजीव खंडेलवाल, बिंदिया कोहली, किरण नादर, थोंडिकुलम वेंकटरमण रमानी, बच्चीराजू सत्यनारायण, विनय देसदाई (कप्तान)।

अब कोई दर्द नहीं है, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर दावा मजबूत करने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने की जरूरत

भाषा। गुरुग्राम

भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने सोमवार को कहा कि उन्हें अब जरा भी दर्द महसूस नहीं हो रहा है और अगले महीने शुरू होने वाले आस्ट्रेलिया के दौरे के चयन के लिए अपना दावा मजबूत करने के लिए उन्हें कम से कम एक या दो घरेलू मुकाबले खेलकर फिटनेस साबित करनी होगी।

शमी पिछले साल नवंबर में वनडे विश्व कप फाइनल के बाद से नहीं खेले हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में समाप्त हुए भारत के शुरूआती टेस्ट के बाद नेट पर गेंदबाजी की। हालांकि कुछ दिन पहले कप्तान रोहित शर्मा ने खुलासा किया था कि उनके घुटने में सूजन है जिससे पिछले साल लगी टखने की चोट से उबरने के लिए चल रहा उनका रिहैबिलिटेशन प्रभावित हुआ। यूजेनिक्स हेयर साइंसेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान इस 34 साल के गेंदबाज ने अपनी क्रिकेट यात्रा के बारे में बात करते हुए कहा, मैंने कल जिस तरह गेंदबाजी की, उससे मैं खुश हूं। मैं इससे पहले आधे रन-अप से गेंदबाजी कर रहा था क्योंकि मैं ज्यादा दबाव नहीं लेना चाहता था। लेकिन कल मैंने पूरे रन-अप से गेंदबाजी की।

शमी ने कहा, मुझे अब कोई दर्द नहीं है। हर कोई लंबे समय से सोच रहा है कि मैं ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के लिए जा पाऊंगा या नहीं लेकिन अभी इसमें थोड़ा समय है। पर्थ में 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला के लिए भारत के दो हफ्ते पहले जाने की उम्मीद है जिससे शमी के पास बंगाल के लिए दो रणजी मैच में खेलने का काफी समय है। बंगाल 26 अक्टूबर से घरेलू मैदान पर केरल से भिड़ेगा जबकि फिर छह नवंबर से कर्नाटक के खिलाफ मैच खेलने के लिए बेंगलुरू जाएगा।

रेलवे ने इंडियन आइल को हराकर महिला हॉकी खिताब जीता

भाषा। नई दिल्ली

रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) ने इंडियन आइल को 3-1 से हराकर सीनियर महिला अंतर विभाग राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप जीत ली और पिछले साल मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया। मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर खेले गए फाइनल में भारत की कुछ शीर्ष महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया। इंडियन आइल के लिए 18वें मिनट में दीपिका ने गोल दागा। रेलवे के लिए भारत की सबसे अनुभवी खिलाड़ी वंदना कटारिया ने एक मिनट बाद ही गोल दागा। चौथे क्वार्टर में रेलवे की कप्तान नवनीत कौर ने फिर टीम को बढत दिलाई। वहीं भारतीय कप्तान सलीमा टेटे ने विजई गोल दागा। सलीमा को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। इससे पहले केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने भारतीय खेल प्राधिकरण को 3 . 2 से हराकर कांस्य पदक जीता। निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहने पर मुकाबला पेनल्टी शूटआउट तक गया था।

बांग्लादेश 106 रन पर सिमटा

- **ताईजुल के पांच विकेट से अफ्रीका के छह विकेट पर 140 रन**

एपी। मीरपुर (बांग्लादेश)

बाएं हाथ के स्पिनर ताईजुल इस्लाम के 49 रन देकर पांच विकेट की बदौलत बांग्लादेश ने सोमवार को यहां पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन पहली पारी में 106 रन पर सिमटने के बाद स्टंप तक दक्षिण अफ्रीका का स्कोर छह विकेट पर 140 रन कर दिया। ताईजुल इस तरह शाकिब अल हसन के बाद 200 विकेट झटकने वाले बांग्लादेश के दूसरे गेंदबाज बन गए।

खराब रोशनी के कारण दिन का खेल जल्दी समाप्त कर दिया गया। दक्षिण अफ्रीका ने 34 रन की बढ़त बना ली। काइल वेरेयने 18 और वियान मुल्डर 17 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। दोनों सातवें विकेट के लिए अभी तक 32 रन जोड़ चुके हैं। दिन में 16 विकेट गिरे और पिच के खराब होने के संकेत दिख रहे हैं। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांटो ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका के लिए मुल्डर (22 रन देकर तीन विकेट), कागिसो रबाडा (26 रन देकर तीन विकेट) और केशव महाराज (34 रन देकर तीन विकेट) ने मिलकर नौ विकेट झटककर बांग्लादेश की पारी खत्म की। मुल्डर ने अपने पहले तीन ओवरों में तीन विकेट लेकर बांग्लादेश के लिए शुरू में मुश्किल खड़ी की जिससे छठे ओवर तक उसका स्कोर तीन विकेट पर 21 रन हो गया।

रबाडा ने मुशिफकुर रहीम (11) के स्टंप उखाड़कर टेस्ट क्रिकेट में अपना 300वां विकेट झटका। इससे वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले दक्षिण अफ्रीका के छठे गेंदबाज बन गए। सलामी बल्लेबाज महमुदुल हसन ने लंच के बाद के सत्र में आउट होने से पहले 97 गेंद में 30 रन बनाए और टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। ताईजुल ने अंत में 16 रन बनाकर बांग्लादेश को 100 रन पार कराए।

फिर दक्षिण अफ्रीका की पारी के दौरान कार्यवाहक कप्तान ऐडन मार्क्रम को हसन महमूद ने आउट किया जिसके बाद ताईजुल ने मध्यक्रम को ध्वस्त किया। ट्रिस्टन स्टब्स (23 रन) और टोनी डि जोर्जी (30) ने दूसरे विकेट के लिए 44 रन जोड़े।

चोटिल होने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे श्रृंखला नहीं खेल पाएंगे जोस बटलर

एपी। लंदन

इंग्लैंड के सीमित ओवरों की टीम के कप्तान जोस बटलर चोटिल होने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। बटलर की अनुपस्थिति में अगले सप्ताह से शुरू होने वाली तीन मैच की वनडे श्रृंखला में लियम लिविंगस्टोन टीम की अगुवाई करेंगे। चोटिल होने के कारण बटलर पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में भी नहीं खेल पाए थे। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ नौ नवंबर से शुरू होने वाली पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में वापसी कर सकते हैं।

बजरंग और विनेश के ट्रायल्स से छूट लेने से विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई : साक्षी

भाषा। नई दिल्ली

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पूर्व पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि पिछले साल विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का एशियाई खेलों के ट्रायल्स से छूट लेने के फैसले से बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ उनके विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई क्योंकि इससे यह अभियान स्वार्थी दिखने लगा।

साक्षी इस विरोध प्रदर्शन के तीन मुख्य पहलवानों में से एक थीं, उन्होंने हाल में रिलीज हुई अपनी किताब विटनेस में इसके अलावा अपने करियर के संघर्षों के बारे में भी लिखा है। उन्होंने इसमें बताया कि जब बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू किया तो उनके विरोध प्रदर्शन में दरार आने लगी।

इन तीनों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख शरण सिंह पर अपने कार्यकाल के दौरान महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगया था और मामला दिल्ली की अदालत में चल रहा है। डब्ल्यूएफआई के निलंबन के बाद तदर्थ समिति ने कुश्ती का कामकाज देखना शुरू किया जिसने बजरंग और विनेश को 2023 एशियाई खेलों के ट्रायल्स में छूट दी लेकिन साक्षी ने अपने साथियों के सुझाव के बावजूद ऐसा नहीं करने का फैसला किया। अंत में साक्षी एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले सकीं लेकिन विनेश खेलों से पहले चोटिल हो गईं और बजरंग पदक जीतने में असफल रहे।

किताब में साक्षी ने अपने करियर के शुरूआती संघर्षों के अलावा पूर्व पहलवान और भाजपा नेता बबीता फोगाट पर अपने स्वार्थ के लिए विरोध प्रदर्शन का फायदा उठाने का आरोप भी लगाया। साक्षी की आत्मकथा के जोनाथन सेल्वाराज सह लेखक हैं। इसमें साक्षी ने हालांकि उन लोगों के नाम का खुलासा नहीं किया जिन्होंने बजरंग और विनेश को प्रभावित किया।

टर्निंग पिच तैयार करने के लिए पाकिस्तान के चयनकर्ताओं ने रावलपिंडी में डेरा डाला

रावलपिंडी। पाकिस्तान के क्रिकेट चयनकर्ता आकिब जावेद, अलीम डार, असद शफीक और अज़हर अली गुरुवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाले निर्णायक तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए टर्निंग पिच तैयार करवाने के लिए यहां डेरा डाले हुए हैं। चयनकर्ताओं के एक करीबी सूत्र ने कहा, मैदानकर्मियों को ऐसी पिच तैयार करने का निर्देश दिया गया है जिससे स्पिनरों को भरपूर मदद मिले क्योंकि पाकिस्तान एक बार फिर धीमी गति के गेंदबाजों के सहारे इंग्लैंड को चित करना चाहता है। इंग्लैंड ने तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला का पहला मैच पारी और 47 रन से जीता था। पाकिस्तान ने दूसरे टेस्ट मैच में अपने स्पिनरों नोमान अली और साजिद खान की शानदार गेंदबाजी के दम पर 152 रन से जीत हासिल की थी।

मुंबई ने महाराष्ट्र को नौ विकेट से हराया

भाषा। मुंबई

- **बड़ौदा ने सेना को 65 रन से मात दी**

पहले मैच में बड़ौदा से मिली करारी हार से उबरते हुए गत चैम्पियन मुंबई महाराष्ट्र को रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के दूसरे मैच में नौ विकेट से हराकर अपने अभियान को ढें पर लाया। जीत के लिए 74 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई ने रविवार को बिना किसी नुकसान के 13 रन बना लिए थे। आयुष म्हात्रे (15) के आउट होने से उसे बोनस अंक नहीं मिल सका।

पृथ्वी साव (36 गेंद में 39 रन) और हार्दिक तामोर (26 गेंद में 21 नाबाद) ने 13 . 3 ओवर में टीम को जीत तक पहुंचाया। पहले मैच में 42 बार की चैम्पियन मुंबई की टीम को बड़ौदा ने 84 रन से हराया था। मुंबई ने महाराष्ट्र को पहली पारी में 126 रन पर आउट करने के बाद 17 वर्ष के म्हात्रे के 176 रन और श्रेयस अय्यर के 142 रन की मदद से 441 रन बनाए। महाराष्ट्र ने दूसरी पारी में 388 रन बनाए लेकिन वह नाकाफी थे। शिलांग में त्रिपुरा ने मेघालय को एक पारी और 17 रन से हराया। त्रिपुरा के आठ विकेट पर 377 रन के जवाब में मेघालय ने 222 और 138 रन बनाए। दिल्ली में युवा ऑफ स्पिनर महेश पिथिया के करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 169 रन देकर नौ विकेट (दूसरी पारी में छह विकेट) से बड़ौदा ने सेना पर 65 रन से जीत दर्ज की।

सेना की टीम 341 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए 275 रन प सिमट गई। पिथिया को 19 साल के तेज गेंदबाज राज लिम्बानी (47 रन देकर तीन विकेट) का पूरा साथ मिला। सेना के लिए अर्जुन शर्मा नाबाद 79 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे जबकि रजत पालिवाल और लवकेश बसंल ने क्रमश: 47 और 39 रन बनाए।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।